धनबाद, बुधवार 19.06.2024
मूल्य- ₹ 3
वर्ष-30 अंक-118 पृष्ठ- 12
ज़्येष्ठ शुक्ल पक्ष-13
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

ढुल्लू महतो के बेटा प्रशांत के भट्ठे में कोयला तस्करी का भंडाफोड़

सीएम चम्पाई सोरेन को इस मामले में भरमाने में लगे कई अधिकारी

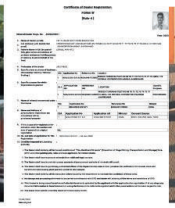

पूर्व एसएसपी संजीव कुमार के भय से ढुल्लू का बेटा का भट्ठा था बंद फिर जाते ही हुआ चालू

धनबाद (कासं) : झारखण्ड सरकार में शामिल जेएमएम और कांग्रेस भी अब अपने विरोधी पार्टियों के नेताओं के काले धंधे को जनता के सामने लाकर झारखण्ड में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में जनता के बीच जाकर अपने विरोधी पार्टी के नेताओं के काले धंधे की पोल खोलेगी।

केन्द्र सरकार की एजेंसियां झारखण्ड के मंत्री और पूर्व मंत्रियों एवं आईएस अधिकारियों को टारगेट कर भ्रष्टाचार अभियान चला रखा है। अब झारखण्ड सरकार के भी अपने विरोधी पार्टियों के उपर उनके काले धंधों को बंद कराने और जनता के सामने लाने का अभियान शुरू कर दिया है। झारखण्ड के डीजीपी अजय कुमार सिंह के निर्देश पर बरवाअड्डा के अजबडीह स्थित जगरनाथ हार्डकोक पर छापा मारकर तीन हजार टन कोयला बरामद किया है।

पूर्व एसएसपी संजीव कुमार के भय से यह भट्ठा दोनंबरी धंधा नहीं कर रहा था। जैसे ही संजीव कुमार का स्थानांतरण हुआ और धड़ल्ले से इस भट्ठे में कई कोयला माफियाओं ने अवैध माइनिंग का कोयला बड़े पैमाने पर गिराना शुरू कर दिया था। इसकी रिपोर्ट सीआईडी विभाग ने झारखण्ड सरकार से की थी। जिस पर डीजीपी अजय कुमार सिंह ने रांची से विशेष टीम भेजकर छापामारी इस भट्ठे पर कार्रवाई और तीन हजार टन का कोयला घोटाला और चोरी का मामला को पकड़ा है। अखबारों में इस भट्ठे का मालिक चुनचुन गुप्ता को बताया जा रहा है। जबकि इस भट्ठे का लाइसेंस प्रशांत कुमार के नाम से जारी हुआ है। प्रशांत कुमार के पिता का नाम ढुल्लू महतो दिया गया है। जिसका डिलर रजिस्ट्रेशन नंबर जे०२०४२३०६१ दिनांक २०.०३.२०२३ को जारी किया गया है।

फॉर्म बी. रूल नंबर ४ के तहत जब लाइसेंस प्रशांत कुमार पिता ढुल्लू महतो के नाम पर है तो क्या पुलिस और जांच एजेंसियों को गुमराह करने के लिए प्रशांत कुमार को बचाने के षड्यंत्र के तहत चुनचुन गुप्ता के नाम इस मामले में देने के पीछे एक बड़ी डिल की बू आ रही है। क्या सीएम चम्पाई सोरेन से ढुल्लू महतो का पुत्र के भट्ठे की आड़ में कोयला तस्करी का मामला छुपाया जा रहा है। क्या पुलिस भट्ठा के लाइसेंसी प्रशांत कुमार पिता ढुल्लू महतो के विरूद्ध राष्ट्रीय संपति का कोयला चोरी का मामला दर्ज करेगी।

नीट मामले में सुप्रीम कोर्ट की एनटीए को खरी-खरी

0.001 फीसदी भी लापरवाही हुई है तो एक्शन लें

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से कई तीखे सवाल किए। अदालत ने कहा कि अगर नीट परीक्षा में ०.००१ फीसदी भी लापरवाही हुई है तो उससे निपटा जाना चाहिए। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और इस मामले में जवाब दाखिल करने को कहा है। मेडिकल की इस परीक्षा के लिए छात्र-छात्राओं की मेहनत पर बात करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इस याचिका को विरोधात्मक भाव से नहीं देखा जाना चाहिए।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने कहा कि हम इन परीक्षाओं की तैयारियों में बच्चों ▶▶ 4

जम्मू-कश्मीर को बड़ी सौगात दे सकते हैं मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र में तीसरी बार सरकार बनाने के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर के दौरे पर जा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जम्मू-कश्मीर को बड़ी सौगात दे सकते हैं। पीएम मोदी २० और २१ जून को जम्मू-कश्मीर में रहेंगे। लोकसभा चुनाव के बाद और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों की आहट के बीच पीएम मोदी की इस यात्रा को बड़े राजनीतिक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। पीएम मोदी की इस यात्रा से भारत और दुनियाभर में जम्मू-कश्मीर को लेकर एक पॉजिटिव सिग्नल भी जाएगा। क्योंकि मोदी के तीसरे कार्यकाल में सबसे चुनौतीपूर्ण कामों में जम्मू-कश्मीर के लिए राज्य का दर्जा बहाल करना है। विधानसभा चुनाव के बाद ऐसा होने की उम्मीद है। भाजपा हाईकमान ने केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी को जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव का प्रभारी बनाकर चुनाव की तैयारियों में पूरी ताकत झोंकने के संकेत दे दिए हैं।

चार आईपीएस का तबादला, क्रांति गाडिदेशी बने दुमका जोनल आईजी

रांची (एजेंसी): सरकार ने चार आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है. केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस लौटे क्रांति कुमार गाडिदेशी को दुमका जोनल आईजी बनाया गया है. इससे संबंधित अधिसूचना मंगलवार की दोपहर जारी की गयी है. बता दें कि लगातार न्यूज की खबर पर मुहर लगी है. हमने १७ जून को खझड के ट्रांसफर-पोस्टिंग की तैयारी, इसी सप्ताह बदले जायेंगे कई जिलों के डझ के अलावा ऊखऋ-खऋ हेडिंग से खबर प्रकाशित की थी. खबर प्रकाशित होने के एक दिन बाद ही चार आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया.

क्रांति कुमार गाडिदेशी को दुमका जोनल आईजी ▶▶ 4

वीके सिंह, अश्विनी चौबे और हर्षवर्धन बनेंगे राज्यपाल

नई दिल्ली (ईएमएस): भाजपा अपने कई सीनियर नेताओं को इस बार राज्यपाल बना सकती है। इसमें वीके सिंह, अश्विनी चौबे और डॉ। हर्षवर्धन का नाम शामिल है। जबकि कैबिनेट मंत्री रहे महेंद्र नाथ पांडेय, आर के सिंह, पूर्व कैबिनेट मंत्री मेनका गांधी को लोकसभा चुनाव में हार मिली है। सूत्रों के मुताबिक, ये सभी नेता राज्यपाल बनने की दौड़ में शामिल हैं।

जनरल वीके सिंह (रिटायर्ड), डॉ.हर्षवर्धन और अश्विनी चौबे पिछली लोकसभा में बतौर बीजेपी सांसद मौजूद थे। ये तीनों मोदी कैबिनेट में भी शामिल रहे थे। इस बार तीनों संसद से दूर हैं और इन्हें सरकार में भी शामिल नहीं किया गया है। वीके सिंह की बात करें, तो वह गाजियाबाद से २०१४ और २०१९ के ▶▶ 4

PR 326817 (IPRD) 24-25
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

ब्लास्टिंग को ले उपायुक्त ने बीसीसीएल पदाधिकारियों के साथ की बैठक

धनबाद (कासं) : बीसीसीएल की कुजामा कोलियरी की आउटसोर्सिंग में रविवार को ब्लास्टिंग के बाद पत्थर गिरने से मोहरीबांध के लोगों को क्षति पहुँचने की शिकायत के मामले पर संज्ञान लेते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने बीसीसीएल के पदाधिकारी, खनन पदाधिकारी एवं डीएसपी लॉ एण्ड ऑर्डर के साथ समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बैठक की।

बैठक में उपायुक्त ने बीसीसीएल के पदाधिकारियों को यह निर्देशित किया कि इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति ना हो इसका ध्यान रखें। साथ ही ब्लास्टिंग के जो भी नियम एवं शर्तें डीजीएमएस द्वारा तय की गई है उसका अनुपालन अवश्य सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि लगातार ब्लास्टिंग के कारण घरों में दरार पड़ने एवं लोगों के घायल होने की शिकायतें प्राप्त होते रहती हैं। इस तरह की घटनाओं से विधिब्यवस्था की समस्या उत्पन्न होती है। ऐसी घटना दोबारा ना हो इसके लिए यह सुनिश्चित करें कि समय-समय पर ब्लास्टिंग कार्यों का बीसीसीएल के वरीय पदाधिकारी भी निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि ब्लास्टिंग के जो भी तय सुरक्षा मानक है उनका प्रयोग सुनिश्चित करना बीसीसीएल की जिम्मेदारी है। ब्लास्टिंग की लगातार मॉनिटरिंग करें साथ ही वाइब्रेशन लेवल की भी जांच कर यह सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रकार की क्षति आम लोगों को न पहुंचे। बैठक में बीसीसीएल के निदेशक तकनीकी संजय कुमार सिंह, निदेशक कार्मिक एमके रमैया, जीएम सुरक्षा अरुण कुमार, खनन पदाधिकारी मिहिर सलकर, डीएसपी लॉ एण्ड आर्डर दीपक कुमार मौजूद रहें।

कार खड़ी ट्रक में टकराई, महिला की मौत

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर थाना अंतर्गत टुंडी रोड पेट्रोल पंप के पास मंगलवार की सुबह गिरिडीह की ओर से आ रही कार ने पहले से खड़ी कोयला लोड ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इससे कार पर सवार महिला तहरीम मल्लिक उम्र करीब ३७ वर्ष महिला की मौत हो गई। जबकि उनके पति आलम मल्लिक घायल हो गए। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के बाद उन्हें दुर्गापुर रेफर कर दिया गया। घटना की खबर सुनकर गोविंदपुर थाना के अवर निरीक्षक रविरंजन पाडेय दलबल के साथ पहुंचे और आसपास के लोगों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद दुर्घटनाग्रस्त कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। कर पर बच्चे भी सवार थे। बताया जाता है कि आलम मल्लिक जमुई के रहने वाले हैं। वह अपनी कार से जमुई से पश्चिम बंगाल के रानीगंज जा रहे थे। कार तेज रफ्तार में थी और तड़के ५ बजे झपकी लग जाने से उनकी कार कोयला लदी ट्रक के नीचे घुस गई। घटना की खबर सुनकर आसपास के लोग और सड़क से गुजर रहे लोग जुट गए और बचाव कार्य किया।

कल्याण भवन में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

धनबाद (कासं) : भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के प्रशिक्षण केंद्र मानव संसाधन विकास विभाग, कल्याण भवन में मंगलवार को एकदिवसीय राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए महाप्रबंधक (का. एवं राजभाषा) ने कहा कि हिंदी भारत की सर्वाधिक लोकप्रिय भाषा है। हिंदी के साथ ही अन्य भारतीय भाषाएं भी महत्वपूर्ण है। कार्यालय में राजभाषा संबंधी लक्ष्यों की पूर्ति में राजभाषा कार्यशाला का अत्यधिक महत्व है। इसके माध्यम से हिंदी में कार्य करने में आने वाली चुनौतियों से निपटने में सहायता मिलती है। हिंदी में कार्य करना आसान है, इसे पूरे मन से कीजिए।

इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित श्री आर के साहा, प्रभारी, कल्याण भवन ने सभी को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि यह हमारा संवैधानिक दायित्व है। कार्यशाला के अवसर पर दिलीप कुमार सिंह, प्रबंधक (राजभाषा) ने उपस्थित प्रतिभागियों को राजभाषा नीति, पत्राचार और विभिन्न हिंदी सॉफ्टवेयरों पर कार्य करने का प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला की समाप्ति पर एक परीक्षा ली गयी। परीक्षा में सफल प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का संचालन मणिकांत पांडेय, मुख्य प्रबंधक (खनन) ने किया। इस अवसर पर विशेष रूप से अखिलेश कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक आर एन विश्वकर्मा, कुमार मनोज समेत लगभग ४० प्रतिभागी उपस्थित रहे।

कई दिनों से जलापूति ठप

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर पूर्वी, गोविंदपुर पश्चिमी एवं अमरपुर पंचायत में पिछले दो दिनों से जलापूर्ति ठप है। उपभोक्ताओं को बकरीद में भी

पानी नसीब नहीं हुआ। इस भीषण गर्मी में पानी के लिए त्राहिमाम की स्थिति है। बताया जाता है कि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग गोविंदपुर अवर प्रमंडल परिसर स्थित २०० एमएम के वाल्व एवं टी सॉकेट के पानी के अंदर सड़ जाने के कारण जलापूर्ति ठप हो गई है।

बताया जाता है कि भेलाटांड़ से गोविंदपुर पानी आ रहा है परंतु यहां से आपूर्ति व्यवस्था ठप हो गई है। दो दिनों से जलापूर्ति ठप रहने के बाद मंगलवार को गोविंदपुर पश्चिम की मुखिया ममता देवी, पंचायत समिति सदस्य रिजवान अंसारी, नागरिक समिति के संयुक्त सचिव अनूप साहू, बीरेंद्र रजक, पप्पू विश्वकर्मा, उपेंद्र विश्वकर्मा, जयजीत मुखर्जी आदि पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल परिसर पहुंचे। मुखिया ममता देवी ने कार्यपालक अभियंता जेसन हीरो एवं सहायक अभियंता समरेंद्र मल्लिक से वार्ता की। उन्होंने कहा कि पानी के लिए क्षेत्र में हाहाकार मचा हुआ है। विभाग जल्द जलापूर्ति की व्यवस्था करें। सहायक अभियंता ने कहा कि बुधवार को सड़े वाल्व एवं पार्ट्स को बदल दिया जाएगा और जलापूर्ति शुरू करा दी जाएगी। उपस्थित नागरिकों ने चेतावनी दी कि यदि बुधवार तक जलापूर्ति शुरू नहीं की गई तो कार्यपालक अभियंता कार्यालय का घेराव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता पानी के लिए हायतौबा कर रहे हैं परंतु विभाग के अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब आंदोलन के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। बारबार के आग्रह के बाद भी जलापूर्ति व्यवस्था दुरुस्त नहीं की जा रही है।

जनता श्रमिक संघ ने प्रबंधन को दी आंदोलन करने की चेतावनी

पुटकी (ससे) : पुटकी गोपालीचक २ नंबर बस्ती में जनता श्रमिक संघ असंगठित मोर्चा की बैठक मोर्चा की नवनिर्वाचित गोपालीचक कोलियरी शाखा अध्यक्ष नीतु रजवार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बीसीसीएल गोपालीचक कोलियरी अधीनस्थ संचालित बीसीसीएल के कोलडंप में स्थानीय रोजगार एवं मैन्युअल लोडिंग की मांग को लेकर जल्द प्रबंधन को पत्र लिखने एवं मांगों की विचार नहीं होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी। मौके पर नागेंद्र रजवार, बसंती देवी, नंदनी देवी,मालती देवी, विक्की कुमार, डब्लू, मंजू देवी, सुजाता देवी, राहुल रविदास, गरीबन भुईयाँ, विजय रविदास, रंजीत रजवार, अयोध्या भुइयाँ आदि मौजूद थे।

आश्रित को नियोजन देने की मांग पर संयुक्त मोर्चा का विरोधप्रदर्शन

निरसा (ससे) : संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में बीसीसीएल एरिया १२ दहीबाड़ी परियोजना में विरोध प्रदर्शन किया गया। संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने बताया कि ६ तारीख को ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से राजेंद्र राम को सेंट्रल हस्पताल भेजा गया था। जहां चिकित्सकों ने गंभीर अवस्था को देखते हुए दुर्गापुर रेफर कर दिया था। जिसके ११ दिन बाद उनकी मृत्यु हो गई। अतः आश्रित को तत्काल नियोजन देने के लिए संयुक्त मोर्चा द्वारा विरोधप्रदर्शन किया जा रहा है। जब तक मांग पूरी नहीं होगी विरोध जारी रहेगा।

कुमारधुबी में 2 मोबाइल की छिनतई

निरसा (ससे) : निरसा अनुमंडल क्षेत्र के कुमारधुबी ओपी क्षेत्र में बाइक से मोबाइल छिनतई की घटना घट रही है। मंगलवार को शाम ४ बजे कुमारधुबी ओपी से महज १०० मीटर की दूरी पर तीन कोनिया में कुमारधुबी बाजार निवासी तन्मय साव नाम युवक का आई फोन मोबाइल छिन लिया गया। जानकारी के अनुसार तन्मय अपने दोस्तों के साथ पंचमोहली की ओर जा रहा था। घात लगाए बैठे छिनतई गैंग पीछे से गया और झपटा मार कर तन्मय का मोबाइल छीन लिया। तन्मय तुरंत उसका पीछा किया लेकिन तेज़ रफतार से भाग निकला। कहा जा रहा है कि दोनों मुँह में कपड़ा ढके था।

वही तीन दिन पूर्व में ठीक उसी जगह से दो कदम दूरी पर कुमारधुबी ओपी के पीछे शाम ५ बजे तीन कोनिया के पास से बाजार पैदल जा रही महिला से सफेद स्कूटी से झपटा मारते हुए निकल गया। इस घटना के बाद से कुमारधुबी बाजार से पंचमोहली जाने वाला सड़क तीन कोनिया के पास से लोगों को गुजरने में डर का माहौल बन रहा है। लोगों का कहना है कि जब दिन में घटना घट रही है तो रात में क्या होगा। कहा जाता है कि कुमारधुबी बाजार समीप डॉक्टर मोनोरंजन क्लिनिक के समीप दोपहर से शाम तक असमाजिक व नशेड़ियों का जमावड़ा रहता है।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी आमजनों की शिकायत

धनबाद (कासं) : मंगलवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उनके द्वारा जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की समस्याएँ सुनी एवं आश्वासन दिया गया कि उनके सभी शिकायतों का जल्द से जल्द जाँच कराते हुए उचित समाधान कराया जाएगा।

जनता दरबार में मुख्यतः जमीन विवाद संबंधी, पारिवारिक विवाद, ऑनलाइन रसीद, स्वास्थ्य संबंधित मामले, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, मुआवजा, नौकरी के नाम पर ठगी के मामले, बिजली, पानी, सड़क, आंगनबाड़ी सहायिका का उम्र सीमा में छूट देने से संबंधित, बिल्डर द्वारा धोखाधड़ी समेत अन्य समस्याओं से अवगत हुए। उपायुक्त ने लोगों को पूर्ण भरोसा दिलाया कि आपकी समस्याओं को दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जिला प्रशासन विधि सम्मत आपकी हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेगा।

बिजली की लचर व्यवस्था से जनता अभियंता के साथ की वार्ता

जोड़ापोखर (ससे) : पानीबिजली उपभोक्ता मंच के बैनर तले बिजली की लचर व्यवस्था से परेशान आम जनता ने मंगलवार को नुनूडीह स्थित डिगवाडीह सब डिवीजन कार्यालय में बिजली एसडीओ व कार्यपालक अभियंता के साथ वार्ता की। वार्ता में आम नागरिकों ने बिजली की लचर व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को खरी खोटी सुनाई। इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि हमलोग कोशिश कर रहे है बेहतर बिजली देने का। जल्द ही सभी जगहों पर सुचारू रूप से बिजली निरंतर बहाल रहेगी। साथ मैन पावर की कमी की बात कही। इधर मंच के किशोर कुमार और शुभाशीष राय ने कहा कि बिजली सुचारू रूप से नहीं दी गयी तो आम आदमी सड़क पर उतरेंगे। हलांकि वार्ता में शामिल अधिकारियों ने उपभोक्ता मंच की सभी ७ सूत्री मांग पर सहमति बन गई है। तब जा कर बुधवार को होने वाले आंदोलन को स्थगित कर दिया गया है। मौके पर बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता मनीष चंद्र पूर्ति, सहायक अभियंता आलोक केरकेट्टा के अलावा अभिमन्यु राम, रमेश श्रीवास्तव, बापी घोष, मनोज प्रसाद, आरके सिंह, यूपी शर्मा, राजेश सिंह आदि मौजूद थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में पीसी एण्ड पीएनडीटी जिला सलाहकार समिति की बैठक

धनबाद (कासं) : मंगलवार को उपायुक्त धनबाद सह जिला समुचित प्राधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में पीसी एण्ड पीएनडीटी एक्ट अंतर्गत जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान अल्ट्रासाउंड केंद्रों के नए रजिस्ट्रेशन हेतु प्राप्त आवेदनों, रिन्यूवल हेतु प्राप्त आवेदनों के अलावा अपग्रेड हेतु प्राप्त आवेदनों समेत गैर पंजीकृत केंद्रों पर रोक लगाने, एनजीओ द्वारा प्रचारप्रसार, सरकारी संस्थानों में अल्ट्रासाउंड केंद्र स्थापित करने पर समीक्षा की गई।

उपायुक्त माधवी मिश्रा ने कहा कि समयसमय पर सभी केंद्रों का औचक निरीक्षण करें। जांच के दौरान यह अवश्य देखे की सभी अल्ट्रासाउंड केंद्रों में फायर सेफ्टी सुनिश्चित हो। सभी भवनों का नगर निगम से नक्शा पास हो।

किसी भी प्रकार की लापरवाही होने पर उचित कार्रवाई भी करें। उन्होंने कहा कि सभी अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर एसओपी का पालन सुनिश्चित करने पर ही उन्हें रजिस्ट्रेशन एवं रिन्यूवल के लिए आगे बढ़ाए।

उपायुक्त ने कहा कि जिस यूजीसी सेन्टर / अस्पताल रजिस्ट्रेशन एवं रिन्यूअल के लिए अप्लाई करेंगे उनका क्लीनिकल इस्टैब्लिशमेंट एक्ट में रेजिस्ट्रेशन एवं फायर सेफ्टी का एनओसी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी सेन्टर पर रेडियोलाजिस्ट/ सोनोलॉजिस्ट अपनेअपने सेंटर पर अपना समय और किस दिन सेवा दे रहे उसे लिख कर प्रदर्शित करेंगे। जो भी सेन्टर में इंस्पेक्शन में ये नहीं पाए जाएंगे उनके उपर पीसी एण्ड पीएनडीटी एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह, कार्यपालक दंडाधिकारी रवीन्द्र ठाकुर, डॉक्टर विकाश कुमार राणा, आरके श्रीवास्तव व अन्य चिकित्सा कर्मी एवं समिति के अन्य सदस्य मौजूद थे।

प्रजापति कुम्हार संगठनों को एक मंच पर लाने के लिए की बैठक

गोविंदपुर (ससे) : झारखंड समेत देशभर में संचालित विभिन्न प्रजापति कुम्हार संगठनों को एक मंच पर लाया जाएगा। समाज के प्रतिभाशाली जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक मदद, आपदाग्रस्त, बीमार एवं असहाय परिवारों को मदद शुरू कर दी गई है। इसे और आगे बढ़ाया जाएगा। उक्त निर्णय मंगलवार को लाल बंगला में भारतीय प्रजापति हीरोज ऑर्गेनाइजेशन की झारखंड प्रांतीय कार्य समिति की बैठक में लिया गया। मौके पर विशेष रूप से उपस्थित राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अवधेश कुमार एवं रामरंजन प्रजापति ने देश भर के कुम्हारों से एक मंच पर आने की अपील की।

उन्होंने कहा कि अब क्षेत्रीय और राज्य स्तर से ऊपर उठकर हम सभी को पूरे भारतवर्ष को एक संगठन देना है। प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश कुमार ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि संगठन ने रांची में ३.५० एकड़ जमीन खरीदा है। इस पर कार्यालय और छात्रावास बनाया जाएगा। इस संगठन की शुरुआत गुजरात की सूरत शहर से हुई है।

समाज को इसका लाभ यह हो रहा है कि देशभर में कहीं भी प्रजापति समाज के कोई सदस्य मुसीबत में पड़ जाते हैं तो वहां की इकाई उन्हें मदद करती है। उन्होंने बताया कि कोरोना में भी संगठन ने अनेक प्रवासी मजदूरों को मदद की थी। उन्होंने कहा कि भारत के सभी राज्यों के अलावा नेपाल के नेपाली प्रजापति संघ से भी इसका तालमेल है और नेपाल में भी प्रजापति समाज के लोगों को मदद मिल जाती है। उन्होंने कहा कि प्रजापति समाज के कई संगठन सेवा कार्यों में लगे हुए हैं और सभी को एक मंच पर लाकर मजबूती प्रदान करना ऑर्गेनाइजेशन का मुख्य उद्देश्य है। इस अवसर पर गिरिडीह के जगरनाथ पंडित ने समाज के लिए ८० डिसमिल जमीन देने की घोषणा की। बैठक में झारखंड के सभी जिलों में संगठन का विस्तार करने का प्रस्ताव पारित किया गया। महिला शिक्षा पर जोर दिया गया। नीट की तैयारी कर रही बालिकाओं को आर्थिक मदद दी गई। समाज के सहयोग से १० बालिकाओं ने नीट में सफलता हासिल की है। बारामुड़ी निवासी विजय प्रसाद की पुत्री संजना प्रसाद को इस वर्ष नीट में सफलता मिलने पर सम्मानित किया गया। महिला मोर्चा की संयोजक सरिता प्रजापति ने कहा कि इस संगठन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी जुड़ रही है। कार्यक्रम में धनबाद, बोकारो, गिरिडीह, कोडरमा, हजारीबाग, जामताड़ा, गोड्डा, दुमका, साहिबगंज, पाकुड़ आदि जिलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रतिनिधि सभा को अधिवक्ता रामपद कुमार, हरदेव प्रसाद, जीएम आरबी कुमार, डॉ केआर सिन्हा, डॉ राजेश पाल, वृंदावन कुमार, महादेव कुमार, जीतू कुमार, अर्जुन कुमार, कुलदीप पंडित, भारती देवी, सुमन महतो, कैलाश पंडित, सचिन पंडित, परमानंद पंडित, सीताराम पंडित, अरुण पंडित, विक्की महतो, संजय कुमार, बबलू महतो, विनय पंडित, प्रमोद पंडित, कुश महतो, आनंद महतो, महेश कुमार, संजीव पंडित, महादेव पंडित, महेंद्र प्रसाद, बसंत राम, बासुकी पंडित, गोविंद पंडित, मिथिलेश पंडित आदि ने संबोधित किया।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

रैयतों ने मुआवजा व नियोजन की मांग को लेकर किया चक्का जाम आंदोलन

लोयाबाद (ससे) : बीसीसीएल एरिया ५ सिजुआ क्षेत्र के अंतर्गत सेन्द्रा बांसजोड़ा कोलियरी परियोजना क्षेत्र के रैयतों के द्वारा मुआवजा एवं नियोजन को लेकर साकार मास ज्वाइंट वेंचर कंपनी के विरुद्ध मंगलवार को पूर्व घोषित अनिश्चितकालीन चक्का जाम आंदोलन हुआ। ग्रामीण और रैयतों सुबह से कार्य स्थल पर बंदी करने को लेकर जुटने लगे। दूसरी तरफ आउटसोर्सिंग कंपनी के कर्मी और समर्थक किसी भी कीमत पर काम बंद नहीं होने देने पर अड़े हुए थे। दोनों ओर से तनातनी चल रही थी। लोयाबाद थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार के नेतृत्व में अहले सुबह से ही माइक से १४४ लगने की सूचना दिया जा रहा था। कानून तोड़ने वाले पर कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दिया जा रहा था। इसकी परवाह न करते हुए महिलाओं ने दो घंटा काम बंद करा दिया। ऐतिहातन आसपास के थाना को बुला लिया गया था, जिला प्रशासन से भारी संख्या में जवान साथ में महिला बल बुला लिया गया था। सीआईएफ जवान भी भारी संख्या में तैनात थे। मौके पर सीओ विकाश आनंद और डीएसपी विधिव्यवस्था दीपक कुमार उपस्थित थे। दोनों अधिकारी उग्र ग्रामीणों को समझा बुझा कर शांत करवाने का प्रयास कर रहे थे। ग्रामीण अपने मांग को लेकर टस से मस नहीं हो रहे थे।

आउटसोर्सिंग कंपनी प्रबंधन जय शंकर शर्मा अपनी असमर्थता व्यक्त कर रहे थे। सुरक्षा को

लेकर पुलिस प्रशासन परियोजना के कार्य स्थल से ५०० मीटर की परिधि में पहुंचने वाले सभी रास्तों पर बैरीकेट बनाकर पुलिस बल तैनात किया गया था। उसके बावजूद लगातार ग्रामीण गांव के मंदिर के रास्ते से होते हुए कंपनी के कार्य स्थल पर पहुंचने लगे। भीड़ बढ़ने से माहौल तनावपूर्ण होता जा रहा था। वहीं दूसरी ओर बाँसजोड़ा कांटा घर की ओर से जलेश्वर समर्थक सैकड़ो की संख्या हाथों में कांग्रेस का झंडा लेकर नारे बाजी करते हुए कार्य स्थल की ओर बढ़ते आ रहे थे। भीड़ दुद्धू महतो मुर्दाबाद तथा दुद्धू की यहाँ गुंडागर्दी नहीं चलेगी का नारा लगा रहे थे। तत्काल लोयाबाद थाना प्रभारी सत्य जीत कुमार दल बल के साथ वहां पहुंचकर उन लोगों को वहीं पर रोक कर वापस लौटा दिया। हलांकि उस समय दोनों पक्षों के बीच तनाव पूर्ण स्थिति बन गई थी। परंतु पुलिस की सूझबूझ की वजह से दोनों के बीच होने वाली टकराव रोक दिया गया। बाद में सीओ और डीएसपी के पहल पर बीसीसीएल अधिकारियों से समझौता वार्ता करवाने पर राजी हुए। जिसमें रैयतों की पांच सदस्य टीम वार्ता के लिए सिजुआ महाप्रबंधक कार्यालय गया। जहां पर उक्त मांग को लेकर सी ओ ने १० दिनों का समय मांगा। ग्रामीणों ने सीओ के पहल का स्वागत करते हुए १० दिन का समय देकर, आंदोलन को समाप्त करने की घोषणा किया। यहाँ धरने पर महिलाओं ने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि हमारा ३० एकड़ जमीन पर डेको कंपनी के द्वारा कोयला उत्पादन कार्य कर रही है। जिसका धूल कण, गैस से हम लोग प्रभावित हैं और नियोजन बाहरी लोगों को यहां दिया गया है। जिसे अब हम लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे। अब हम लोग बम गोली खाने को तैयार हैं, पर यहां से नहीं जाएंगे नियोजन दो या जेल दो इसके बाद जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीणों को काफी समझाकर मामला को शांत कराया। वही डीएसपी विधिव्यवस्था दीपक कुमार ने कहा कि स्थानीय लोगों के द्वारा नियोजन की मांग को लेकर यह विरोध प्रदर्शन किया गया है। समझौता वार्ता सफल रहा है। मौके पर धनबाद डीएसपी दीपक कुमार, धनबाद थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय, पुटकी सीओ विकाश आनंद, जोगता थाना प्रभारी राजेश कुमार, मुनीडीह ओपी प्रभारी संतोष कुमार महतो, बसेरिया रूपेश कुमार सिंह, गोन्दूडीह राजन कुमार झा, तेतुलमारी थाना प्रभारी लव कुमार चौधरी, सीआईएसएफ इंसपेक्टर जीएल मीणा, नील मणि मिश्रा, एस आई राहुल कुमार सिंह, ए एस आई प्रताप उरांव, सिंघु कुमारी, जिला प्रशासन बल, महिला, बल, सीआईएसएफ जवान उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के लिए खोला सहायता केन्द्र

धनबाद (कासं) : मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के प्रचार प्रसार के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी द्वारा मंगलवार को बरटांड़ बस स्टैंड में सहायता केंद्र खोला गया। जबकि १९ जून को रंगाटांड़ के पास सहायता केंद्र खोला बीआईटी सिंदरी से पंचेत भाया बलियापुर, गोविंदपुर, निरसा, मुगमा मोड़, चिरकुंडा, धनबाद से सिमुलदन भाया बाईपास गोल बिल्डिंग, गोविंदपुर, निरसा, मुगमा मोड़, चिरकुंडा, कोल्हर मोड़ से चिरकुंडा भाया मनियाडीह थाना, तिलैया मछियारा, मनियाडीह, तिलैया रंगाटांड़ रूट पर बस का परिचालन किया जाएगा। उन्होंने बताया ग्रामीण क्षेत्रों से अनुमंडल व जिला मुख्यालय तक आवागमन को सुलभ और सुगम बनाने के लिए राज्य सरकार ने इस योजना को शुरू किया है।

जाएगा। साथ ही योजना के प्रचार हेतु जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के तहत रूट का निर्धारण कर लिया है। जिसमें रंगाटांड़, राजगंज, बरवाअड्डा, धनबाद स्टेशन, बाटा मोड़ झरिया, बलियापुर, कलियासोल, पतलाबाड़ी मोड़, झरिया ४ नंबर से चंद्रपुरा (बोकारो) भाया धनबाद, मेमको मोड़, काकोमोड़ मोड़, राहुल चौक, बाघमारा, टी मोड़ तथा सर्रा से धनबाद भाया इसमें वरिष्ठ नागरिक, छात्र-छात्रा, विधवा, पेंशन पा रही महिला, मान्यता प्राप्त झारखंड आंदोलनकारी, दिव्यांग बस से निःशुल्क यात्रा कर पाएंगे।

मौके पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक सुनील कुमार तथा परिवहन विभाग के कर्मी मौजूद रहे।

झरिया विधायक ने जिला टॉपर जैनब फातिमा को किया सम्मानित

जोड़ापोखर (ससे) : सचेतक सह झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह ने इंटर टॉपर जैनब फातिमा के घर जाकर उपहार भेंट किया तथा सहयोग राशि देकर हौसला अफजाई की। विधायक जी ने जैनब को आगे की पढ़ाई के लिए प्रेरित किया तथा यथासंभव मदद का भरोसा दिया।

ईदगाह मोहल्ला, पाथरडीह, निवासी जैनब फातिमा ने डीएवी प्लस २ हाईस्कूल से कॉमर्स में ४५९ अंक (९१.८) प्राप्त कर जिला टॉप किया था।

जैनब के पिता मो० जावेद अंसारी मुंबई में काम करते है तथा उसकी माता का देहांत कोरोना काल में हो गया था। जैनब का पालनपोषण नाना अख्तर हुसैन व नानी आजमत नौशाबा करते हैं।

उसके बाद विधायक जी ने

ईदगाह मौहल्ला स्थित कांग्रेस कार्यालय में प्रामीणों संग बैठक किया। बैठक में ईदगाह मोहल्ला और लोको बाजार के निवासियों की समस्याओं को विस्तारपूर्वक चर्चा किया और सभी समस्याओं का अतिशीघ्र समाधान करने का आश्वासन दिया।

मौके पर उमाशंकर शाही, सूरज सिंह, अभिषेक सिंह, मृणालकांत सिंह, अब्दुल हई, मौजम वारसी, शंकर प्रसाद, मो० जिशान, अकबर अली, मो० सरफराज, मो० रेहान, मो० सोहेल, माया देवी, मो० रियाज, हुस्न आरा, मो० अब्दुल सत्तार एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

जामुन तोड़ने को लेकर दो पक्षों में मारपीट

पुटकी (ससे) : पुटकी थाना क्षेत्र के पुटकी न्यू ड्रिप में सोमवार की शाम जामुन तोड़ने को लेकर दो पक्षो में हुए विवाद को लेकर मारपीट की घटना घटी। मारपीट में प्रशांत नामक एक व्यक्ति घायल हो गया। जानकारी के अनुसार न्यू ड्रिप १२ नंबर में एक जामुन के पेड़ से जामुन तोड़ने को लेकर पहले तो दोनों पक्षों में विवाद हुआ। देखतेदेखते बात बढ़ गई और मारपीट शुरू हो गई। घटना के एक व्यक्ति का सिर फट गया उसके सर पर करीब आधा दर्जन टाँके लगे हैं। वहीं घटना के बाद मामला पुटकी थाना पहुंचा लेकिन मंगलवार को दोनों पक्षों ने आपसी सुलह कर ली।

बीएलओ सीमा देवी का निधन

पुटकी (ससे) : आंगनबाड़ी केंद्र प्रेम नगर पुटकी की सेविका सह बीएलओ सीमा देवी का निधन सोमवार की रात प्रेम नगर स्थित आवास में हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रही थी। निधन की सूचना पाकर मंगलवार सुबह उनके घर धनबाद सीडीपीओ सचिता भगत, बाघमारा सीडीपीओ विमला देवी महिला पर्यवेक्षक मोगली हांसदा एवं आरती कुमारी समेत गुलाम मुस्तफा, रमेश महतो, मनोज राम आदि पहुंच शोक जताया। मृतका अपने पति रामविलास पासवान समेत भरापूरा परिवार छोड़ गए।

प्लास्टिक के दुष्परिणाम विषय पर सेमिनार आयोजित

धनबाद (कासं) : भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के पुटकी बलिहारी क्षेत्र में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत प्लास्टिक का उपयोग के दुष्परिणाम विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। इस सेमिनार में प्लास्टिक के विकल्पों पर चर्चा की गई

तथा प्लास्टिक के उपयोग से पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के प्रति सबको जागरूक करने का कार्य किया गया। पुटकी बलिहारी क्षेत्र के अवर महाप्रबंधक मोहम्मद हफीजुल अंसारी इस अवसर पर कहा कि, प्लास्टिक मनुष्य एवं प्रकृति के लिए एक अभिशाप है, हमें दैनिक जीवन में प्लास्टिक के उपयोग से बचना होगा।

इस कार्यक्रम में पुटकी बलिहारी क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक (पर्यावरण) आशू कुमार गुप्ता, क्षेत्रीय प्रबंधक (कार्मिक) जगदीश कर्माकर, सहायक प्रबंधक (कार्मिक) भरत वैष्णव के अलावा विभिन्न कर्मचारी एवं अधिकारी उपस्थित रहे। दीपक कुमार प्रबंधक प्रशिक्षु (पर्यावरण) ने पॉवरप्वाइंट की मदद से प्रस्तुति दी। आने वाले दिनों में बीसीसीएल में स्वच्छता एवं पर्यावरण से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आरपीएफ पोस्ट के सामने एक घर में लगी आग

धनबाद (कासं) : धनबाद रेलवे स्टेशन के आरपीएफ पोस्ट के सामने आचनक एक घर में आग लग गई। जिसके बाद स्टेशन परिसर में यात्रियों के अफरातफरी मच गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि सोमवार की देर शाम रेलवे सुरक्षा बल के कार्यालय के सामने बंद घर में जब्त तार और कुछ वस्तुएं रखी थी जिसमें अचानक आग लग गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना अग्निशमन दल को दिया। वही खबर लिखे जाने तक दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने के प्रयास में जुट गई है। हालांकि आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है।

शमशान घाट बचाव को ले अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू

निरसा (ससे) : निरसा प्रखंड परिसर में अपनी तय कार्यक्रम के अनुसार झारखंड ग्रामीण उन्नयन समिति के बैनर तले समिति के अध्यक्ष रविंद्रनाथ धीवर के नेतृत्व में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू किया गया। झारखंड ग्रामीण उन्नत समिति के अध्यक्ष रविंद्रनाथ धीवर ने बताया कि निरसा प्रखंड अंतर्गत पांड़ा पश्चिम पंचायत में पुसई नदी के सामने शमशान घाट कई वर्षों से था।

जिसे अब वहां समाप्त किया जा रहा है। इस श्मशान घाट को बचाने के लिए विगत एक माह पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड सरकार जिला प्रशासन तथा स्थानीय प्रशासन को लिखित रूप में इसकी जानकारी दी गई थी पर आज तक किसी भी तरह की कोई वार्ता की पहल नहीं हो हो पाई है। भूख हड़ताल पर बैठे समिति के अध्यक्ष रविंद्र नाथ धीवर ने कहा कि जब तक शमशान घाट बचाने का कार्य जिला प्रशासन द्वारा ठोस पहल नहीं किया जाता है तब तक हड़ताल जारी रहेगा।

एनएमडीसी के अत्याधुनिक आर एण्ड डी सुविधा का उद्घाटन

हैदराबाद (ससे) : भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक, एनएमडीसी ने आज खनिज प्रसंस्करण और टिकाऊ इस्पात प्रौद्योगिकी में नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए हैदराबाद के पाटनचेरू में अपने नए अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास (आर एण्ड डी) केंद्र का उद्घाटन किया। नवरत्न कंपनी ने पिछले ५ वर्षों में अनुसंधान और विकास में १५० करोड़ रुपये से अधिक का रणनीतिक निवेश किया है और अनुसंधान एवं विकास केंद्र के नए भवन के निर्माण में ५० करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसका उद्घाटन एनएमडीसी के

सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) अमिताभ मुखर्जी ने किया। इस अवसर पर दिलीप कुमार मोहंती, निदेशक (उत्पादन), विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी), बी. विश्वनाथ, मुख्य सतर्कता अधिकारी और एनएमडीसी के और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री मुखर्जी ने कहा, अनुसंधान और विकास के माध्यम से एक सुस्थिर भविष्य की दिशा में भारतीय खनन उद्योग को नवाचार और नेतृत्व करने की हमारी जिम्मेदारी को अपनाते हुए, हमने एनएमडीसी के नए अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास केंद्र के दरवाजे खोल दिए हैं। नवाचार और प्रेरणा के लिए आगे बढ़ते हुए हम यहां केवल अनुसंधान में निवेश नहीं कर रहे हैं बल्कि हम भारत के भविष्य के लिए निवेश कर रहे हैं।

रात तक खुले रहते हैं बार

संची (ससे) : झारखंड हाईकोर्ट ने स्कूलों और मंदिरों के आसपास बार व रेस्टोरेंट संचालित होने पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि ऐसी जगहों पर बार चलाने की अनुमति नहीं दी जाए। कोर्ट ने रांची के मोरहाबादी स्थित एक बार के देर रात तक खुले रहने और चुटिया थाना क्षेत्र के एक बार में गोली चलने से डीजे चलाने वाले युवक की मौत की घटना पर संज्ञान लेते हुए मंगलवार को रांची के डीसी, एसएसपी व उत्पाद आयुक्त को तलब किया था। कोर्ट में तीनों अधिकारी उपस्थित हुए। कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि रांची में देर रात तक बार और रेस्टोरेंट खुले रहते हैं। कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि संबंधित थाना के पदाधिकारी अगर निगरानी रखते, तो बार में गोलीबारी की घटना नहीं होती।

चम्पाई सोरेन ने पर्यटन, कलासंस्कृति, खेलकूद व युवा कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की

संची (ससे) : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने आज झारखंड मंत्रालय में अधिकारियों की उपस्थिति में पर्यटन, कलासंस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में प्राकृतिक सौन्दर्यता बेमिशाल है। हमसभी झारखंड वासियों का यह सौभाग्य है कि यहां विभिन्न समुदायों के कई अहम धार्मिक स्थल तथा अलग-अलग कलासंस्कृति का एक अनोखा मिश्रण पाया गया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आदिवासी धर्मावलंबियों के आस्था एवं विश्वास का धर्मस्थल जुगुबुरु तथा मरांगबुरु को एक बेहतर पर्यटन स्थल के रूप में जल्द से जल्द विकसित किया जाए। पर्यटन विभाग के पदाधिकारी जल्द से जल्द इस निमित्त एक बेहतर डीपीआर तैयार कर आगे की कार्रवाई प्रारंभ करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पहाड़ी मंदिर परिसर रांची का सम्पूर्ण विकास जरूरी है। पहाड़ी मंदिर आस्था और विश्वास का एक बड़ा धर्मस्थल है। राज्य सरकार द्वारा पहाड़ी मंदिर में रोपवे बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया था, इसके लिए फीजिबिलिटी वेरीफिकेशन भी हुई थी, पदाधिकारी फीजिबिलिटी रिपोर्ट जल्द मंगाकर आगे की कार्रवाई प्रारंभ करें। पहाड़ी मंदिर के विकास के लिए जो भी रोड में तैयार किया गया है, उस पर जल्द से जल्द कार्य प्रारंभ करना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि झारखंड के पर्यटन तथा धार्मिक स्थलों को विश्व के मानचित्र पर लाने के लिए हमें क्या कार्य करने की जरूरत है इस पर एक बेहतर कार्य योजना बनाते हुए आगे बढ़ना

पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने पदाधिकारियों से कहा कि राज्य में धार्मिक, आध्यात्मिक सहित विभिन्न पर्यटन के क्षेत्र में अनेक संभावनाएं है। इन बहुआयामी पर्यटन संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए इनका विकास होना बहुत ही आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि झारखंड भ्रमण पर जो भी पर्यटक आते हैं वे यहां से एक बेहतर अनुभव लेकर अपने घर वापस जाएं, ताकि पर्यटन के क्षेत्र में देश और दुनिया में झारखंड की अलग पहचान बन सके। बैठक में मुख्यमंत्री ने पदाधिकारियों से कहा कि रामगढ़ जिला स्थित रजरप्पा एक बेहतरीन धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित की जा सके इस निमित्त जल्द से जल्द डीपीआर तैयार करें तथा रजरप्पा में क्या नया किया जा सकता है उस पर भी पदाधिकारी कार्य योजना बनाएं।

मुख्यमंत्री श्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि हुंडरू फॉल का रिनोवेशन तथा वहां के गेस्ट हाउस निर्माण कार्य में तेजी लाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा चिन्हित वैसे सभी पर्यटन स्थल जिसे विकसित किया जाना है, उन स्थलों की कार्य प्रगति में शिथिलता न बरतें बल्कि तेज गति से कार्य करते हुए सभी कम ससमय सम्पन्न करें। मुख्यमंत्री ने पदाधिकारी से कहा कि राज्य के पर्यटन तथा धार्मिक स्थलों को विकसित करने में अगर जरूरत पड़े तो दूसरे राज्यों के टूरिज्म प्लेस का स्टडी करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार चाहती है कि झारखंड के सभी चिन्हित पर्यटन स्थल विकसित हो तभी राज्य का सांस्कृतिक गौरव बढ़ेगा और अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य के सरना धर्म स्थलों के विकास पर भी बल दिया। मुख्यमंत्री ने पदाधिकारियों को सेरेंगदाघाटी (कोल्हान) को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत आदिवासी धर्मावलंबियों को सरना स्थल का परिभ्रमण कराना भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि भोगनाडीह स्थित सिदो कान्हू प्रतिमा स्थल तथा उलिहातू शहीद स्थल को प्राथमिकता के साथ डेवलप करें। यह सभी स्थल झारखंड का महत्वपूर्ण विरासत है।

न्यायालयों में लंबित वादों से संबंधित तथ्य समर्पित करें अधिकारीः उपायुक्त

बोकारो (ससे): समाहरणालय सभागार में उपायुक्त विजया जाधव ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, अवमानना वाद एवं अन्य न्यायालयों में लंबित वादों की समीक्षा बैठक की। मौके पर डीपीएलआर निदेशक मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, प्रभारी पदाधिकारी विधि शाखा वंदना शेजवलकर, अनुमंडल पदाधिकारी चास ओम प्रकाश गुप्ता, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो अशोक कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने क्रमवार उच्च न्यायालय, झारखंड रांची में जिले के विभिन्न विभागों/ पदाधिकारी से संबंधित लंबित वादों की जानकारी ली। प्रभारी पदाधिकारी विधि शाखा ने बताया कि विभिन्न विभागों से संबंधित जिले में लंबित वादों की संख्या १६२ है। उन्होंने विभागवार सभी मामलों के अद्यतन स्थिति पर समीक्षा की। संबंधित पदाधिकारियों को वादों से संबंधित तथ्य विवरणी विभाग द्वारा विधि शाखा को ससमय समर्पित करने का निर्देश दिया। कहा कि वादों से संबंधित प्रतिवेदन समर्पित करने में किसी तरह की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। ऐसे मामलों में पदाधिकारी तेजी लाएं।

उपायुक्त ने उच्च न्यायालय झारखंड रांची में लंबित अवमानना वादों* पर भी समीक्षा की। उन्होंने विभागवार लंबित मामलों और उसकी अद्यतन जानकारी संबंधित पदाधिकारियों से प्राप्त की। वादों से संबंधित तथ्य विवरणी को अविलंब विधि शाखा को समर्पित करने का निर्देश दिया। समीक्षा क्रम में लंबित अवमानना वादों के सर्वाधिक मामले जिला शिक्षा अधीक्षक बोकारो से संबंधित थे।

उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित जिला शिक्षा अधीक्षक को मामलों से संबंधित तथ्य-विवरणी जल्द उपलब्ध कराने को कहा। वहीं, उप विकास आयुक्त से ०१, अनुमंडल पदाधिकारी चास से ०२, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी बोकारो से ०३, कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग से ०१, जिला कृषि पदाधिकारी से ०१, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी चंदनकियारी से ०१ एवं विशेष कार्य पदाधिकारी से संबंधित ०१ मामला अवमानना वाद से संबंधित था।

उधर, उच्च न्यायालय, झारखंड रांची में जिले के विभिन्न विभागों/ पदाधिकारी से संबंधित लंबित वादों में पुलिस अधीक्षक से ०५, वन प्रमंडल पदाधिकारी से ०७, उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद से ०१, क्षेत्रीय निदेशक जियाडा से ०६, अनुमंडल पदाधिकारी चास से ०८, भूमि सुधार उप समाहर्ता बेरमो (तेनुघाट) से ०१, निदेशक परियोजना भूमि एवं पुर्नवास बोकारो से ०५, अपर नगर आयुक्त चास नगर निगम से ०३, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी बोकारो से ०८, विशेष भू-अर्जन पदाधिकारी बोकारो से ०१, स्थापना उप समाहर्त्ता बोकारो से ०१, जिला नीलाम पत्र पदाधिकारी बोकारो से ०१, जिला आपूर्ति पदाधिकारी बोकारो से ०३, जिला अवर निबंधक चास बोकारो से ०१, जिला शिक्षा पदाधिकारी बोकारो (नीति निर्धारण से संबंधित मामले) से ०१, जिला शिक्षा पदाधिकारी बोकारो से ०६, जिला शिक्षा अधीक्षक बोकारो (नीति निर्धारण से संबंधित मामले) से ०३, जिला शिक्षा अधीक्षक बोकारो से १०, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी चास से ०१, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी पेटरवार से ०१, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी बेरमो ०१, अंचल अधिकारी चास से २२, सहायक बन्दोबस्त पदाधिकारी धनबाद कैम्प कार्यालय बोकारो से ०१, अंचल अधिकारी चन्दनकियारी से ०४, अंचल अधिकारी जरीडीह से ०४, अंचल अधिकारी चन्द्रपुरा से ०५, अंचल अधिकारी कसमार से ०२, अंचल अधिकारी बेरमो से ०२, अंचल अधिकारी पेटरवार से १९, अंचल अधिकारी गोमिया से ०६, अंचल अधिकारी नावाडीह से ०१, कार्यपालक अभियन्ता ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमण्डल बोकारो से ०३, जिला खनन पदाधिकारी बोकारो से ११, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी चन्दनकियारी से ०१, कार्यपालक अभियन्ता विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल चास से ०१ एवं जिला समादेष्टा झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी बोकारो से ०४ लंबित वाद शामिल हैं।

इसके अलावा उपायुक्त ने निलाम पत्र वाद से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की। उन्होंने बैठक में उपस्थित मुख्यालय डीएसपी को लंबित वारंटों के विरूद्ध कार्रवाई का निर्देश दिया। जिला निलाम पत्र पदाधिकारी कुमार कनिष्क को नियमित निलाम वाद मामलों की सुनवाई करने का निर्देश दिया। इसके अलावा उपायुक्त ने कई अन्य जरूरी दिशा - निर्देश दिया। मौके पर संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी/ कर्मी आदि उपस्थित थे।

जरीडीह प्रखंड में परिवहन विभाग ने लगाया शिविर

बोकारो (ससे): मंगलवार को उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार जरीडीह प्रखंड मुख्यालय में परिवहन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं ड्राइविंग लाइसेंस, सड़क सुरक्षा, मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना २०२२, झारखंड गुड सेमेरिटर्न पॉलिसी २०२० एवं हिट एंड रन से संबंधित मामलों को सुदूरवर्ती क्षेत्र के अंतिम लोगों तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। वहीं, ड्राइविंग लाइसेंस, सड़क सुरक्षा, मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना २०२२, झारखंड गुड सेमेरिटर्न पॉलिसी २०२० एवं हिट एंड रन से संबंधित आवेदन आमजनों से प्राप्त किया गया। इस दौरान आमजनों को सड़क पर चलने के दौरान परिवहन नियमों का अनुपालन करने, बिना ड्राइविंग लाइसेंस का वाहन का इस्तेमाल नहीं करने, दो-पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट आदि का इस्तेमाल करने का अपील किया गया। इस दौरान योजनाओं से संबंधित पोस्टर एवं पंपलेट का भी वितरण किया गया।

जानकारी हो कि, २९ जून तक अलग - अलग तिथियों को सभी प्रखंडों में शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में बुधवार को १९ जून को गोमिया प्रखंड मुख्यालय में शिविर का आयोजन होगा। वहीं, चंद्रपुरा प्रखंड मुख्यालय में २१ जून को, कसमार प्रखंड मुख्यालय २२ जून को, नावाडीह प्रखंड मुख्यालय में २४ जून को, पेटरवार प्रखंड मुख्यालय में २५ जून को, बेरमो प्रखंड मुख्यालय में २६ जून को, चास प्रखंड मुख्यालय में २८ जून को एवं चंदनकियारी प्रखंड मुख्यालय में २९ जून को शिविर लगाया जाएगा।

एनसीसी का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का समापन

डुमरी (ससे): जवाहर नवोदय विद्यालय बोंगा (हजारीबाग) में ९ से १७ जून २०२४ तक आयोजित एनसीसी कैडेट्स को नौ दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में झारखण्ड कॉलेज डुमरी का परचम लहराया है।ज्ञात हो कि इस प्रक्षिक्षण शिविर में कुल ५ बटालियन (२२ झारखण्ड बटालियन हजारीबाग,४५ झारखण्ड बटालियन कोडरमा,३६ झारखण्ड बटालियन धनबाद,४ गर्ल्स बटालियन धनबाद, एवं ०५ गर्ल्स बटालियन,दुमका के कैडेट्स संयुक्त रूप से भाग लिया था।२२ झारखड बटालियन हजारीबाग अन्तर्गत झारखण्ड कॉलेज के १५ कैडेट्स में से ७ गर्ल्स एवं ८ ब्वॉयज ने भाग लिया था। प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न प्रतियोगिताओं में कुल ४५४ (चार सौ चौवन) कैडेट्स में झारखण्ड कॉलेज डुमरी के कैडेट्स को कुल सात पुरस्कार प्राप्त हुए।

कॉलेज के अण्डर ऑफिसर आलीशान अंसारी का ऑल ओवर कैम्प सीनियर एवं ऑल ओवर डीएफएस प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।वहीं कॉलेज के कारपोरल शाम सिन्हा को ऑल ओवर जेडीएफएस द्वितीय पुरस्कार कैडेट पूनम कुमारी को ड्रील में द्वितीय पुरस्कार,कैडेट सिया कुमारी फायरिंग में प्रथम पुरस्कार एवं बॉलीबाल में पुरस्कार तथा कैडेट ललिता कुमारी को बॉलीबॉल में बेस्ट प्लेयर पुरस्कार मिला है। कैडेट्स के द्वारा इतनी बडी सफलता प्राप्त करने एवं अपने कॉलेज का नाम गौरवान्ति करने वाले सभी कैडेट्स को कॉलेज के प्राचार्य प्रो प्रमोद कुमार सिन्हा एनसीसी पदाधिकारी प्रो राजेश प्रसाद,डा मुनिलाल ठाकुर,डा सुजीत माथुर एनएसएस के पीओ क्रमशः प्रो मनोज सिंह व प्रो शंकर ठाकुर,प्रो बी एन प्रसाद, प्रो उमाशंकर राय सहित सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

जमीन विवाद में 2 पक्षों में झड़प, सड़क जाम

गिरिडीह (ससे): गिरिडीह शहर के अंबेडकर चौक पर मंगलवार को विवादित जमीन को लेकर दो पक्षों में झड़प हो गई. इस दौरान काफी देर तक हाई वोल्टेज ड्रामा चला, जिसके चलते आधा घंटा तक सड़क पूरी तरह से जाम हो गई.

जाम में एंबुलेंस समेत कई वाहन फंसे रहे. नगर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सड़क जाम हटाया. बस स्टैंड स्थित महाराजा मिष्ठान भंडार की संचालिका चेतना कुमारी ने बताया कि वह अपनी दुकान में कुछ काम करा रही हैं.

रंजीत स्वर्णकार, विकास स्वर्णकार व परिवार के अन्य सदस्यों ने पहुंचकर दुकान पश्चिम की दीवार को जेसीबी लगाकर गिराने और स्टाफ का अपहरण कर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं. चेताना कुमारी ने बताया कि महाराज मिष्ठान भंडार उसके दादाजी के समय से यानी ४० वर्ष पुरानी है.

रंजीत स्वर्णकार और उसके परिवार के लोग उसे बेवजह परेशान कर रहे हैं. उसने एसपी, नगर निगम व नगर थाना प्रभारी को पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई है.

वहीं, दूसरा पक्ष भीम ज्वेलर्स के मालिक विकास स्वर्णकार ने कहा कि अंबेडकर चौक स्थित महाराजा मिष्ठान भंडार की जमीन उसकी है. दुकान संचालिका चेतना कुमारी ने वहां दुकान में जबरन निर्माण कार्य शुरू कर दिया. २१ साल से उसने दुकान का भाड़ा भी नहीं दिया है. वह जमीन का हिस्सा हड़पना चाहती है. इसके कारण उसने दुकान में ताला लगा दिया है.

भीषण गर्मी के चलते 24 घंटे में चली गई 170 की जान

लखनऊ(ईएमएस): वैसे लगभग पूरे उत्तर भारत में भीषण गर्मी का प्रकोप है,लेकिन उत्तर प्रदेश में कहर बरस रहा है। यहां मात्र २४ घंटों में १७० लोगों की जान गई। पूर्वांचल के चार जिलों में ५० लोगों की जान गई, जिसमें अकेले वाराणसी में ही ३३ मौतें शामिल हैं। इसके अलावा गाजीपुर, मिर्जापुर और चंदौली जिले में लू और हीट स्ट्रोक की वजह से १७ लोगों की जान चली गई। बुंदेलखंड और कानपुर मंडल में तो स्थिति और भी भयावह है। यहां १०० लोगों की जान चली गई। सबसे ज्यादा २६ मौतें कानपुर में, जबकि हमीरपुर में १९ चित्रकूट में १४, फतेहपुर में १३, महोबा में १२, बांदा और औरैया में छह-छह और जालौन में तीन व फर्रुखाबाद में एक व्यक्ति की जान चली गई। वहीं, गर्मी और लू के चलते प्रयागराज में ८, कौशांबी में ५, प्रतापगढ में २ लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग के मुताबिक फिलहाल भीषण गर्मी से राहत मिलती नहीं दिख रही है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले दो दिनों में वाराणसी के रास्ते मॉनसून उत्तर प्रदेश में प्रवेश कर सकता है। जिसके बाद ४-५ दिन में इसे पूरे प्रदेश में एक्टिव होने के आसार हैं। बताया जा रहा है कि १८-२० जून तक मॉनसून की यूपी में एंट्री हो सकती है। इस दौरान रिमझिम फुहारों के साथ ही गरज-चमक के साथ बारिश देखने को मिल सकती है।

एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की मिली धमकी

पटना(ईएमएस): पटना, जयपुर ,कोलकाता एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। अपराधियों ने ईमेल भेजकर यह धमकी दी है। इसके बाद एयरपोर्ट पर हडकंप मच गया और तुरंत ही अधिकारियों की आपात बैठक बुलायी गयी। इसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर आ गई।

फौरन एयरपोर्ट थाना की पुलिस और सीआईएसएफ की टीम पटना एयरपोर्ट पर सर्च ऑपरेशन चला रही है। बम स्क्वायड की टीम भी पहुंची। मंगलवार दोपहर करीब एक घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा लेकिन बम या अन्य कोई संदिग्ध सामान नहीं मिला। पटना पुलिस अलर्ट मोड पर है। साइबर सेल और अन्य जांच एजेंसी मामले की तफ्तीश कर रही है। पटना एयरपोर्ट के निदेशक आंचल प्रकाश ने बताया कि पटना एयरपोर्ट को बम की धमकी वाला ईमेल मिला है।

रामकृपाल यादव के घर के पास लगी भीषण आग, मची अफरातफरी

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना में एक बार फिर से भीषण आग लगने की खबर सामने आई है. जानकारी के मुताबिक, बीजेपी के पूर्व सांसद रामकृपाल यादव के घर के बगल में एक मकान में भीषण आग लग गई. आग लगते ही वहां अफरातफरी का माहौल हो गया. स्थानीय लोगों ने दमकर विभाग को इस घटना की जानकारी दी. वहीं घटना की सूचना मिलते ही वहां अग्निशमन की टीम पहुंची और बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. बताया जा रहा है कि आग प्रभु नारायण यादव के मकान में लगी थी. इस घर में उनका बेटा वेद यादव रहता है. मकान के एक हिस्से में बैग का गोदाम है. यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के गोरिया टोली गली की है.

अग्नि दस्ते के पदाधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि फिलहाल आग को बुझा दिया गया है. उन्होंने शॉर्ट शर्किट के कारण आग लगने की बात कही. उन्होंने कहा कि शॉर्ट सर्किट से आग लग सकती है. उन्होंने बताया कि इस मामले में अभी स्पष्ट रूप से कुछ भी नहीं कहा जा सकता है. उधर अब नुकसान का भी आंकलन किया जा रहा है. चांज होने के बाद ही नुकसान का आंकड़ा निकाला जा सकता है.उधर कैमूर में मोहनिया थाने परिसर में रविवार (१६ जून) की शाम अचानक आग लग गई. जिससे मलखाना में अलग-अलग कांडों में जब्त की गई, बाइक सहित कई अन्य वाहन भी जल गए. आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी का माहौल हो गया. स्थानीय निवासी ने बताया कि बिजली के शार्ट सर्किट से अचानक आग लग गई. देखते देखते आग की लपटों ने थाने परिसर में खड़ी कई वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया. बता दें कि इस समय कैमूर में हिट वेव को लेकर रेड अलर्ट जारी है.

दाखिल-खारिज के मामलों का होगा आन स्पाट निष्पादन

बोकारो (ससे): उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर आगामी २० जून से जिले के सभी अंचल कार्यालयों में विशेष राजस्व शिविर का आयोजन किया जाएगा। उक्त शिविर २९ जून तक जारी रहेगा। इसको लेकर सभी अंचलाधिकारियों को जरूरी दिशा - निर्देश दे दिया गया है।

उपायुक्त ने आमजनों से अपील किया है कि वह उक्त तिथियों को अंचल कार्यालय में जरूरी दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपने खतियानी रैयत के उत्तराधिकारियों एवं आपसी बंटवारा के आधार पर दाखिल - खारिज के लिए आवेदन करेंगे। जानकारी हो कि, राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा ऐसा करने को लेकर पूर्व में ही निदेश दिया गया है। सभी अंचलाधिकारियों को अपने स्तर से शिविर का व्यापक प्रचार - प्रसार करने को कहा गया है।

शिविर में खतियानी रैयतों के वंशजों की पहचान करते हुए ऑनलाइन दाखिल - खारीज का आवेदन अपलोड किया जाएगा। इसके लिए शिविर में शामिल होने वाले आमजनों को आपसी पारिवारिक बंटवारा का निर्गत शपथ पत्र, न्यायालय द्वारा पारित आदेश की प्रति (यदि लागू हो तो), निबंधित बँटवारा के दस्तावेज की प्रति (यदि लागू हो तो) एवं संबंधित राजस्व ग्राम प्रधान/मुखिया द्वारा सत्यापित प्रतिवेदन आवेदन के साथ संलग्न करना होगा।

शिविर में आमजनों से प्राप्त आवेदनों को क्रमवार पंजी में संधारित करते हुए उन्हें पावती रसीद निर्गत करेगी। भूमि सुधार उप समाहर्ता चास एवं बेरमो (तेनुघाट) अपने अनुमण्डल अंतर्गत आयोजित होने वाले विशेष राजस्व शिविर की निगरानी करेंगे। सभी अंचलाधिकारियों एवं प्रखंड विकास पदाधिकारियों को स्थानीयजनप्रतिनिधियों (मुखिया, उपमुखिया, प्रमुख, जिला परिषद, अध्यक्ष/ उपाध्यक्ष/ सदस्य एवं माननीय विधायकों एवं सासदों) की सहभागिता से शिविर का सफल आयोजन करने का निर्देश दिया है।

कुकर सिर में मारकर पत्नी की हत्या फिर ट्रेन के आगे कूदा पति

लखनऊ(ईएमएस): घरेलू विवाद के चलते पति आग बबूला हो गया। उसने पत्नी आयुषी की सिर और चेहरे पर कुकर से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इससे वो लहु लुहान हो गई। शोर मचाने पर पड़ौसी आए तो आरोपी पति नितिन भाग गया और ट्रेन के आगे कूद गया। दोनों सीतापुर महोली के रहने रहने वाले थे।

यहां अवध विहार योजना में किराए पर रहते थे। इंस्पेक्टर अंजनी कुमार मिश्रा के मुताबिक, शाम को नितिन का पत्नी से झगड़ा हो गया था। नितिन ने कुकर से ताबड़तोड़ आयुषी के चेहरे और सिर पर प्रहार किया। शोर सुनकर आस पड़ोस के लोग दौड़े तो नितिन भाग निकला। भागते हुए वह सेवई गांव में रेलवे ट्रैक पर पहुंचा और ट्रेन के आगे कूद गया। नितिन का एक पैर कट गया।उधर, मोहल्लेवालों की सूचना पर पुलिस घर पहुंची। आयुषी खून से लथपथ हालत में पड़ी थी। उसे लेकर अस्पताल गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। नितिन के बारे में जानकारी मिली तो पुलिस सेवई गांव पहुंची। वहां रेलवे ट्रैक के पास पड़े घायल नितिन को उठाया।

भू-मापी के लंबित मामलों को लेकर सभी अंचलाधिकारियों को शोकॉउज

बोकारो (ससे): जिले के विभिन्न अंचलों में भू-मापी (सीमांकन) से संबंधित मामलों के निष्पादन में अंचलाधिकारियों (सीओ) की सुस्ती/लापरवाही पर उपायुक्त विजया जाधव ने नारजगी व्यक्त की है। उन्होंने जिले के सभी ०९ अंचलों के अंचलाधिकारियों को शोकॉउज (स्पष्टीकरण) किया है। इस बाबत पत्र जारी कर दिया है। उपायुक्त द्वारा जारी पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि, समीक्षा क्रम में यह पाया गया है कि सभी अंचलों में भू-मापी (सीमांकन) से संबंधित आवेदन काफी समय से लंबित है। ३० दिन एवं उससे ज्यादा दिनों से सभी अंचलों में भू-मापी (सीमांकन) के कुल १७० आवेदन लंबित है। झारखंड राज्य सेवा देने की गारांटी अधिनियम २०११ के अनुपालन को लेकर स्पष्ट निर्देश दिया गया है। बावजूद इसके भू-मापी (सीमांकन) से संबंधित आवेदनों का ससमय निष्पादन नहीं करना, कार्य निष्पादन में आपकी सुस्ती/लापरवाही को दर्शाता है। इसी को लेकर उपायुक्त ने सभी नौ अंचलाधिकारियों को शोकॉउज (स्पष्टीकरण) किया है। शोकॉउज (स्पष्टीकरण) में पूछा गया है कि क्यों नहीं झारखंड सेवा देने की गारांटी अधिनियम २०११ अंतर्गत विलंब के लिए दोषी मानते हुए अधिनियम की सुसंगत धारा के तहत अर्थदण्ड अधिरोपित करते हुए उक्त राशि की कटौती आपके वेतन से की जाएं। उन्होंने सभी को ससमय शोकॉउज (स्पष्टीकरण) का जवाब जिला को समर्पित करने का निर्देश दिया है।

उल्लेखनीय हो कि, भू-मापी (सीमांकन) से संबंधित ३० दिन एवं उससे ज्यादा दिनों बेरमो अंचल में १२, चंदनकियारी अंचल में ०७, चंद्रपुरा अंचल में ०१, चास अंचल में २९, गोमिया अंचल में ६६, जरीडीह अंचल में १९, समार अंचल में १९, नावाडीह अंचल में ०७ एवं पेटरवार अंचल में १० मामले लंबित हैं।

पृष्ठ एक का शेषांश

नीट मामले में सुप्रीम---

की मेहनत से अवगत हैं। कोर्ट ने कहा कि मान लीजिए कि इस सिस्टम से धोखाधड़ी कर के कोई व्यक्ति डॉक्टर बन जाए। ऐसा शख्स समाज के लिए नुकसानदेह है। बेंच ने कहा कि परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी का प्रतिनिधित्व करते हुए आपको मजबूती से खड़ा होना होगा। अगर कोई गलती हुई है तो उसे माना जाना चाहिए और बताना चाहिए कि क्या कार्रवाई की जा रही है। इससे आपके प्रदर्शन पर आत्मविश्वास पैदा होता है।

अधिकारियों की तरफ से समय पर कदम उठाने पर जोर देते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इन याचिकाओं पर अन्य लंबित याचिकाओं के साथ आठ जुलाई को सुनवाई होगी। इनमें वे याचिकाएं भी शामिल हैं जिनमें परीक्षा को नए सिरे से आयोजित करने का निर्देश देने की मांग की गई है। कोर्ट ने कहा कि एनटीए और केंद्र इन नई याचिकाओं पर भी दो सप्ताह के अंदर अपने जवाब दाखिल करें। इस बीच जब कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से पक्ष रख रहे एक अधिवक्ता ने परीक्षा में पूछे गए एक प्रश्न से संबंधित मुद्दा उठाया तो बेंच ने कहा कि एनटीए और केंद्र इस पर जवाब देंगे। कोर्ट ने कहा कि पहले हम आपकी दलीलों का मकसद समझ लें। इन मामलों में हम शाम तक बैठने को तैयार हैं।

चार आईपीएस का---

बनाया गया. ए.विजया लक्ष्मी को आईजी ट्रेनिंग बनाया गया. राकेश रंजन को कमांडेंट जैप १ का बनाया गया. अजीत पीटर डुंगडुंग को देवघर एसपी बनाया गया.

वीके सिंह, अश्विनी चौबे और---

चुनाव में सांसद चुने जा चुके हैं। जबकि डॉ। हर्षवर्धन चांदनी चौक से सांसद रहे हैं। वहीं, अश्विनी चौबे बक्सर से लगातार दो बार सांसद चुने गए थे। यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल का कार्यकाल २९ जुलाई को खत्म हो रहा है। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र का कार्यकाल ९ सितंबर को खत्म हो रहा है, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत का कार्यकाल २२ जुलाई को पूरा हो रहा है। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का कार्यकाल ६ सितंबर को खत्म हो रहा है। वहीं, पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित इस्तीफा दे चुके हैं। अभी तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है। इसी तरह हरियाणा में बंडारू दत्तात्रेय, महाराष्ट्र में रमेश बैस, मणिपुर में अनुसुइया उइके, मेघालय में फागू चौहान का कार्यकाल अगले दो से तीन महीने के अंदर खत्म हो रहा है। इन सब को अब दोबारा चांस मिलने की सम्भावना कम है।

वाराणसी की जनता ने मुझे तीसरी बार प्रधान सेवक बनाया : मोदी

वाराणसी (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज १८ जून, २०२४ को वाराणसी में किसान सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि वाराणसी की जनता ने मुझे तीसरी बार न केवल सांसद बल्कि तीसरी प्रधान सेवक भी बनाया है। पी एम ने वाराणसी की जनता को तीसरी बार सांसद चुनने के लिए धन्यवाद दिया।

किसानों के हितो से जुड़ी योजनाओं की चर्चा करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि किसान सम्मान निधि के रूप में करोड़ों किसानों के खाते में २०,००० करोड़ रुपये जमा हुए हैं। उन्होंने कृषि सखी पहल को ३ करोड़ लखपति दीदी बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पहल लाभार्थी महिलाओं के लिए गरिमा और आय के स्रोत का आश्वासन सुनिश्चित करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, पीएम किसान सम्मान निधि दुनिया की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना के रूप में उभरी है, उन्होंने कहा कि करोड़ों किसानों के बैंक खातों में ३.२५ लाख करोड़ रुपये से अधिक हस्तांतरित किए गए हैं, जहां अकेले वाराणसी में ७०० करोड़ रुपये परिवारों को हस्तांतरित किए गए हैं।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिव राज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए किसान ही भगवान है और किसानों की सेवा भगवान की पूजा के समान है। इसी भाव से भारत सरकार लगातार किसानों के कल्याण के कार्य में लगी है। कृषि मंत्री ने कहा कि ये प्रधानमंत्री की किसानों और खेती के प्रति प्रतिबद्धता ही है कि उन्होंने प्रधानमंत्री बनने के बाद सबसे पहले किसान सम्मान निधि अर्थात् किसान के खाते में पैसे डालने वाली फाइल पर साइन किया और आज यहां आकर अपना पहला कार्यक्रम भी किसानों के बीच में किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री के सिंगल क्लिक से लगभग सवा ९ करोड़ किसानों के खाते में २०,००० करोड़ रुपये डलने के बाद लगभग ३,२५,००० करोड़ रुपये अब तक किसानों के खाते में डाल दिए गए हैं।

मंत्री ने कहा कि किसानों की आय दुगनी करने के रोडमैप पर लगातार काम हुआ है। इसके लिए एक और सिंचाई योजनाओं के माध्यम से नई तकनीक का प्रयोग कर उत्पादन बढ़ाने के प्रयास लगातार जारी हैं तो दूसरी और उत्पादन की लागत घटाने के लिए सरकार अरबों रुपए की सब्सिडी देती है जिससे किसान को सस्ती खाद मिलती है। श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि दुनिया में खाद के दाम आसमान पर हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध करवा रही है।प्राकृतिक आपदा में अगर फसल को नुकसान होता है तो भरपाई के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना बनाई गयी है तो वहीं कृषि के विविधीकरण को लेकर भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं जैसे - फूलों की खेती, फलों की खेती, सब्जियों की खेती, औषधीय खेती, कृषि वानिकी, कृषि के साथ पशुपालन, मधुमक्खी पालन आदि को बढ़ावा ताकि किसान की आय दोगूनी हो जाए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री का मानना है कि यह धरती केवल हमारे लिए नहीं है बल्कि, आने वाली पीढ़ियों के लिए भी है। यदि अनियंत्रित कीटनाशक और खाद के प्रयोग से यह धरती बंजर हो गई तो आने वाली पीढ़ियां इस धरती पर कैसे रहेंगी। उन्होंने कहा कि इससे निपटने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्राकृतिक खेती का अभियान चलाया हुआ है। श्री चौहान ने कहा कि कृषि विभाग दिन-रात परिश्रम करेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के कल्याण में कोई भी कसर नहीं छोड़ेगा।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री का संकल्प है तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का जिसमें से लगभग एक करोड़ लखपति दीदी बन चुकी हैं। उसी का एक आयाम है कृषि सखी जिन्हें आज प्रमाण पत्र भी वितरित किए गये हैं। उन्होंने कहा कि ये हमारी वह बहनें हैं जिनको किसानों को उनके काम में सहयोग करने के लिए ट्रेनिंग दी गई है। ऐसी ३४,००० बहनों को अभी तक ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये कृषि सखियां एक ओर किसान को अच्छी खेती करने में सहयोग करेंगी तो दूसरी ओर अपनी आय भी बढ़ा पाएंगी। उन्होंने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए ये सभी प्रयास निरंतर जारी रहेंगे

बिना टिकट यात्रियों से वसूले गए 95 लाख 55 हजार रूपए

हाजीपुर (ससे): ट्रेनों में बिना टिकट अथवा अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों की धर-पकड़ हेतु पूर्व मध्य रेलवे द्वारा विशेष टिकट जांच अभियान चलाया जा रहा है । यह जांच अभियान स्टेशन के साथ-साथ ट्रेनों में भी सघन रूप से जारी है । इसी क्रम में अवैध रूप से वातानुकूलित श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों के विरूद्ध भी जांच अभियान चलाया जा रहा है ।

इसी क्रम में आज दिनांक १८.०६.२०२४ को पाँचों मंडलों दानापुर, सोनपुर, समस्तीपुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं धनबाद में एक साथ विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस जाँच अभियान में पूर्व मध्य रेल के महत्वपूर्ण स्टेशनों पर रेलवे अधिकारियों, पर्यवेक्षकों, रेलकर्मियों, टी०टी०ई० एवं भारी मात्रा में रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों को तैनात किया गया।

सभी महत्वपूर्ण मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों यथा १२३६५ पटना-रांची जनशताब्दी, १२३२१ हावड़ा-मुंबई मेल, १२८०१/०२ पुरूषोत्तम एक्सप्रेस, ११४४७ जबलपुर-हावड़ा शक्तिपुंज एक्सप्रेस, १३३५१ धनबाद-एल्लेपी एक्सप्रेस, १३०२४ गया-हावड़ा एक्सप्रेस, ११०६० जयनगर-एलटीटी पवन एक्सप्रेस के वातानुकूलित कोचों की विशेष रूप से जाँच की गयी। इन वातानुकूलित श्रेणी के कोचों की जांच में कुल ४५० बेटिकट/अनियमित यात्रियों को पकड़ा गया जिनसे जुर्माने के रूप में ०३ लाख १५ हजार रुपए वसूले गए ।

इसके साथ ही सभी पैसेंजर ट्रेनों एवं मेमू ट्रेनों में भी विशेष टिकट जाँच की गयी एवं बेटिकट यात्रियों को पकड़ा गया। यह विशेष टिकट जाँच अभियान पूरे दिन चलाया गया। इस जाँच अभियान में कुल १२ हजार ५०० बेटिकट/अनियमित यात्रियों को पकड़ा गया जिनसे जुर्माने के रूप में ९५ लाख ५५ हजार रुपए वसूले गए।

विदित हो कि पूर्व मध्य रेल के पांचों मंडलों में बिना टिकट अथवा बिना उचित प्राधिकार के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों की धरपकड़ हेतु निरंतर टिकट जांच की जा रही है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगी । पूर्व मध्य रेल यात्रियों से अपील करती है कि वे हमेशा उचित यात्रा टिकट लेकर ही यात्रा करें ।

देवेश चंद्र ठाकुर के बयान से जेडीयू ने किया किनारा

पटना (एजेंसी): सीतामढ़ी से जेडीयू के नवनिर्वाचित सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के यादव और मुसलमानों पर दिए गए बयान से पार्टी ने किनारा कर लिया है. जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने पार्टी सांसद देवेश ठाकुर के बयान से असहमति जताई. वहीं नालंदा जिले के सांसद कौशलेंद्र कुमार ने भी कहा कि उन्हें मीडिया में इस प्रकार बात नहीं करनी चाहिए. कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि मैं भी नालंदा का सांसद हूं. अगर कुछ लोगों ने मुझे अपना वोट नहीं दिया है, तो यह नहीं मायने रखता. वे मेरे प्रतिनिधित्व से बाहर नहीं हो जाएंगे.नालंदा सांसद ने कहा कि अगर जिले के किसी व्यक्ति को मदद की आवश्यकता है, तो हमें उसकी सहायता ही करनी पड़ेगी. अगर किसी ने वोट नहीं भी दिया है तो भी जीतने के बाद वह जुड़ जाता है. उन्होंने कहा कि चुनाव हारने वालों का वोट देना या न देना कोई महत्व नहीं रखता. महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं इस क्षेत्र का चुना हुआ प्रतिनिधि हूं, इसलिए यहां के सभी लोग, चाहे उन्होंने मुझे वोट दिया हो या नहीं. मैं सभी का सांसद हूं. उन्होंने कहा कि मैं ऐसे बयान देने वालों को कोई सलाह नहीं देना चाहता.

उन्होंने कहा कि देवेश चंद्र ठाकुर एक वरिष्ठ नेता हैं. मेरा मानना है कि मीडिया में इस प्रकार की बातें नहीं करनी चाहिए. वर्तमान में देवेश चंद्र ठाकुर के बयान को लेकर राजनीति गरमा गई है और पार्टी में भी उनके बयान को लेकर मतभेद दिख रहे हैं. हालांकि, पार्टी नेता इस मुद्दे पर खुलकर बहुत कुछ नहीं बोल रहे हैं. बता दें कि देवेश चंद्र ठाकुर ने कहा कि वे यादव और मुसलमान का काम नही करेंगे. उन्होंने कहा कि जब वे (यादव और मुसलमान) तीर के निशान में पीएम मोदी का चेहरा देखते हैं, तो मै आपके लिए काम करते हुए लालू और लालटेन का चेहरा क्यों न देखूं.

नीतीश की सुशासन बाबू की छवि को डैमेंज करने में जुटे तेजस्वी

पटना (ईएमएस): लोकसभा चुनाव में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। नीतीश कुमार के सुशासन की छवि से पार पाने के लिए राजद के द्वारा कानून-व्यवस्था को मुद्दा बना रहा है। राजद नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पार्टी पर लगे जंगलराज के दाग मिटाने की तैयार कर ली है। वे अब नीतीश के सुशासन बाबू की इमेज पर ही हमला कर रहे हैं। तेजस्वी इन दिनों सोशल मीडिया अकाउंट पर लगातार कानून-व्यवस्था को लेकर सत्ता पक्ष पर हमलावर हैं। लोकसभा चुनाव में तेजस्वी ने २५० से अधिक सभाएं कीं, लेकिन महागठबंधन के तहत वह चार सीटें ही जीत सकी, जबकि नीतीश की पार्टी जदयू १२ सीटें जीतकर किंगमेकर साबित हुई। स्थिति ऐसी बन गई कि भाजपा ने अभी से २०२५ के विधानसभा चुनाव के लिए नीतीश कुमार के नेतृत्व को स्वीकार कर लिया। दूसरी ओर, तेजस्वी कमजोर साबित हुए।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान एनडीए के नेताओं ने लालू यादव के शासनकाल में फैले जंगल राज की याद दिलाई और उसका लाभ भी एनडीए को मिला। माना जा रहा हैं कि राजद के नेताओं के ऊपर लगे भ्रष्टाचार और जंगलराज के आरोपों का नुकसान महागठबंधन को हुआ है। बिहार की राजनीति से जुड़े पत्रकार कहते हैं कि राजद पर लगे आरोपों का लाभ एनडीए को हुआ है। इसके बाद राजद के नेताओं ने विधानसभा चुनाव में इससे पार पाने की योजना पर अभी से काम शुरू कर दिया है। राजद यह साबित करने की कोशिश कर रहा है कि आज के दौर में कानून-व्यवस्था की स्थिति ज्यादा खराब है।

120 करोड़ की ठगी करने वाले गिरफ्तार

लखनऊ (ईएमएस): लखनऊ की अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी के खाते से १२० करोड़ रुपये की ठगी करने वाला गैंग पकड़ा गया है। लखनऊ साइबर क्राइम टीम ने ठगी में शामिल ७ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक अहमदाबाद एक सूरत और पांच उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों के रहने वाले हैं। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और एकेटीयू की फर्जी मेल आईडी बनाकर जालसाजों ने एकेटीयू के एसबीआई खाते से १२० करोड़ रुपये ट्रांसफर करवा लिए थे। गैंग के मास्टरमाइंड ने खुद को एकेटीयू का चीफ अकाउंट ऑफिसर बनकर एकेटीयू के नाम पर यूबीआई बैंक के सेविंग अकाउंट खुलवाकर ट्रांजेक्शन कर रहा था।

नीट यूजी परीक्षा: एक रात के खेल में बुकलेट नंबर 6136488 गिरोह के पास कैसे पहुंची

पटना(ईएमएस): नीट परीक्षा पेपर लीक मामले में तमाम सवूत आने के बाद भी केंद्र सरकार ने किसी तरह की गफलत से इंकार कर दिया था। इसके बाद जब एक के बाद एक साक्ष्य सामने आए तो सरकार ने मामले को संदिग्ध मानते हुए कार्रवाई का भरोसा भी दिलाया है। इसके बाद भी आए दिन इस परीक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे है।

पेपर लीक कांड में प्रारंभिक जांच के क्रम में शास्त्री नगर थाने की पुलिस को बुकलेट नंबर ६१३६४८८ मिली थी। इसका उल्लेख प्रस्तुति सह जब्ती सूची में है। इस बुकलेट को रामकृष्ण नगर थाने के सहायक अवर निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने शास्त्री नगर थाना परिसर में वहां के दारोगा प्रवीण कुमार और होमगार्ड सुभाष कुमार की उपस्थिति में थाना अध्यक्ष अमर कुमार को दिया था। यह बुकलेट अधजली अवस्था में मिली थी। इसे भिगोने के बाद पंखे की हवा से सुखाया गया। तब इसे क्रम युक्त जब्ती सूची में शामिल किया गया। प्रश्न संख्या के सामने घेरे में अंक लिखे गए थे। दो पन्ने की इस जब्ती सूची में १५ बोतल सील बंद पानी मिलने का भी उल्लेख है।

प्रश्नपत्र (बुकलेट) को रामकृष्ण नगर थाने के पुलिस पदाधिकारी ने कहां से बरामद किया था, इसका उल्लेख नहीं है। माना जा रहा है कि यह पटना के खेमनीचक स्थित लर्न प्ले स्कूल एवं लर्न ब्वायज हास्टल के भवन से बरामद हुआ था, जहां अभ्यर्थियों को परीक्षा से एक रात पूर्व रख कर उत्तर रटवाए गए थे।

उन्हीं के लिए पानी की बोतलें भी लाई गईं थीं। इससे स्पष्ट है कि परीक्षा से पूर्व ही बुकलेट संख्या ६१३६४८८ गिरोह के पास पहुंच गई थी। सूत्र बताते हैं कि इस बुकलेट पर ए-वन कोड अंकित था। जिस तरह रिजर्व बैंक आफ इंडिया नोटों की छपाई करने के साथ उस पर सीरियल नंबर अंकित करता है, ठीक वैसे ही देशभर में एक साथ होने वाली नीट यूजी के प्रश्नपत्र (बुकलेट) पर छपाई के दौरान ही क्रमांक वर्णित होता है।

बुकलेट नंबर ६१३६४८८ को किस राज्य के किस परीक्षा केंद्र पर भेजा गया था, जांच एजेंसी एनटीए (राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी) से इस बारे में जानकारी ले सकती है। इससे स्पष्ट हो सकेगा कि प्रश्नपत्र किस राज्य के किस जिले से परीक्षा पूर्व गायब किए गए थे। शास्त्री नगर थाने की पुलिस के समक्ष दिए गए कबूलनामे में आरोपित अमित आनंद की गिरफ्तारी का स्थान स्पष्ट नहीं है। कबूलनामे के अनुसार, अमित ने एजी कालोनी स्थित कुलदीप बीमा आदित्या अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर २०२ से नीट के प्रश्न एवं उत्तर के जले अवशेष पुलिस द्वारा जब्त किए जाने की बात कही है।

हालांकि, उक्त पते पर तलाशी के दौरान पुलिस ने जो जब्ती सूची तैयार की, उसमें अधजले प्रश्नपत्र मिलने का उल्लेख नहीं है। वहां से नीट यूजी के अधजले प्रश्नपत्र को छोड़ कर कई प्रतियोगी परीक्षाओं, बैंक, वित्तीय लेन-देन आदि से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए थे। इसके अलावा अपार्टमेंट की पार्किंग से वाहन भी जब्त हुआ था। जानकार बताते हैं कि परीक्षा से एक रात पूर्व प्रश्नपत्र गिरोह तक पहुंच गया था, जिससे यह माना जा सकता है कि गिरोह ने स्ट्रांग रूम में सेंध लगाई थी।

बड़ा सवाल है कि इस नंबर की बुकलेट यदि परीक्षा केंद्र तक पहुंची नहीं थी तो ऐसी स्थिति में कस्टोडियन ने एनटीए समेत अन्य जिम्मेदार लोगों को सूचित क्यों नहीं किया? अथवा, इस संबंध में प्राथमिकी क्यों नहीं कराई गई? जांच एजेंसी इन सवालों के जवाब मांग सकती है।

एक वरीय अधिकारी के अनुसार, जब्त बुकलेट में वर्णित प्रश्न, हू-ब-हू परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों से मिल रहे थे। ऐसे में बरामद अधजली बुकलेट के कागज की गुणवत्ता की भी जांच एफएसएल (विधि-विज्ञान प्रयोगशाला) से कराई जानी चाहिए। यदि अभ्यर्थियों को मिली बुकलेट की गुणवत्ता जैसे कागज नहीं मिले तो यह माना जा सकता है कि परीक्षा पूर्व प्रश्नपत्र की फोटो लेकर दूसरे कागज पर प्रिंटआउट (छायाप्रति) निकाला गया होगा। चूंकि, गिरोह अलग-अलग शहरों में कई स्थानों पर अभ्यर्थियों को प्रश्नपत्र और उत्तर रटवा रहा था, ऐसे में हर जगह ओरिजनल बुकलेट देना संभव प्रतीत नहीं होता। ऐसे में माना जा सकता है कि बुकलेट की छायाप्रति ही उन अड्डों तक पहुंची होगी। वैसे फोरेंसिक जांच से कई तरह की अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त हो सकती हैं।

अररिया में उद्घाटन से पहले गिरा पुल

अररिया (ईएमएस): अररिया के सिकटी में बकरा नदी पर बना पुल मंगलवार को गिरकर ध्वस्त हो गया। बताया जाता है कि बकरा नदी पर बने इस पुल का उद्घाटन किया जाना था, लेकिन इससे पहले ही करोड़ों की लागत से बना यह पुल धड़ाम से गिर गया। सिकटी प्रखंड क्षेत्र के पड़रिया घाट पर पुल का निर्माण किया गया था। मिली जानकारी के अनुसार सिकटी प्रखंड स्थित बकरा नदी पर १२ करोड़ की लागत से पड़रिया पुल का निर्माण किया गया था। मंगलवार को पुल के ३ पिलर नदी में धंस गए और पुल गिर गया। पुल निर्माण करने वाली एजेंसी के लोग मौके पर पहुंच गए हैं और प्रशासन की टीम भी आ गई है। सिकटी विधायक विजय मंडल के अनुसार जिले के ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा यह पुल तैयार किया गया था। जमीन पर ही पिलर गाडक़र तैयार किया गया था। एप्रोच रोड भी नहीं बना था। करीब १२ करोड़ की लागत वाली करीब १०० मीटर का यह पुल था।

अमीन कर्मचारियों पर लाठीचार्ज

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के आवास पर घेराव के लिए पहुंचे संविदा पर नियुक्त अमीन कर्मचारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है. अमीन स्थायी करने की मांग को लेकर घेराव करने पहुंचे थे. वह कार्य से हटाए जाने से नाराज हैं. दरअसल, बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी आवास के बाहर धरना पर बैठे अमीनों को पुलिस ने वहां से हटाने की कोशिश की. जब प्रदर्शन कर रहे अमीन वहां से हटने को तैयार नहीं हुए तब जबरन घसीटकर अमीनों को हटाया गया. इस दौरान लाठीचार्ज किया गया. अमीनो को पुलिस ने खदेड़कर भगाया. इस दौरान सम्राट चौधरी के घर के पास अफरा-तफरी मच गई.

पटना में प्रदर्शन कर रहे लोग अमीन के पोस्ट पर चार साल पहले तैनात किए गए थे. राज्य सरकार ने इन लोगों को संविदा पर बहाल किया था. मगर, अब इन अमीनों को बिहार सरकार ने पदमुक्त कर दिया. इसके लिए राजस्व और भूमि सुधार विभाग ने १३ जून को सभी जिले के डीएम को पत्र जारी इसकी जानकरी दी. पत्र में लिखा गया था कि इन अमीनों से अब सेवा नहीं ली जाए.अब संविदा पर नियुक्त अमीन कर्मचारियों ने इस आदेश को वापस लेने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं. वह राज्य सरकार से इस आदेश को वापस लेने की मांग कर रहे हैं. इस दौरान वह बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के घर के बाहर सभी धरना पर बैठ गए और विरोध प्रदर्शन करने लगे.

नहीं रुकेगा बाबा बुलडोजर,रहीम नगर और अबरार नगर की बारी

लखनऊ (ईएमएस): अकबरनगर में हुए बुल्डोजर एक्शन के बाद भी अभी राजधानी लखनऊ में कई और अवैध कॉलोनियां गिराई जाएगी। कुकरैल नदी के किनारे बसाई गई अवैध रहीम नगर और अबरार नगर में भी बुलडोजर चलेगा। कुकरेल नदी के किनारे यानी सिंचाई विभाग की जमीन पर बने अवैध मकानों पर जल्द ही बुलडोजर चलेगा। कुकरेल नदी को जीणोद्धार करने की प्रक्रिया में नदी के आसपास के सभी अतिक्रमण को हटाने की तैयारी में योगी सरकार जुट गई है।

दरअसल, बीते कई दिनों सिंचाई विभाग की टीम रहीम नगर और अबरार नगर में सर्वे कर रही थी। सर्वे का काम लगभग पूरा हो चुका है। एक-दो दिन के अंदर लिस्ट अवैध मकानों की यानी अतिक्रमण का एलडीए को सौंप देगी। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष इंद्रमणि त्रिपाठी का कहना है कि अगले एक-दो दिन के अंदर हमें सिंचाई विभाग वह लिस्ट सौंप देगी, जिनके मकान पर बुल्डोजर चलने हैं, यानी जो अवैध रूप से बने हुए हैं पहले हम उन मकान यानि अवैध मकान के मालिकों से बातचीत करने वाले हैं। पीएम आवास योजना के तहत मकान देने को लेकर उनसे बात होगी और फिर करवाई होगी। स्थानीय लोगों का भी कहना है कि सिंचाई विभाग की टीम आई है। लगातार सर्वे कर रही है। कईयों को नोटिस भी दिया गया है।

उधर, मंगलवार को लगातार नौंवे दिन अकबरनगर में बुलडोजर एक्शन लगातार जारी है। आज शाम तक अकबरनगर के सभी अवैध मकान तोड़ दिए जाएंगे। यहां १८०० अवैध मकान थे। मौके पर बिना किसी विवाद हुए बिना इन सभी मकानों को एलडीए ने ध्वस्त कर दिया। आज शाम तक जैसे ही सभी मकान टूट जाएंगे उसके बाद मलवा हटाने का काम चलेगा।

नीतीश कुमार ने 29 को जेडीयू की कार्यकारिणी बैठक बुलाई

पटना (एजेंसी): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आगामी २९ जून को दिल्ली में अपनी पार्टी जेडीयू की कार्यकारिणी बैठक बुलाई है. बैठक की अध्यक्षता खुद मुख्यमंत्री करने वाले हैं, क्योंकि इस वक्त वही पार्टी अध्यक्ष भी हैं. जानकारी के मुताबिक, इस मीटिंग में पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं को शामिल होने का निर्देश दिया गया है. यह बैठक ऐसे समय में बुलाई गई है, जब जेडीयू की कार्यकारिणी बैठक से ठीक पहले लोकसभा अध्यक्ष पद का चुनाव होना है. जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी दोनों की इस कुर्सी पर नजर है, लेकिन मीडिया के सामने गठबंधन धर्म निभाने की बात कह रही हैं. इस मीटिंग को लेकर बिहार में कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं, जिससे चर्चाओं का बाजार भी गरम हो गया है.

बिहार में चर्चा है कि केंद्र में गठबंधन की सरकार चलाने के बाद भी पीएम मोदी ने सहयोगियों को कुछ खास नहीं दिया और सारे अहम मंत्रालय बीजेपी ने अपने पास रख लिए. मोदी कैबिनेट ३.० में जेडीयू को कम महत्व वाले विभाग देने से नीतीश कुमार खफा बताए जा रहे हैं. हालांकि, जेडीयू की ओर से हमेशा कहा गया है कि वह बिना शर्त समर्थन दे रहे हैं. जेडीयू की कार्यकारिणी बैठक को लेकर कुछ लोगों का कहना है कि नीतीश कुमार अपनी पार्टी के सीनियर नेताओं से विचार-विमर्श करके केंद्र सरकार को अपनी डिमांड का एक ज्ञापन सौंप सकते हैं. इसमें बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग भी शामिल हो सकती है. कुछ लोगों का मानना है कि नीतीश कुमार समय से पहले विधानसभा चुनाव कराने की सोच रहे हैं.

विपक्ष लगातार कह रहा है कि केंद्र में एनडीए गठबंधन की सरकार ६ महीने भी नहीं चल सकती है. नीतीश कुमार की पलटने वाली आदत से सभी वाकिफ हैं. इससे बीजेपी के को भी ये डर सता जरूर रहा होगा. लोकसभा स्पीकर के चुनाव के ठीक बाद जेडीयू कार्यकारिणी की बैठक से बीजेपी खेमे की सांसे बढ़ी हुई हैं, क्योंकि पिछली बार जब जेडीयू की कार्यकारिणी बैठक हुई थी तो बिहार सरकार बदल गई थी. ऐसे में सवाल ये है कि क्या नीतीश कुमार फिर से चौंका सकते हैं. हालांकि मुख्यमंत्री के कामकाज की शैली को समझने वाले जानकार ऐसा नहीं मानते हैं.

उनका कहना है कि सिर्फ १२ सांसदों के भरोसे नीतीश कुमार ऐसा कोई फैसला नहीं लेंगे. उन्हें पता है इससे मोदी सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ेगा. वह अभी बिहार के लिए स्पेशल दर्जे की मांग भी नहीं उठाएंगे, क्योंकि यह मांग वह हमेशा एनडीए से बाहर होने पर करते हैं. समय से पहले विधानसभा चुनाव भी नहीं कराए जाएंगे, क्योंकि लोकसभा चुनाव के बाद बीजेपी ने अगले चुनाव में भी उनका नेतृत्व स्वीकार कर लिया है, इसलिए उनकी कुर्सी सुरक्षित है. कुछ लोगों का कहना है कि इस बैठक में लोकसभा चुनाव परिणामों पर चर्चा होगी और विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति तैयार की जाएगी. कुछ सीटों पर जेडीयू काफी कम अंतर से हारी है और कुछ पर जीत का मार्जिन काफी कम रहा. इन सीटों के लिए विशेष रणनीति तैयार की जा सकती है.

झारखण्ड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार
बोकारो प्रक्षेत्र, बियाडा भवन, बालीडीह, बी०एस०सिटी०–14
Gmail.mdbiadabokaro@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सर्व श्री भोले एलवायज प्रा0 लि0, प्रक्रम–IV, प्लॉट नं0 –IV/C-6, रकवा–5.00 एकड़, बोकारो औद्योगिक क्षेत्र, बालीडीह, बोकारो द्वारा प्राप्त पत्र के आलोक में सर्व श्री मेटल कास्टिग एण्ड इंजीनियरींग प्रा0 लि0 को बिहार राज्य वित्त निगम, पटना से नीलामी सर्व श्री भोले एलवायज प्रा0 लि0, के निदेशक श्री राकेश कुमार सिंह, पिता सत्यानन्द सिंह लोहान्चल कोलोनी, मकान सं0 – 95, सेक्टर– 12, बोकारो के नाम क्रय किया गया है। जिसका स्वामित्व परिवर्तन करने हेतु पत्र प्राप्त हुआ है। इकाई का नाम सर्व श्री मेटल कास्टिग एण्ड इंजीनियरीग प्रा0 लि0 से सर्व श्री भोले एलवायज प्रा0 लि0, के नाम से स्वामित्व परिवर्तन किया जाना है।

अतः उपर्युक्त प्रस्ताव पर किसी को कोई अपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि से 10 दिनो के अन्दर अपना लिखित आपत्ति दर्ज करें, अन्यथा निर्धारित समय अवधि समाप्ति के उपरांत प्रस्ताव पर अग्रेत्तर कार्रवाई किया जाएगा।

ह0/–
क्षेत्रीय निदेशक,
जियाडा, बोकारो प्रक्षेत्र।

PR.NO.326703 Industries(24-25):D

Government of Jharkhand
Urban Development and Housing Department
PHUSRO NAGAR PARISHAD (BOKARO)

Short Term E-Tender Notice No. : - PMC/01/2024-25

Group No.	Tender Reference No.	Description	Estimated Cost in Rs.	Earnest Money in Rs.	BOQ Document Fees in Rs.	Duration for Work
1	2	3	4	5	6	7
1	PMC/01/01/2024-25	Providing Supplying and Laying of Cement Concrete Paver Block 80mm Thick (M40) Grade in Ward 01 Bermo Sim Fouzi Shop to Chotu Shop, Bermo Sim Main Road to Anugrah Nagar And Other Places and Ward 02 Sitaram House to Teju House, Sohrai House to Netram House and Tekari lala to Temple Tak, Tuntun House to Javed House , Satyendra Yadav House to PCC Road , Santosh Singh Shop to Babloo Print Shop, Subodh House to Pramod House, Mangal Munda House to Transporting Road, Shiv Temple Ramnagar and Other Places (Total 2395.00 Sqm) under Phusro Nagar Parishad (Boakro)	24,96,102	50,000	5,000	04 Month
2	PMC/02/01/2024-25	Providing Supplying and Laying of Cement Concrete Paver Block 80mm Thick (M40) Grade in Ward 03 Ajit Singh House to Durga Sarkar House, Lallesh House to Nndu House, Mukun House to Raghuver Saw House, Jamuni Devi Gali, Sikander Ganjhu House to Karo talab, Sunil Munda House to karo talab, Nandlal Mahto House back Side to Kesher Karmali House, Kero talab to Prakash mahto House Ward, Devi Mandir Karo Basti and Other Places and Ward 04 Md tahir house to towards Jiten Swashi house to towards Jiten Champatiya house, Pradeep Rawani house to Dharmendra House, Field Query Market to towards Parmesh House, Jyotilal Pather House to Bajrangbali mandir and Other Places (Total 2394.00 Sqm) under Phusro Nagar Parishad (Boakro)	24,95,060	50,000	5,000	04 Month
3	PMC/03/01/2024-25	Providing Supplying and Laying of Cement Concrete Paver Block 80mm Thick (M40) Grade in Ward 05 Noor Mohammd House to Jagdish Mahto House, Near Bajrang More to Noor Mohamad, Vishal House to SI Club Tak and Other Places and Ward 06 Hanuman Mandir Super Mohalla, Naer Karbala Amlo Basti, Shiv Mandir Tiranga toofan Club, Kali Mandir Jhanda Chowk, Mansha Mandir amlo Basti, Shiv Mandir Baniya Patti , Shekher Mukherji to Jugnoo Prajapati, Kunti Devi House to Bigan Devi House and Other Places (Total 2398.00 Sqm) under Phusro Nagar Parishad (Boakro)	24,99,229	50,000	5,000	04 Month
4	PMC/04/01/2024-25	Providing Supplying and Laying of Cement Concrete Paver Block 80mm Thick (M40) Grade in Ward 07 Infront of Dosti Hotel, Manoj Pani Grahi to kamlesh Gupta, Rukram BP, C Type Dispensary to Jhagru farm, Baijnath Bhagat Block No. - 33, 34, Shiv Mandir Kalu Swai Temple And Other Places and Ward 08 32 Unit Sthal, Niche Dhoura & Ranchi Dhoura, Upper Dhoura and Other Places (Total 2397.500 Sqm) under Phusro Nagar Parishad (Boakro)	24,98,708	50,000	5,000	04 Month
5	PMC/05/01/2024-25	Providing Supplying and Laying of Cement Concrete Paver Block 80mm Thick (M40) Grade in Ward 09 Ganesh Mandap to Sukar Lohar, Ram Ayodhaya Das house to hanuman Mndir to Rohit Chouhan, Basudev Singh to Mahendra Prajapati, Main Road to Sitaram Yadav House and other places and Ward 10 Rani Devi House to PCC Road, Near Kali Mandir, Binod Karmali to Dumku Mnjhi, Gopal Goswami to Muttu Bhuiya, Vivek Singh to Jakir Hussain House, Block 19, 20, 21, 22 Durga Mandap, Kapil Master to Masjid, Nitish Bhagat to Rajkumar Bauri, PCC Road to Deepak Bouri, PCC road to Rajan Digar House and Other Places (Total 2395.00 Sqm) under Phusro Nagar Parishad(Boakro)	24,96,102	50,000	5,000	04 Month
6	PMC/06/01/2024-25	Providing Supplying and Laying of Cement Concrete Paver Block 80mm Thick (M40) Grade in Ward 11 from Sagar House to Vishal House, Budhram House to Road tak, Mangal House, Tarjan House, Sagar House to Govind House, Prem House to Sanjay Munda House, chotka house to suresh dom house, Near Community Building and Other places and Ward 12 Madan Lohar House to Mohan Dubey House, Tikhan Bhuiyan House to Gulab Bhuiyan House, Main Road Phusro Aman Saw Atta Chakki to Railway Line Tak, Main Road Phusro Bangali Mohalla Sukesh Saw House to Mukesh Saw House, Main Road Bangali Mohalla Amar Pal House, kaushal kumar house to nanka bhuiya house and Other Places (Total 2393.00 Sqm) under Phusro Nagar Parishad (Boakro)	24,94,018	49,900	5,000	04 Month
7	PMC/07/01/2024-25	Providing Supplying and Laying of Cement Concrete Paver Block 80mm Thick (M40) Grade in Ward 13 Ajay Singh House to Post Office, Post Office to Hare Mohan Srivasstava and Other places and Ward 14 Bijli Ghar to Bhushan Yadav House, Neeraj Singh House to Chota Kuan, Kishori House to Shirodhar House, Munna Das House to Malti Devi House, Arjun Saw to Kishun Rawani House, Double Story to Rajesh House, Sunil Rashan Shop to Durga Mandir, Samudaiyik Bhawan infront, Ashok Singh House and Other Places (Total 2397.00 Sqm) under Phusro Nagar Parishad (Boakro)	24,98,187	50,000	5,000	04 Month
8	PMC/08/01/2024-25	Providing Supplying and Laying of Cement Concrete Paver Block 80mm Thick (M40) Grade in Ward 15 Beeru Ram House to towards Nandkishore Dom, Mahammd Miya House, Devi sthal To towards radhy saw House and Other places and Ward 16 Harendra Singh House to Imran Khan House Ghutiyatand, Gajendra Singh to Popular House and Other Places (Total 2396.000 Sqm) under Phusro Nagar Parishad (Boakro)	24,97,144	50,000	5,000	04 Month
9	PMC/09/01/2024-25	Providing Supplying and Laying of Cement Concrete Paver Block 80mm Thick (M40) Grade in Ward 17 Gram Devta Gutiya Tand Basti, Kali Mandir Kadmadih Basti, Karma Parv Sthal Ghutiyatand, Parvati mandir Ghutiyatand, Near Santosh Singh House, Near Binod Singh House and Other places and Ward 18 Baloo Banker Vivah Mandap, Sringar Beda Mangar Mahto, Karam Akhad Rehwaghat, Dhaneashwar Ravidas to Moujilala, Rajkumar Karmkar to Naresh Ravidas, Maoujilal to neem Tree Tak and Other Places (Total 2396.500 Sqm) under Phusro Nagar Parishad (Boakro)	24,97,665	50,000	5,000	04 Month
10	PMC/10/01/2024-25	Providing Supplying and Laying of Cement Concrete Paver Block 80mm Thick (M40) Grade in Ward 19 Raju Singh House to Vijay Keshri House, Shiv Mandir Bharat singh sschool, Yatri Shed Mian Road, Ammmmbedkar Colony Community, Sunder Shop to Manoj Mangalam Shop, GM Colony Near Abhimanyu Sir House, Ram Krishna Ghanshi to Ajay ravidas House, GM Colony Manoj Ghanshi to Deepak hadi House Road Side, Kasturba School to main Road Press office, Ambedkar Colony Block No. 11, Ambedkar Colony Block No. 04, Ambedkar Colony Block No. 01, Ambedkar Colony Block No. 02 and Other places and Ward 20 Sarvjanik Puja Sthal to Surya Puja, Akleshwar Mahto to Ganesh Mallah, Suresh Mahto to Handpump Tak, Ranibagh Visweshwar House, Kheman Mahto to Nemchand Mahto, Harish Mahto to Akhada Tak, Ashok Pandit to Isjhwar Mahto, Suresh Ravi House Sotardih, Mani Giri to Yuvraj Giri House, Mithun Giri to Kali Giri House, Kedar Lohani to Surender Pandit and Other Places (Total 2393.400 Sqm) under Phusro Nagar Parishad (Boakro)	24,94,435	49,900	5,000	04 Month

1. Date of Publication of Tender on website (Online) - 20.06.2024 From 10:30 AM (Uploading of Bid Online Only)
2. Date of Downloading of Tender on website (Online)- 21.06.2024 From 10:30 AM (Downloading Bid Online Only)
3. Last Date and Time of Submitting of Bids (Online) - 06.07.2024 up to 05:00 PM (Submitting Bid Online Only)
4. Date and Time of Opening of Bid (Online Only) –08.07.2024 From 10:30 AM (Opening of Bid Online Only)
5. Name of Online E-Tender Notice Inviting Officer - Mr. Gopesh Kumbhakar (Administrator, Phusro Nagar Parishad)
6. Name and Address of E-Tender Notice Inviting Office- Office of The Administrator, Phusro Nagar Parishad (Bokaro)
7. Contact No. of E-Procurement Officer –06549-356303
8. Help Line No. of E-Procurement Office - 06549-356303
9. Only E-Tenders will be accepted. Further details can be seen on website http://jharkhand tenders. gov.in

Administrator
Phusro Nagar Parishad Bokaro

PR.NO.326670 Urban Development(24-25):D

गरीब के साथ न्याय नहीं हुआ : मांझी

पटना (एजेंसी): देश भर में नीट परीक्षा परिणाम का मामला चर्चा में है. इस बीच केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने बड़ा बयान दिया है. नीट पेपर लीक मामले को लेकर जीतन मांझी ने कहा कि यह बीजेपी, कांग्रेस और महागठबंधन का मामला नहीं है. यह बात सही है कि इस परीक्षा में पेपर आउट हुआ है, लेकिन सरकार उस पर सख्त है और कार्रवाई कर रही है. जांच एजेंसी जांच कर रही है. उन्होंने कहा कि पेपर लीक होने से स्वाभाविक सी बात है कि जो गरीब हैं उसके साथ जस्टिस नहीं हुआ है.

वहीं, बिहार के कानून व्यवस्था को लेकर राजद की तरफ से हमला बोला जा रहा है. इस पर जीतन मांझी ने कहा कि हम बहुत पहले बोल चुके हैं कि कानून व्यवस्था पर महागठबंधन के लोगों को बोलने का अधिकार नहीं है. हम नजदीक से उन लोगों को जानते हैं. आज त्वरित कार्रवाई हो रही है. लोगों को पकड़ा जा रहा है. उन्होंने आगे कहा कि आज ऐसा नहीं हो रहा है गलत काम करने वाले अपहरण करने वाले को छोड़ा जा रहा है. तब नेगोशिएशन वाली स्थिति थी, लेकिन आज इस तरह का नहीं है और ऐसे लोग लॉ एंड आर्डर को लेकर बात करते हैं तो यह शोभा नहीं देता है.केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि जानबूझकर ऐसी स्थिति पैदा किया जा रहा है. लोगों को बदनाम करने के लिए जहां-जहां घटनाएं घट रही है, उसमें कौन लोग इंवॉल्व हैं. अगर आप देखेंगे तो स्पष्ट होगा कि राजद के लोग उसमें इंवॉल्व हैं. साफ रूप से और राजद के लोग लॉ एंड ऑर्डर को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं.

इस पर कानून भी बनने जा रहा है ताकि इस पर अंकुश लगाया जा सके.उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से हमने मुलाकात की पहली बार मंत्री बनने के बाद आए हैं और मुख्यमंत्री से हमने अपने विभाग को लेकर सहयोग मांगा है. मांझी ने बताया कि सीएम नीतीश कुमार ने बहुत साफ शब्दों में कहा कि जो भी जमीन की जरूरत होगी, हम लोग जमीन देंगे. आप अपना काम कीजिए.

जल्द होगी 10 हजार अमीन की बहाली

पटना (एजेंसी): लोकसभा चुनाव में जनता का भरपूर समर्थन मिलने के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब अपना चुनावी वादा निभाने में जुट गए हैं. युवाओं को नौकरियों देने के वादे पर डबल इंजन सरकार ने काम शुरू कर दिया है. बिहार में जल्द ही सरकारी नौकरियों की खूब भर्ती निकलने वाली है.

जानकारी के मुताबिक, बिहार में जल्द ही १० हजार अमीन की बहाली की जाएगी. इसके अलावा अन्य विभागों में बंपर भर्ती निकलने वाली है. राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने अमीन भर्ती निकालने की बात कही है. उन्होंने बताया कि कई सालों से अमीन की संख्या कम होने के कारण पूरे बिहार में जमीन से जुड़े मामले फंसे हुए हैं. यह एक बड़ी समस्या है. जिसे दूर करने के लिए इसी महीने के आखिरी तक १० हजार अमीन की बहाली करने की तैयारी है.

राजस्व मंत्री ने बताया कि राजस्व विभाग को पूरी तरह से डिजिटल किया जा रहा है. उन्हींने कहा कि इसका लाभ प्रदेश की जनता को मिलेगा. अगले तीन महीने में लोगों को जमीन से जुड़े किसी कार्य के लिए विभागों के चक्कर नहीं लगाने होंगे. सारे कार्य घर बैठे ऑनलाइन किए जा सकते हैं. जानकारी के मुताबिक, नौकरी और रोजगार की दिशा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब आगे बढ़ रहे हैं और अपने एजेंडे पर काम शुरू कर दिया है. बिहार सरकार, विधानसभा चुनाव से पहले १० लाख युवाओं को नौकरी देगी.

सरकारी आंकड़ों की मानें तो बिहार के कई सराकारी विभागों में करीब पांच लाख पद खाली हैं. इनमें सबसे ज्यादा खाली पद शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग में है. आंकड़ों के अनुसार स्वास्थ्य विभाग में करीब ६५ हजार पद खाली हैं, जबकि शिक्षा विभाग में २ लाख से अधिक पद रिक्त हैं. इसके बाद गृह, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, ग्रामीण विकास, ऊर्जा, खाद्य उपभोग एवं उपभोक्ता संरक्षण, लघु जल संसाधन विभाग, जल संसाधन विभाग, श्रम संसाधन विभाग और समाज कल्याण विभाग समेत अन्य विभागों में भी पद रिक्त हैं. सूत्रों की मानें तो विभिन्न विभागों के खाली पदों पर बहाली की प्रक्रिया शुरू हो गई है.

कार्यालय, जिला परिषद धनबाद

:: आम सूचना ::

एतद् द्वारा जिला परिषद, धनबाद के दुकानदारों को सूचित किया जाता है कि जिला परिषद कार्यालय के ज्ञापांक 899, दिनांक 25.09.2021, ज्ञापांक 1320, दिनांक 17.12.2021, ज्ञापांक 916, दिनांक 22.07.2022, पत्रांक 265, दिनांक 20.02.2023 एवं ज्ञापांक 464, दिनांक 05.04.2024 के द्वारा बकाया किराया वसूली हेतु पूर्व में बकाएदारों को नोटिश निर्गत किया गया था, परन्तु निर्धारित समयावधि बीत जाने के पश्चात् भी कई बकाएदारों द्वारा बकाया किराया राशि जमा नहीं किया गया है, जो दुकानदार का जिला परिषद, धनबाद के साथ किए गए एकरारनामा का घोर उल्लंघन है।

इस आम सूचना के माध्यम से सभी बकाएदारों को सूचित किया जाता है कि आवंटित दुकान का बकाया किराया राशि 15 दिनों के अन्दर जिला परिषद कार्यालय में जमा करना सुनिश्चित करें, अन्यथा झारखण्ड सरकारी परिसर (किराया वसूली एवं बेदखली) अधिनियिम 1956 के प्रावधानों के अनुसार जिला परिषद, धनबाद द्वारा आवंटित दुकान का बकाया किराया वसूली हेतु बकाएदारों के ऊपर नीलामपत्र वाद दायर किया जाएगा, साथ ही दुकान खाली कराने एवं बकाएदारों के ऊपर विधि सम्मत् कारवाई करने की अग्रतर वैधानिक प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

ह0/–
उप विकास आयुक्त–सह
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, धनबाद

PR 326735 Panchayati Raj(24-25)#D

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, धनबाद।
मोबाईल नं० : 8789242462 Email : rdsd.dhanbad@rediffmail.com

पत्रांकः– 464 धनबाद/दिनांक– 18.06.2024

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – **03/2024-25/RDSD/EE/Dhanbad/Re-Tender/Z.Y.**

1. कार्य की विस्तृत विवरणीः–

क्र0 सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	टुण्डी प्रखण्ड के तोपचांची प्रखण्ड अन्तर्गत चैता पंचायत में पूर्व मुखिया के घर से खैराबाडी तक पुल सहित पथ निर्माण।	43.5280	परिमाण विपत्र की राशि 2%	5000.00	03 महीना

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि –**24.06.2024**
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय –दिनांक **24.06.2024** से दिनांक **01.07.2024** को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – **03.07.2024** अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– ई0 नरेन्द्र कुमार, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – **8789242462** (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

(ई0 नरेन्द्र कुमार)
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद

PR.NO.326772 Rural Development(24-25):D

Government of Jharkhand
Urban Development and Housing Department
PHUSRO NAGAR PARISHAD (BOKARO)

Short Term E-Tender Notice No. : - PMC/03/2024-25

Group No.	Tender Reference No.	Description	Estimated Cost in Rs.	Earnest Money in Rs.	BOQ Document Fees in Rs.	Duration for Work
1	PMC/01/03/2024-25	Construction of flyash brick drain inward no 10 under pnp	9,87,665.00	19,800.00	5,000	04 Month
2	PMC/02/03/2024-25	Const of fly ash brick drain near dhori check post in ward 11 under pnp	9,23,297.00	18,500.00	5,000	04 Month
3	PMC/03/03/2024-25	Const of fly ash brick drain from jayram singh house to dhori ground via masjid in ward 13 under pnp	9,96,932.00	20,0000.00	5,000	04 Month
4	PMC/04/03/2024-25	Laying of paver block near 11 no star club in ward 14 under pnp	6,12,512.00	12,300.00	5,000	04 Month
5	PMC/05/03/2024-25	Construction of flyash brick drain from mubarakh house to deva house ,ajit majumdar house to pramod yadav and laxmi devi house to bada nalahouse in ward no 14 under pnp	8,08,236.00	16,200.00	5,000	04 Month
6	PMC/06/03/2024-25	Construction of flyash brick drain from from river side dhobi mohalla raju rajak house to towards vijay singh house in ward no 16 under pnp	9,96,269.00	20,000.00	5,000	04 Month
7	PMC/07/03/2024-25	Construction of pcc road and rcc drain from usha singh polyclinic to main road new bhagalpur school in ward 22 under pnp	19,20,914.00	38,500.00	5,000	04 Month
8	PMC/08/03/2024-25	Construction of flyash brick drain from barmeshwar pd house to hospital ,rajnath yadav house to bridge and kaleswar bauri house to nala in ward no 28 under pnp	9,96,268.00	20,000.00	5,000	04 Month
9	PMC/09/03/2024-25	Repar and painting of community toilet in sabji market under pnp	5,31,850.00	10,700.00	5,000	04 Month
10	PMC/10/03/2024-25	Rennovation of community hall sarda colony and balu bainkar for urban health wellness centre under pnp	9,99,126.00	20,000.00	5,000	04 Month
11	PMC/11/03/2024-25	Rennovation of community hall ghutiya tand for urban health wellness centre under pnp	6,82,621.00	13,700.00	5,000	04 Month
12	PMC/12/03/2024-25	Rennovation of community hall dhako basti for urban health wellness centre under pnp	11,12,585.00	22,300.00	5,000	04 Month
13	PMC/13/03/2024-25	Construction of shop near sadar hospital under pnp	24,61,986.00	49,300.00	5,000	04 Month

1. Date of Publication of Tender on website (Online)- 20.06.2024 From 10:30 AM (Uploading of Bid Online Only)
2. Date of Downloading of Tender on website (Online)- 21.06.2024 From 10:30 AM (Downloading Bid Online Only)
3. Last Date and Time of Submitting of Bids (Online) - 06.07.2024 up to 05:00 PM (Submitting Bid Online Only)
4. Date and Time of Opening of Bid (Online Only) - 08.07.2024 From 10:30 AM (Opening of Bid Online Only)
5. Name of Online E-Tender Notice Inviting Officer - Mr. Gopesh Kumbhakar (Administrator, Phusro Nagar Parishad)
6. Name and Address of E-Tender Notice Inviting Office- Office of The Administrator, Phusro Nagar Parishad (Bokaro)
7. Contact No. of E-Procurement Officer - 06549-356303
8. Help Line No. of E-Procurement Office - 06549-356303
9. Only E-Tenders will be accepted. Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Administrator
Phusro Nagar Parishad, Bokaro

PR 326684 (Urban Development) 24-25 (D)

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,धनबाद
मोबाईल नं0 : 8789242462 Email : rdsd.dhanbad@rediffmail.com

पत्रांकः– धनबाद/दिनांक–

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक 440 दिनांक 06.06.2024 के द्वारा आमंत्रित अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0– 02/2024-25/RDSD/EE/Dhanbad जिसका PR No. 325425REO(24-25)#D में प्रकाशित निविदा के योजना क्रमांक (ग्रुप) सं0 04, 05 एवं 06 की तिथि में निम्नवत् संशोधन किया जाता है।

क्र0	विवरणी	पूर्व में प्रकाशित तिथि	संशोधित तिथि
1.	वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि	दिनांक 13.06.2024	दिनांक 20.06.2024
2.	ई0–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	दिनांक 13.06.2016 से दिनांक 20.06.2024 को अपराह्न 05:00 बजे तक।	दिनांक 20.06.2016 से दिनांक 26.06.2024 को अपराह्न 05:00 बजे तक।
3.	ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 22.06.2024 अपराह्न 02:00 बजे।	दिनांक 28.06.2024 अपराह्न 02:00 बजे।

अतः अन्य शर्तो यथावत रहेगी।

(ई0 नरेन्द्र कुमार)
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,धनबाद

PR 326782 REO(24-25).D

MINOR IRRIGATION DIVISION,DHANBAD

2nd Call
e-Procurement Notice

Tender Reference No. WRD/MID/DHANBAD/F_2-01/2024-2025, Date :-18/06/2024

1.	Name of the work	**Construction of Single Check Dam at Murlidhar Nala, Village- Laxmanpur, Block- Topchachi, Dist- Dhanbad.**
2.	Estimated Cost (Rs. In Lakh)	**Rs. 46.102 Lakh**
3.	Time of Completion	335 Days
4.	Date of Publication of E - Tender on website	08.07.2024 at 12.30 PM
5.	Last date/Time for submission of E- Tender BID's	13.07.2024 up to 5:00 PM
6.	Last Date for online Submission of Tender fee and EMD	e-Procurement Portal **(jharkhandtenders.gov.in)** 13.07.2024 up to 5:00 pm
7.	Date of Opining Tender	15.07.2024 at 12:30 PM
8.	Name & address of office Inviting tender	Executive Engineer, Minor Irrigation Division,Dhanbad.
a.	Contact no. & Email ID of e- Procurement officer	7903299712 dhanbad.eemi@gmail.com
b.	Helpline number of e-Procurement cell	7903299712

Note :-(1) Only e-Tenders will be accepted.
(2) Published Estimated Cost may be Increase or Decrease.
Further details can be seen on website http://jharkhand tenders.gov.in

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division, Dhanbad.

PR 326787 Irrigation(24-25)#D

झारखण्ड सरकार
कारा निरीक्षणालय
मंडल कारा, चास (बोकारो)

अतिअल्पकालीन ई०–निविदा सूचना
HJ & DM/DJ-CHAS/Q-3/2024/1315

1.	कारा का नाम	मंडल कारा, चास, बोकारो
2.	विषय	कारा में संसीमित बंदियों के भोजनादि की व्यवस्था हेतु विभिन्न प्रकार के खाद्यान्नों, हरी सब्जियों, आलु, चीनी, फलों एवं अन्य विविध सामग्रियों के क्रय/आपूर्ति के निमित्त ई०–निविदा का आमंत्रण। प्रथम त्रैमासिक निविदा(दिनांक–01.07.2024 से 30.09.2024 तक)
3.	निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non-refundable) Online स्वीकार की जायेगी।	₹ 5,000.00 (पाँच हजार) मात्र।
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र के उपलब्धता की तिथि एवं समय।	तिथि–20.06.2024 से 26.06.2024 के अपराह्न 4:00 बजे तक।
5.	निविदा Online up load करने की तिथि	तिथि–20.06.2024 से 26.06.2024 के अपराह्न 4:00 बजे तक।
6.	आपूर्ति हेतु खाद्य सामग्रियों का नमूना (Sample) जमा करने की तिथि।	तिथि–27.06.2024 से 28.06.2024 के अपराह्न 4:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
7.	अग्रधन राशि (EMD) (₹2500 /–से अधिक होने पर) जमा करने की तिथि।	तिथि–27.06.2024 से 28.06.2024 के अपराह्न 4:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
8.	निविदा खुलने की तिथि/समय/स्थान	तिथि–29.06.2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में अपर समाहर्त्ता, बोकारो की उपस्थिति में।

1. उपरोक्त निविदा झारखण्ड सरकार की वेबसाईट https://jharkhand tenders.gov.in पर केवल e-Tender के माध्यम से प्राप्त/स्वीकृत की जायेगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online ही स्वीकार की जायेगी।
3. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु अधीक्षक, मंडल कारा, चास, बोकारो के कार्यालय में कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender को online upload करने से संबंधित जानकारी हेतु कार्यालय अवधि में Helpline No. 9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

अधीक्षक,
मंडल कारा, चास, बोकारो

PR 326696 Home(24-25)D

22 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच यूजीसी नेट परीक्षा संपन्न

रांची (एजेंसी): राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) २०२४ के पहले सेशन का आयोजन मंगलवार को रांची के २२ निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. दो पालियों में आयोजित परीक्षा का आयोजन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा किया गया था.

पहली पाली की परीक्षा सुबह ९:३० बजे से दोपहर १२:३० बजे तक जबकि दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर ३ बजे से शाम ६ बजे तक चली. इस बार एनटीए की ओर से कुल ८३ विषयों के परीक्षा का आयोजन कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट नहीं बल्कि पेन-पेपर मोड में परीक्षा का आयोजन किया गया था. जिसमें कुल २५ प्रतिशत अभ्यर्थी अनुपस्थित थे.

परीक्षा के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का प्रबंध किया गया था. इस दौरान परीक्षार्थियों को निर्धारित दस्तावेज और सामग्री के अलावा कोई भी अन्य सामान परीक्षा हॉल में ले जाना वर्जित था. प्रश्न पत्र अंग्रेजी एवं हिंदी दोनों ही भाषाओं में हल करने का विकल्प दिया गया था. पेपर वन में ५० प्रश्न पूछे गए जिसके लिए १०० अंक एवं पेपर २ में १०० बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए, जिसके लिए २०० अंक निर्धारित किए गए थे. दोनों ही पेपर में उम्मीदवारों को ३-३ घंटे का समय प्रदान किया गया. परीक्षा के स्तर की बात करें तो, विशेषज्ञों ने बताया कि कुछ विषयों के प्रश्नपत्र आसान जबकि कुछ के प्रश्नपत्र कठिन थे.

जुलाई के अंत तक घोषित हो सकते हैं परिणाम

अब उम्मीदवारों को परिणाम का इंतजार करना होगा. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एनटीए करेगा. पिछले रुझानों को देखें तो, परीक्षा संपन्न होने के २५ से ४० दिनों के बीच परिणाम घोषित होने की उम्मीद है. इसका मतलब है कि परिणाम जुलाई के अंत घोषित किए जा सकते हैं. परिणाम एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट पर घोषित किए जाएंगे. परिणाम की तिथि के बारे में ताजा जानकारी प्राप्त करने के लिए अभ्यर्थी यूजीसी नेट की आधिकारिक वेबसाइट एचटीटीपीएस: यूजीसीनेट.एनटीए.एनआईसी.इन पर नजर बनाए रखें.

19 से 24 तक झारखंड के कई जिलों में बारिश और वज्रपात की संभावना

रांची (एजेंसी): झारखंड में गर्मी से राहत मिलने वाली है. १९ से २४ जून तक राज्य में कई स्थानों पर गरज और वज्रपात के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने कि संभावना है. साथ ही मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, हजारीबाग और कोडरमा में हीट वेव चलने कि संभावना है. वहीं इन जिलों को छोड़ कर बाकी सभी जिलों में बारिश हो सकती है. मंगलवार को राज्य में सबसे गर्म जिला गढ़वा ४३.७ डिग्री सेल्सियस के साथ रहा. इस दौरान गढ़वा जिले में कहीं-कहीं सीवियर हिट वेव रहा. वहीं राज्य के पलामू, चतरा, हजारीबाग, रामगढ, कोडरमा, गिरिडीह और देवघर जिलों में हीट वेव दर्ज किया गया.

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार झारखंड में मॉनसून के लिए चार से पांच दिन और इंतजार करना पड़ सकता है. इस दौरान मॉनसून को लेकर स्थिति साफ हो जायेगी. अभी २४ जून तक असम और बंगाल कि खाड़ी में बन रहे साइक्लोनिक दबाव का असर झारखंड में देखने को मिलेगा. इस दौरान राज्य के कई जिलों में बारिश होने कि संभावना है. पिछले २४ घंटे में राज्य में कहीं-कहीं पर गर्जन एवं आंधी के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा घटित हुई. सबसे अधिक वर्षा ३२.६ एमएम रांची में दर्ज किया गया. राज्य में कहीं-कहीं पर उष्ण लहर से भीषण उष्ण लहर की स्थिति भी दर्ज की गयी. राज्य में उच्चतम तापमान ४६.० डिग्री सेल्सियस डाल्टनगंज में जबकि न्यूनतम तापमान २४.२ डिग्री सेल्सियस जमशेदपुर में दर्ज किया गया.

झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव में परचम लहराएगी लोक जनशक्ति पार्टी : भुवनेश्वर लोहरा

रांची (ससे): लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय सचिव भुवनेश्वर लोहरा ने कहा है कि आगामी लोकसभा चुनाव में झारखंड में लोजपा दमदार उपस्थिति दर्ज कराएगी। चुनावी मैदान में मजबूती के साथ उतरेगी। श्री लोहरा ने कहा कि लोजपा (रामविलास) की झारखंड प्रदेश इकाई के सभी पदधारी संगठन को सशक्त बनाने में जुटे हैं। जिला स्तर पर कमिटियों के गठन की प्रक्रिया जारी है। समाज के हर वर्ग के लोग लोजपा से जुड़े रहे हैं।

उन्होंने कहा कि लोजपा (रामविलास) की नीतियों और सिद्धांतों के प्रति विश्वास जताते हुए काफी संख्या में अन्य दलों के नेता और कार्यकर्ता पार्टी में शामिल हो रहे हैं। श्री लोहरा ने कहा कि अपने पिता व पूर्व केंद्रीय मंत्री और दलितों के मसीहा स्व.रामविलास पासवान के पदचिन्हों पर चलते हुए पार्टी सुप्रीमो चिराग पासवान राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट राजनीतिक पहचान बनाने में सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा में लोजपा (रामविलास) झारखंड में भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। चिराग पासवान के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व में पार्टी झारखंड में भी परचम लहराएगी।

ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ मेला 7 जुलाई से, जिला प्रशासन ने की बैठक

रांची (एजेंसी): रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में मंगलवार को जगन्नाथपुर रथ मेले के आयोजन को लेकर समाहरणालय में बैठक आयोजित की गयी. इस साल ७ से १७ जुलाई तक ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ मेले का आयोजन होना है.

बैठक में जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति रांची के प्रभारी अध्यक्ष रणेंद्र कुमार, सचिव मिथलेश कुमार, उपाध्यक्ष अशोक नारसरिया, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार, प्रथम सेवक ठाकुर सुधांशु नाथ शाहदेव, सदस्य सुहास तेतरे, उपाधीक्षक हटिया प्रमोद कुमार मिश्रा, आवासीय दंडाधिकारी हटिया स्मृति कुमारी और संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे.

जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति रांची के प्रतिनिधियों के साथ मेले के बेहतर आयोजन के प्रस्ताव पर डीसी ने कई निर्देश जारी किये.

मेले से संबंधित निविदा की सूचना जारी करने को लेकर डीसी ने निर्देश दिये. मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के तहत सीसीटीवी लगाने, मंदिर के आसपास लाइट की व्यवस्था, रथ एवं मंदिर में दो-दो पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिये गये. डीसी ने कहा कि जगन्नाथपुर रथ मेले के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति रांची के साथ हमेशा खड़ा रहा है.

मेले का आयोजन भव्य तरीके से संपन्न हो, इसकी सारी व्यवस्था की जायेगी.

वडोदरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी, जांच में जुटी सुरक्षा एजंसियां

वडोदरा (ईएमएस): वडोदरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे समेत देशभर के कई हवाई अड्डों को बम से उड़ाने की धमकी भरे मेल मिलते ही सभी सुरक्षा एजेंसियों के हाथ-पांव फूल गए। आज दोपहर एक अज्ञात मेल आईडी से वडोदरा एयरपोर्ट अथॉरिटी को वडोदरा हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल भेजा गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए हवाई अड्डा प्राधिकरण ने संबंधित सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया। धमकी भरा मेल मिलते ही सीआईएसएफ स्थानीय पुलिस समेत सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं और वडोदरा एयरपोर्ट पर सघन चेकिंग की गई। मिली जानकारी के मुताबिक इस तरह का धमकी भरा मेल किसी अज्ञात शख्स ने देश के कई एयरपोर्ट पर भेजा है। इसे ध्यान में रखते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने एयरपोर्ट पर आने वाले सभी यात्रियों के सामान, बोर्डिंग पास, टिकट समेत दस्तावेजों की जांच की। साथ ही एयरपोर्ट पर आने वाले सभी वाहनों की चेकिंग की गई। घटना को लेकर एयरपोर्ट निदेशक प्रदीप डोबरियाल ने बताया कि आज दोपहर १२:४२ बजे किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा जीमेल अकाउंट से धमकी भरा मेल भेजा गया। जिसमें वडोदरा एयरपोर्ट समेत देश के १५ अन्य एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। सुरक्षा एजंसियों ने पूरे एयरपोर्ट की जांच शुरू कर दी। राहत की बात यह है कि जिस समय मेल प्राप्त हुआ उस दौरान कोई उड़ान निर्धारित नहीं थी। पूरे ऑपरेशन के दौरान कोई भी उड़ान नहीं रोकी गई। पूरे मामले की जानकारी होने पर शहर के तमाम आला पुलिस अधिकारी एयरपोर्ट पहुंचे। फिलहाल पूरे मामले में अज्ञात इस्साम के खिलाफ झूठी अफवाह फैलाने और धमकी देने के आरोप में वडोदरा के हरणी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

आज और कल काला बिल्ला लगा कर कार्य करेंगे झारखण्ड सचिवालय सेवा के पदाधिकारी

रांची (ससे): झारखण्ड सचिवालय सेवा संघ के उपाध्यक्ष बिनय कुमार बरनवाल की अध्यक्षता में संघ कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक में सर्वप्रथम दिनांक ११ जून के मौन जुलूस को सफल बनाने के लिए संघ के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। साथ ही सहयोग के लिए सभी मीडिया बन्धुवों का भी आभार व्यक्त किया गया। उक्त प्रदर्शन के बावजूद कार्मिक विभाग के नकारात्मक व उदासीन रवैये को देखते हुए आन्दोलन को जारी रखने का निर्णय लिया गया। इसी क्रम में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत दिनांक १९ एवं २० जून को सचिवालय सेवा के सभी पदाधिकारी काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शित करते हुए काम करेंगे । फिर भी सरकार का रवैया अगर सकारात्मक नहीं हुआ, तो आन्दोलन को ओर आक्रामक किया जाएगा।

चीन बढ़ा रहा है परमाणु हथियारों की संख्या

नई दिल्ली (ईएमएस): चीन अपने परमाणु हथियारों की संख्या तेजी से बढ़ा रहा है। स्वीडन के थिंक टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने अपने परमाणु शस्त्रागार में जनवरी २०२३ से जनवरी २०२४ के बीच जबरदस्त इजाफा किया है। चीन के पास २०२३ में ४१० न्यूक्लियर हथियार थे। उसने हथियारों की संख्या बढ़ाकर जनवरी २०२४ तक ५०० कर लिया। चीन का न्यूक्लियर आर्सेनल आने वाले सालों में ५०० से और बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत भी न्यूक्लियर हथियारों के मामले में पाकिस्तान से आगे निकल गया है। भारत के न्यूक्लियर वॉरहेड की संख्या १७२ हो गई है। जबकि पाकिस्तान के पास १७० वॉरहेड हैं। भारत के नए हथियार लंबी दूरी के हैं और ये चीन पर निशाना साध सकते हैं। दरअसल, चीन की प्रतियोगिता अमेरिका से है। उसने अपने हथियार हमले के लिए नहीं, बल्कि अमेरिका और रूस पर दबदबे के लिए बढ़ाए हैं। हथियारों का ज़खीरा बढ़ाने का दूसरा कारण सीमा विवाद भी है।

सरायकेला में घटिया सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों का विरोध, ठेकेदार पर लगाए गंभीर आरोप

सरायकेला (एजेंसी): झारखंड के सरायकेला जिले के बुरूडीह के ग्रामीणों ने जागरूकता दिखाते हुए घटिया सड़क निर्माण के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया. विरोध के बाद अब सड़क निर्माण शुरू हो गया है. दरअसल, सड़क निर्माण की घोषणा झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार बनने के बाद साल २०२० में की गई थी. लेकिन अब जब २०२४ में होंने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई तो सड़क बनाने का काम शुरू हुआ है. सड़क निर्माण का काम इसी साल फरवरी में संमपन्न होना था जो अभी तक पूरा नहीं हो पाया है. जिसकी गवाही खुद निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदार कैमरे पर दे रहे हैं.

बुरूडीह में बनाई जा रहे सड़क निर्माण के कार्य में अनियमितताएं पाई जा रहीं हैं. ग्रामीणों ने अपना विरोध दर्ज करते हुए बताया कि सड़क फिलहाल निर्माणाधीन है लेकिन उसके बावजूद कई जगह से सड़क में क्रैक देखा जा सकता है इस क्रैक को ठेकेदार बहुत है चतुराई से गीले सीमेंट के सतह बनाकर छुपाने का काम कर रहे है. जहां सड़क चिकनी होने चाहिए वहां जगह-जगह से सड़क सिढ़ीदार हो चुकी है.

निर्माण कार्य में तमाम चीजें घटिया क्वालिटी की इस्तेमाल हो रही है. ग्राम प्रधान ने बताया कि जो पुरानी सड़क बनी हुए १० साल से ज्यादा का समय हो गया है. वहीं अब जो सड़क बनाई जा रही है उसमें क्रैक आना शुरू हो गया है.

वही एक कॉलेज में पढ़ने वाली ग्रामीण छात्रा ने बताया कि उनका गांव मुख्य सड़क से लगभग १० किलोमीटर की दूरी पर है. जिसे तय करने में करीब आधे घंटे का समय लगता है और उसके बाद कॉलेज तक की दूरी तय करने में लगभग २० किलोमीटर का फासला है. फिलहाल इस दूरी को तय करने में आधे घंटे का समय लगता है अगर यह सड़क बन जाए तो १० किलोमीटर का फैसला १५ मिनट में तय कर सकते हैं लेकिन यह तब संभव है जब सड़क निर्माण सही से किया गया हो.

वही एक ग्रामीण किसान लखन मुर्मू ने बताया कि पुरानी सड़क जो बनी हुई थी वह इस नई सड़क से काफी अच्छी थी नई सड़क तो एक और बन रही है और दूसरी ओर टूटती जा रही है. जिसको लेकर ग्रामीणों ने मांग की कि जितनी सड़क का निर्माण हो गया उसे तोड़कर फिर से बढ़िया निर्माण किया जाए. किसान ने कहा कि टूटी सड़क की वजह से मवेशियों का चलना भी दुर्भर हो जाएगा सिर्फ आंखों में धूल झोंकने का कार्य सड़क निर्माण करने वाले लोग कर रहे हैं. सड़क निर्माण का कार्य रात के अंधेरे में किया जा रहा है जिससे निर्माण कर्ताओं कि मंशा साफ दिखाई दे रही है.

पूरे मामले पर अपना पक्ष रखते हुए ठेकेदार अभिषेक आनंद ने सफाई देते हुए कहा कि निर्माणाधीन सड़क पर जो क्रैक नजर आ रहे हैं. वह क्रैक नहीं हेयर क्रैक है. निर्माण के दौरान कई बार मोटरसाइकिलें पार होती हैं जिस पर ग्रामीण बिफर गए और उन्होंने पूरे निर्माणाधीन स्थल का निरीक्षण ठेकेदार के साथ करते हुए बताया कि कहीं भी हमें मोटरसाइकिल के चक्कों का निशान दिखाइए. आप झूठ बोलकर ग्रामीणों को बहका रहे हैं. जहां ग्रामीणों ने उनके द्वारा किए ढलाई को भी जमीन छोड़ता हुआ दिखाया. वहीं ठेकेदार ने खुद माना कि निर्माण कार्य फरवरी में ही संपन्न हो जाना चाहिए था लेकिन भूमि विवाद होने के कारण यह अभी तक लंबित ही रह गया है.

मुख्यमंत्री के गृह जिले में हो रहा है विरोध

बता दें कि सड़क निर्माण को लेकर जिस जगह विरोध हो रहा है वह झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का गृह जिला गृह क्षेत्र एवं गृह प्रखंड गम्हरिया प्रखंड क्षेत्र है.

यहां लोकसभा चुनाव के दौरान बीजेपी की लोकसभा प्रत्याशी गीता कोड़ा को बंधक बनाने की कोशिश की गई थी. मामले में कांड्रा थाना क्षेत्र के प्रभारी को निलंबित किया गया था. अब ग्रामीणों ने निर्माण कार्य के खिलाफ अपना विरोध दर्ज किया है. देखना रोचक होगा कि मौजूदा सरकार पूरे मामले पर क्या संज्ञान लेती है.

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह।

जिला समाज कल्याण शाखा)

सेविका/सहायिका के रिक्त पदों पर आम सभा निर्धारित की सूचीः–

क्र0सं0	परियोजना का नाम	केन्द्र का नाम	रिक्त पद		आम सभा की तिथि	समय	आम सभा का स्थल	जति बाहुल्य
			सेविका	सहायिका				
1	2	3		5	6	7	8	9
1	गाण्डेय	अहिल्यापुर–3	सेविका	–	26.06.2024	10:30	ऑगनबाड़ी केन्द्र अहिल्यापुर–3	
2		रक्सकुटो	–	सहायिका	27.06.2024	10:30	समुदायिक भवन	
3		ओझाडीह	सेविका	–	28.06.2024	10:30	ऑगनबाड़ी केन्द्र ओझाडीह	
4	देवरी	सोगरा	–	सहायिका	29.06.2024	10:30	ऑगनबाड़ी केन्द्र सागरा	सामान्य
5	धनवार	अलगदेशी	सेविका	–	25.06.2024	10:30	ऑगनबाड़ी केन्द्र अलगदेशी	
6	सरिया	पूरनीडीह नीचे टोला	सेविका	–	25.06.2024	11:30	उत्क्रमित मध्य विधालय पूरनीडीह	
7	जमुआ	चरघरा	सेविका	–	01.07.2024	10:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
8		चरघरा	–	सहायिका		01:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
9		गम्हारडीह	सेविका	–	02.07.2024	10:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
10		भुचरोबाद–1	–	सहायिका		01:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
11		रेम्बा उत्तरी भाग	सेविका	–	03.07.2024	10:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
12		डोंगोडीह	–	सहायिका		01:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
13		खरगडीह उत्तरी भाग	–	सहायिका	04:07.2024	10:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
14		बेलकुन्डी	–	सहायिका		01:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
15		बरदबटिया	–	सहायिका	05.07.2024	10:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
16		चपरयामो	–	सहायिका		01:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
17		लताकी उत्तरी भाग	–	सहायिका	06.07.2024	10:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
18		लताकी पश्चिम भाग	–	सहायिका		01:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
19		पलरा	–	सहायिका	08.07.2024	10:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
20		मैयाडीह	–	सहायिका		01:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
21		सुखनुडीह	–	सहायिका	09.07.2024	10:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
22		उखरसाल	–	सहायिका		01:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
23		हरला	–	सहायिका	10:07.2024	10:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
24		जगन्नाथडीह लाला टोला	–	सहायिका		01:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
25		खरियोडीह	–	सहायिका	11:07.2024	10:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
26		चिरूडीह उतरी भाग	–	सहायिका		01:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
27		शहरपुरा	–	सहायिका	12.07.2024	10:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
28		बद्दीहा हरिजन टोला	–	सहायिका		01:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
29		सोतराबाद	–	सहायिका	13.07.2024	10:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
30		गोबिन्दपुरा	–	सहायिका	13.07.2024	01:00	संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र	
31		सोनारडीह	–	सहायिका				
32		चकमंजो	–	सहायिका				
33		सानडीह	–	सहायिका				
							जिला समाज कल्याण पदाधिकारी गिरिडीह।	

PR 326672 Women, Child Development & Social Security(24-25)D

देशभर में करीब दर्जनभर उम्मीदवारों ने चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया

ईवीएम और वीवीपैट के मेमोरी वेरिफिकेशन की अर्जी लगाई

नई दिल्ली (ईएमएस): लोकसभा और चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद अब तक ऐसी करीब १० अर्जियां चुनाव आयोग के पास आई हैं, जिनमें ईवीएम में दर्ज वोटिंग के आंकड़े और वीवीपैट की पर्चियों के मिलान यानी मेमोरी वेरिफिकेशन कराने की गुहार लगाई गई है। अधिकतर अर्जियों में एक से तीन बूथों की मशीनों के मिलान की अर्जी हैं। सिर्फ ओडिशा के झाड़सुगुड़ा विधानसभा क्षेत्र से हारीं बीजेडी उम्मीदवार दीपाली दास ने सबसे ज्यादा १३ मशीनों की मेमोरी वेरिफाई करने की अर्जी दी है। दीपाली विधानसभा चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार टंकधर त्रिपाठी से १२६५ वोटों से हार गई हैं। दीपाली का कहना है कि मैंने १७ राउंड में बढ़त बनाए रखी। आखिरी दो राउंड में पासा पलट गया। लिहाजा, आखिरी दो राउंड की १३ मशीनों की फिर से गिनती मिलान कराई जाए।

चुनाव आयोग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, महाराष्ट्र के अहमदनगर लोकसभा क्षेत्र से भी बीजेपी के सुजय राधाकृष्ण विखे पाटिल ने तीन मशीनों के वेरिफिकेशन के लिए अर्जी लगाई है। पाटिल २८,९२९ वोटों से हार गए। आयोग के मुताबिक उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ से किसी ने भी पुनरीक्षण की अर्जी नहीं लगाई है।

आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, इस लोकसभा चुनाव के दौरान ईवीएम और वीवीपैट के मेमोरी वेरिफिकेशन के लिए प्रति मशीन ४० हजार रुपए और उस पर १८ फीसदी जीएसटी एडवांस जमा करना पड़ता है। आयोग के तकनीकी विशेषज्ञों को टीम सभी के सामने डाटा वेरिफाई करती है।

राज्यसभा सदस्य 'अनंत महाराज ऊर्फ नगेन्द्र राय से मिलीं ममता

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सदस्य 'अनंत महाराज ऊर्फ नगेन्द्र राय से उनके आवास पर मुलाकात चर्चा का विषय रही। राय राजबंगशी समुदाय के नेता हैं। राय ने चकचका पैलेस में पारंपरिक गमछा और 'गुवा पान के साथ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का स्वागत किया। राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तौर पर देखी जा रही दोनों नेताओं की यह बैठक करीब ३५ मिनट तक चली। राय के आवास पर जाने से पहले ममता ने जिला मुख्यालय में स्थित मदन मोहन मंदिर में पूजा-अर्चना की। ममता सोमवार की शाम कूच बिहार पहुंची थी। इससे पहले वह सिलीगुड़ी स्थित उत्तर बंगाल चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल गयी थी जहां उन्होंने कंचनजंघा एक्सप्रेस हादसे के पीड़ितों के साथ मुलाकात की। हालिया संपन्न लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा से कूच बिहार सीट छीन ली है। इस सीट पर तृणमूल प्रत्याशी जगदीश चंद्र बर्मा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी वरिष्ठ भाजपा नेता निशीथ प्रमाणिक को करीब ४०,००० वोटों से हराया। चुनाव नतीजों ने इन अटकलों को जन्म दिया कि क्या क्षेत्र के राजबंगशी समुदाय के एक बड़े हिस्से पर रॉय के प्रभाव को देखते हुए नए राजनीतिक समीकरण बन रहे हैं। ममता की इस मुलाकात को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बंगाल इकाई ने कोई टिप्पणी नहीं की है।

संपादकीय

जी-7 देशों के मंच पर बढ़ी भारत की ताकत

अत्याधुनिक अर्थव्यवस्था वाले सात देशों के समूह जी-7 के शिखर सम्मेलन में भारत की विशेष उपस्थिति इसकी बढ़ती आर्थिक ताकत का ही प्रमाण है। भारत इस समूह का सदस्य नहीं है, मगर हर वर्ष इसे विशेष तौर पर आमंत्रित किया जाने लगा है। हालांकि इस बार इटली में आयोजित इस शिखर सम्मेलन में अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और हिंद प्रशांत क्षेत्र के बारह विकासशील देशों के नेताओं को भी निमंत्रित किया गया था, पर भारत को खास तवज्जो दी गई। दरअसल, यह सम्मेलन एक ऐसे समय में आयोजित हुआ, जब दुनिया में आर्थिक उथल-पुथल मची हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध और हमास-इजराइल संघर्ष जारी है।

पूरी दुनिया अभी मंदी की चपेट में है। यहां तक कि जी-7 के सदस्य देश अमेरिका, इटली, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा और जापान भी इससे बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं। मगर भारत की अर्थव्यवस्था पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नजर नहीं आ रहा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुताबिक भारत दुनिया की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है। जी-7 के मंच से प्रधानमंत्री ने फिर अपना संकल्प दोहराया कि 2047 तक भारत को विकसित देश बनाना है। उधर वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के स्तर पर जी-7 देशों की भागीदारी लगातार घट रही है। वे विश्व जीडीपी में साठ फीसद की भागीदारी से चालीस फीसद पर पहुंच गए हैं। भारत लगातार विकसित देशों के समांतर एक ताकतवर समूह बनाने की कोशिश कर रहा है। उसी रणनीति के तहत जी-20 सम्मेलन के दौरान अफ्रीकी संघ को भी समूह में शामिल किया गया। इस तरह भारत वैश्विक दक्षिण के देशों को एक मंच पर लाकर एक नया

आर्थिक मंच बनाना चाहता है। जी-7 के सदस्य देश इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि भारत सहित वैश्विक दक्षिण एक विशाल बाजार है, वहां सस्ते श्रम की उपलब्धता भी भरपूर है। हालांकि इस बार के शिखर सम्मेलन में प्रमुख रूप से दुनिया भर में बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने, वैश्विक स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने संबंधी रणनीतियां बनाने पर जोर रहा, पर रूस और चीन की वजह से बढ़ते तनाव को रोकने के उपायों पर भी चर्चा हुई। जी-7 समूह के सभी देशों के साथ भारत के रिश्ते बेहतर हैं और उनके साथ व्यापार-वाणिज्य संबंधी गतिविधियां निरंतर बढ़ रही हैं। जी-7 का जोर उभरती अर्थव्यवस्थाओं के साथ रिश्ते बेहतर बनाने पर है, इस तरह भारत इसमें मजबूत कड़ी साबित होगा। भारत के सामने फिलहाल कड़ी चुनौती चीन की तरफ से है। चीन को लेकर जी-7 देश भी वक्र दृष्टि रखते हैं। इस दौर में जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद कमजोर होता गया है और जी-7 देश वैश्विक मामलों में निर्णायक साबित हो रहे हैं, वे भारत को विशेष रूप से अपने साथ जोड़े रखना चाहते हैं, तो निश्चय ही यह चीन के लिए चिंता का विषय होगा। रूस-यूक्रेन संघर्ष में भी भारत की मध्यस्थता को अहम माना जा रहा है, जबकि इन दिनों रूस की नजदीकी चीन से बढ़ी है। जैसा कि प्रधानमंत्री ने जी-7 के मंच से यह संकल्प दोहराया कि वे पड़ोसी देशों से रिश्ते मधुर बनाने पर जोर देंगे, ताकि वे चीन की गिरफ्त से बाहर निकल सकें, यह भी चीन के लिए रणनीतिक रूप से परेशान करने वाली बात है। जी-7 के इस शिखर सम्मेलन से भारत के लिए नई राहें खुलती नजर आती हैं।

परीक्षा में धांधली और विश्वसनीयता पर सवाल...?

चिकित्सा पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित इस बार की राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा यानी नीट को लेकर उठे विवाद ने एक बार फिर प्रतियोगी और प्रवेश परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर उठते सवाल गहरे कर दिए हैं। कुछ केंद्रों पर गलत पर्चा बंटने के बाद से ही विद्यार्थी आरोप लगाते रहे कि प्रश्नपत्र पहले ही बाहर निकल चुके हैं, मगर राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी यानी एनटीए लगातार उस आरोप को खारिज करती रही। फिर नतीजे आए तो उसमें कई विसंगतियां देखी गईं। सड़सठ विद्यार्थियों को पूरे सात सौ बीस अंक मिले थे। करीब सोलह सौ विद्यार्थियों को कृपांक दिए गए। मामला सर्वोच्च न्यायालय में पहुंचा, तो उसने स्थिति स्पष्ट करने को कहा। मगर फिर भी एनटीए और सरकार की तरफ से तर्क दिया जाता रहा कि परीक्षा का पर्चा बाहर नहीं गया, उत्तर पुस्तिकाओं की जांच में कुछ त्रुटि हो सकती है। उसके लिए एक जांच समिति गठित कर दी गई। सोलह सौ विद्यार्थियों को दुबारा परीक्षा में बैठने की सहूलियत दी गई। मगर अब सबूत सामने आने लगे हैं कि प्रश्नपत्र पहले ही बाहर हो गया था। इससे एक बार फिर एनटीए की साख धूमिल हुई है। इस संस्था का गठन ही इस मकसद से किया गया था कि यह पूरी पारदर्शिता के साथ और चौक-चौबंद तरीके से प्रतियोगी तथा प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन करेगी। इससे नकल माफिया पर अंकुश लगेगा। जिस तरह पूरे देश में नकल माफिया का जाल फैल चुका है और वे सख्त से सख्त पहरे में भी सेंधमारी करने में माहिर हो चुके हैं, उससे पार पाने में एनटीए को एक कारगर तंत्र मान जा रहा था। मगर वह भी विफल हो चुका है। इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं के पर्चे फोड़ने में सबसे अधिक कोचिंग संस्थानों का हाथ देखा गया है। राज्य सेवा आयोग की परीक्षाओं तक में वे सेंध लगाते पाए गए हैं। उन पर नकेल कसने का अभी तक कोई पुख्ता तंत्र नहीं बन पाया है। परीक्षाओं में धांधली होनहार विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ और व्यवस्था में औसत तथा अयोग्य लोगों की फौज जमा करते जाने की कोशिश है। बिना दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना मुश्किल है।

आज का कार्टून

यूपी भाजपा को जाटलैंड बनाने की कोशिश पड़ी भारी

केंद्र में दो बार भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनवाने वाला उत्तर प्रदेश 2024 के लोकसभा चुनावों में नरेंद्र मोदी के लिये सबसे बड़ा झटका साबित हुआ है। खुद नरेंद्र मोदी की बनारस सीट पर जीत का अंतर बहुत कम हो गया। तीन बार गुजरात के मुख्यमंत्री और दो बार प्रधानमंत्री बनने तक नरेंद्र मोदी बहुमत की सरकार चलाते आये हैं। पहली बार मोदी के गले में गठबंधन सरकार की हड्डी अटकी है। सवाल उठ रहे हैं कि भाजपा के लिये सबसे ज्यादा उम्मीदों वाले उत्तर प्रदेश का नतीजा इतना हतप्रभ करने वाला कैसे हो गया दरअसल, इस हार के कारण तो कई हैं, जो लंबे अर्से से मौजूद थे, लेकिन जीत के जश्न में नजर नहीं आ रहे थे। हार के बाद अब सारे रोग सतह पर आने शुरू हो चुके हैं, जिसमें भीतरघात से लेकर नेताओं का अहंकार और कार्यकर्ताओं की उपेक्षा भी शामिल है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की हार का सबसे बड़ा कारण प्रदेश संगठन का निरंकुश हो जाना रहा है। जब तक पार्टी सत्ता से बाहर रही, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यकर्ताओं में समन्वयक बना रहा। प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए डा. लक्ष्मीकांत वाजपेयी अपने कार्यकर्ताओं के लिये एक फोन पर उपलब्ध थे, लेकिन सत्ता के बाद वाले अध्यक्षों की उपलब्धता अपने कार्यकर्ताओं के लिये बेहद सीमित हो गई। पार्टी में पराक्रम की जगह परिक्रमा वाले नेताओं की पूछ बढ़ गई। बाहर से आने वाले कैडर नेताओं पर भारी पड़े। भाजपा कार्यकर्ताओं का वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी से मिलना तो और मुश्किल हो गया। पूरे प्रदेश को संभालने के लिये अध्यक्ष बनाये गये भूपेंद्र चौधरी केवल पश्चिमी यूपी और जाटों के अध्यक्ष बनकर रह गये, जो चुनाव में भाजपा को भारी पड़ गया।

अनिल सिंह

आखिर मोदी-योगी फैक्टर और अमित शाह की चुनावी रणनीति के बावजूद भूपेंद्र चौधरी वैसा रिजल्ट क्यों नहीं दे पाये, जैसा केंद्रीय नेतृत्व को अपेक्षित था भाजपा को जाटलैंड में ही सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। वह भी तब, जब जाटों के सबसे बड़े नेता रहे चौधरी चरण सिंह को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करके उनके पोते जयंत चौधरी की पार्टी राष्ट्रीय लोक दल से गठबंधन किया गया था।

पहले चरण से खराब हुआ माहौल आखिरी चरण तक जारी रहा। दरअसल, भाजपा ने भूपेंद्र चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर जाट के साथ पिछड़ों को भी साधने की रणनीति तैयार की थी, लेकिन भूपेंद्र चौधरी शीर्ष नेतृत्व की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। उन्होंने प्रदेश भर के भाजपा कार्यकर्ताओं का अध्यक्ष बनने के बजाय अपनी पूरी ऊर्जा पश्चिमी यूपी के बड़े जाट नेता बनने में खपा दी, जिसमें संजीव बालियान की महत्वाकांक्षा का भी बड़ा रोल रहा। भाजपा ने भी अपनी रणनीति का फोकस हिंदुत्व के बजाय जातीय समीकरण पर कर दिया, जिसने हिंदू वोटरों को जातियों में बांट दिया।

केंद्रीय नेतृत्व को जब इस बात का एहसास हुआ कि भूपेंद्र चौधरी को अध्यक्ष बनाने के बावजूद जाट भाजपा के साथ नहीं है, तब तक देर हो चुकी थी। भाजपा ने अपनी गलती दुरुस्त करने के लिये जयंत चौधरी को भी साथ जोड़ा, लेकिन यह गठबंधन भी फलदायी साबित नहीं हुआ। इस चुनाव से जाटलैंड का नैरेटिव भी ध्वस्त हो गया। पश्चिमी यूपी में जाटों के अलावा सैनी, गुर्जर, क्षत्रिय, दलित, ब्राह्मण, त्यागी भी हैं, जो रिजल्ट प्रभावित करते हैं, लेकिन लगातार जाटों को महत्व देने से अन्य जातियां भाजपा से छिटक गईं। बीते विधानसभा चुनाव में कई सांसदों ने विभिन्न कारणों से अपने क्षेत्र के कई विधायकों को जानबूझकर हराने की साजिश रची। प्रदेश संगठन को इसकी जानकारी थी, लेकिन इस मामले में कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं हुई, जिसका नतीजा लोकसभा चुनाव में भी दिखा।

इस बार कई विधायक अपने सांसदों को हराने को तैयार बैठे थे, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष ने स्वयं इस मामले को सुलझाने के बजाय सब कुछ केंद्रीय नेतृत्व के जिम्मे छोड़ दिया। समय रहते ऐसे मामलों को सुलझा लिया गया होता या केंद्रीय नेतृत्व को इसकी सही जानकारी दी गई होती तो नतीजा बेहतर हो सकता था। दूसरे, कई सांसदों के खिलाफ जनता में बेहद नाराजगी थी, लेकिन प्रत्याशी चयन करते समय इसका ध्यान नहीं रखा गया। कम से कम दो दर्जन सीटों पर जनता उम्मीद कर रही थी कि भाजपा प्रत्याशी बदल देगी, लेकिन हुआ इसका ठीक उल्टा। उन्हीं प्रत्याशियों को रिपीट कर दिया गया। राज्य स्तर पर हुए कई सर्वे में इस बात का खुलासा हुआ था कि कई मौजूदा सांसद हार जायेंगे, लेकिन प्रदेश ईकाई ने इसकी रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को नहीं दी।

बीते दो लोकसभा चुनावों में रणनीतिक बिसात बिछाने वाले अमित शाह को भी प्रदेश नेतृत्व ने प्रत्याशियों की छवि को लेकर अंधेरे में रखा। मुजफ्फरनगर सांसद संजीव बालियान, कैराना से प्रदीप चौधरी, एटा से राजवीर सिंह, बुलंदशहर से भोला सिंह, अलीगढ़ से सतीश गौतम, इटावा से डा. राम शंकर कठेरिया, कौशांबी से विनोद सोनकर, प्रतापगढ़ से संगमलाल गुप्ता, मोहनलालगंज से कौशल किशोर, मछलीशहर से बीपी सरोज, चंदौली से डा. महेंद्रनाथ पांडेय, बस्ती से हरीश द्विवेदी, लालगंज से नीलम सोनकर, फैजाबाद से लल्लू सिंह, अमेठी से स्मृति ईरानी, कन्नौज से सुब्रत पाठक जैसे सांसदों से मतदाता नाराज था, लेकिन शीर्ष नेतृत्व को इस बात की रिपोर्ट नहीं दी गई। गलत प्रत्याशी चयन के बाद चुनाव प्रचार के दौरान ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हटाने का नैरेटिव बनाया जाने लगा। यह संदेश नीचे तक गया कि चुनाव में बड़ी जीत मिलते ही योगी आदित्यनाथ को हटा दिया जायेगा। इस अफवाह का किसी बड़े नेता ने एक बार भी खंडन नहीं किया। इसने कार्यकर्ताओं का मनोबल तोड़कर पार्टी का सबसे बड़ा नुकसान किया। कई राष्ट्रीय पदाधिकारी पूरी ऊर्जा के साथ यह संदेश अपने लोगों तक पहुंचाने में जुटे रहे कि पर्याप्त सीटें आते ही योगी को हटा दिया जायेगा, जिसने फायरबैक कर दिया। इसमें एक राष्ट्रीय महामंत्री तो योगी आदित्यनाथ के रहमोकरम पर ही पहली बार विधायक बने थे।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने लखनऊ में अखिलेश यादव के साथ प्रेस कांफ्रेंस करते हुए आरोप लगाया कि मोदी यह चुनाव अमित शाह को पीएम बनाने के लिये लड़ रहे हैं, और मोदी सरकार फिर से बनते ही योगी आदित्यनाथ को सीएम की कुर्सी से हटा दिया जायेगा। अमित शाह के पीएम बनने के आरोप का तो भाजपा ने जमकर खंडन किया, लेकिन योगी वाले मामले पर चुप्पी साध ली गई। इससे अफवाह को और अधिक बल मिला। कोर हिंदू जातियां निष्क्रिय हो गईं। सातवें चरण से पहले जेपी नड्डा ने एक इंटरव्यू में इसे अफवाह बताया तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

90 दशक के बाद पहली बार भाजपा का कोर वोटर भी उससे दूर छिटका है। कुर्मी, कुशवाहा, मौर्य, ब्राह्मण जैसी जातियां तो अतीत में सपा और बसपा के साथ साझीदार रही हैं, लेकिन लोध, सैनी, क्षत्रिय, पासी, वाल्मिकी भाजपा का कोर वोटर रहा है। इस बार भाजपा के कोर वोटर का बड़ा हिस्सा भी उससे दूर हो गया। लोधी वोटर कल्याण सिंह के भाजपा से अलग होने के बावजूद बड़ी संख्या में भाजपा से जुड़ा रहा, लेकिन इस बार उसका ठीक ठाक हिस्सा इंडी गठबंधन को गया। सबसे बड़ी बात यह रही कि अनुप्रिया पटेल, ओम प्रकाश राजभर एवं संजय निषाद के भाजपा गठबंधन का हिस्सा होने के बावजूद इन जातियों का वोट भाजपा से ज्यादा सपा-कांग्रेस गठबंधन को गया। भाजपा में भी स्वतंत्रदेव सिंह जैसा कुर्मी नेता तथा अनुप्रिया पटेल से गठबंधन के बावजूद कुर्मी वोटर भाजपा को छोड़कर अपनी जाति के प्रत्याशियों की ओर गया।

पूर्वांचल की कई सीटों पर प्रभाव होने का दावा करने वाले ओम प्रकाश राजभर की वापसी भी भाजपा के लिये मुफीद साबित नहीं हुई। सुभासपा से गठबंधन भाजपा के लिये बोझ साबित हुआ। घोसी से राजभर के पुत्र अरविंद राजभर चुनाव हार गये। यही हाल संजय निषाद का भी रहा। उनके पुत्र को भी निषाद बाहुल्य सीट पर हार का सामना करना पड़ा। मतदाताओं को भाजपा का अहंकार कि जिसे चाहेंगे, जिता देंगे, जिससे चाहेंगे गठबंधन करेंगे, रास नहीं आया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य अपनी जाति का वोट भाजपा को नहीं दिलवा पाये। कौशांबी, जौनपुर, चंदौली, गाजीपुर जैसी सीटों पर प्रभावी कोयरी-कुशवाहा वोट भी सपा-कांग्रेस को चला गया। खुद बनारस सीट पर कुर्मी और कोयरी वोट नरेंद्र मोदी के बजाय अजय राय को मिले, जिसने जीत के अंतर को घटा दिया। रही सही कसर भाजपा नेताओं के संविधान बदल देने के बड़बोलेपन से पूरी हो गई। फैजाबाद सांसद लल्लू सिंह समेत कई भाजपा नेताओं ने चार सौ सीट आने पर संविधान बदलने की बात कही, जिससे दलित मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा डर के मुफीद साबित नहीं हुई। सुभासपा से गठबंधन भाजपा के लिये बोझ साबित हुआ। घोसी से राजभर के पुत्र अरविंद राजभर चुनाव हार गये। यही हाल संजय निषाद का भी रहा। उनके पुत्र को भी निषाद बाहुल्य सीट पर हार का सामना करना पड़ा। मतदाताओं को भाजपा का अहंकार कि जिसे चाहेंगे, जिता देंगे, जिससे चाहेंगे गठबंधन करेंगे, रास नहीं आया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य अपनी जाति का वोट भाजपा को नहीं दिलवा पाये। कौशांबी, जौनपुर, चंदौली, गाजीपुर जैसी सीटों पर प्रभावी कोयरी-कुशवाहा वोट भी सपा-कांग्रेस को चला गया। खुद बनारस सीट पर कुर्मी और कोयरी वोट नरेंद्र मोदी के बजाय अजय राय को मिले, जिसने जीत के अंतर को घटा दिया। रही सही कसर भाजपा नेताओं के संविधान बदल देने के बड़बोलेपन से पूरी हो गई। फैजाबाद सांसद लल्लू सिंह समेत कई भाजपा नेताओं ने चार सौ सीट आने पर संविधान बदलने की बात कही, जिससे दलित मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा डर के चलते इंडी गठबंधन की ओर चला गया। सीएसडीएस के आंकड़ों को देखें तो 92 फीसदी मुसलमान एवं 82 फीसदी यादव वोटर गठबंधन के साथ रहे। 56 फीसदी गैर-जाटव दलित तो सपा-कांग्रेस के साथ गये ही, 25 फीसदी जाटव मतदाताओं ने भी इंडिया गठबंधन को वोट किया। वो भी केवल इसलिये कि उसे संविधान बदले जाने का खतरा महसूस हो रहा था। भाजपा का मीडिया सेल संविधान बदले जाने के नरेटिव का तोड़ नहीं ढूंढ पाया, जिसका भाजपा को भारी नुकसान हुआ। 2019 के आंकड़ों को देखें तो उस चुनाव में भाजपा को गैर जाटव दलितों का 48 फीसदी वोट मिला, जो इस चुनाव में सिमटकर 29 फीसदी पर पहुंच गया। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा को 41 फीसदी गैर-जाटव वोट तथा 21 फीसदी जाटव वोट मिले थे। भाजपा के लिये अब भी समय है कि जातीय रणनीति तैयार करने के बजाय अपने हिंदुत्व के एजेंडे पर लौट आये। भाजपा ने सपा की तरह जातीय राजनीति पर फोकस किया तो उसे भविष्य में इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है, क्योंकि भाजपा कैडर की पार्टी है, किसी एक परिवार की नहीं। भाजपा को यह भी ध्यान रखना होगा कि नई जातियों को महत्व देने के प्रयास में वह अपने कोर वोटरों से हाथ ना धो बैठे।

चंद्रबाबू नायडू एक दूरदर्शी, प्रौद्योगिकी के समर्थक और शोमैन

अपने चौथे कार्यकाल में उन्हें आंध्र प्रदेश के महत्व को वापस लाने का अवसर नहीं छोड़ना चाहिए। मुख्यमंत्री के रूप में, नायडू की सर्वोच्च प्राथमिकता आंध्र प्रदेश के लिए अतिरिक्त धन जुटाना है जो राज्य के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। 'राज्य के हित हमारी इक्षवता का विषय हैं। हम नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल की संरचना पर बातचीत नहीं कर रहे हैं।' यह मोदी मंत्रिमंडल में तेदेपा को केवल एक कैबिनेट मंत्री और एक राज्य मंत्री मिलने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब था। फिर भी उन्हें अगले विस्तार के दौरान अधिक पद मिलने की उम्मीद है। दूसरा महत्वपूर्ण कार्य आंध्र प्रदेश राज्य की राजधानी अमरावती के निर्माण के अपने ड्रीम प्रोजेक्ट को पूरा करना है।

कल्याणी शंकर

नारा चंद्रबाबू नायडू 12 जून को चौथी बार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने हैं। 2 दशक से अधिक समय तक राज्य और राष्ट्रीय राजनीति में हाशिए पर रहने के बाद बाबू बेहद खुश हैं, क्योंकि वर्तमान में सारा ध्यान उन्हीं पर है। राजनीति में कभी भी किसी राजनेता को खारिज नहीं करना एक सरल सबक है। मुख्यमंत्री के रूप में बाबू की वापसी और उनकी तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) का उदय, जो वर्तमान एन.डी.ए. सरकार में दूसरा सबसे बड़ा समूह है, सत्ता की गतिशीलता में बदलाव का संकेत है। यह एक शानदार अवसर था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एन.डी.ए. के मुख्यमंत्रियों सहित भाजपा के शीर्ष नेता 74 वर्षीय राजनेता चंद्रबाबू नायडू को शपथ लेते हुए देख रहे थे। यह घटना नायडू और उनकी पार्टी तेदेपा और भारतीय राजनीति के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका आंध्र प्रदेश पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। एक साल पहले, बाबू के पूर्ववर्ती जगन मोहन रेड्डी की वापसी की उम्मीद थी। वह विभाजित विपक्ष के साथ सहज लग रहे थे। पवन कल्याण तेदेपा के साथ गठबंधन नहीं कर रहे थे और भाजपा तेदेपा को एन.डी.ए. गठबंधन में फिर से शामिल करने के बारे में टालमटोल कर रही थी। बाबू पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे

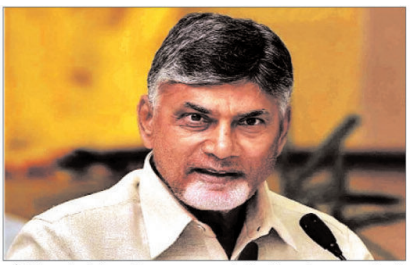

और तेदेपा कार्यकर्ताओं का मनोबल टूट गया। हालांकि रैड्डी ने बाबू की गिरफ्तारी को ठीक से नहीं संभाला। सत्ता विरोधी लहर के अलावा, पवन कल्याण की जनसेना, भाजपा और तेदेपा के जातीय गठबंधन ने काम किया। जगन द्वारा बुनियादी ढांचे और कृषि की उपेक्षा ने लोगों को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया। नायडू की राजनीतिक यात्रा 1978 में एक जूनियर मंत्री के रूप में शुरू हुई। इसमें कई उतार-चढ़ाव आए लेकिन नायडू ने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने घोषणा की कि 2024 की लड़ाई उनका अंतिम चुनाव होगा, लेकिन वे पिछले कुछ वर्षों से अपने बेटे लोकेश को अपना उत्तराधिकारी बनाने की तैयारी कर रहे हैं। शुरू में, बाबू अपने ससुर और तेलुगु देशम प्रमुख एन.टी. रामाराव की छाया में रहे लेकिन जल्द ही उन्होंने खुद को अपरिहार्य बना लिया।

उन्होंने राष्ट्रीय मोर्चा और संयुक्त मोर्चा सरकारों के दौरान राष्ट्रीय राजनीति को अंदर और बाहर से देखा जिससे उन्हें बहुमूल्य अनुभव और अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई। उनकी पार्टी वी.पी.सिंह, देवेगौड़ा, आई.के. गुजराल और वाजपेयी सरकार का हिस्सा थी और बाबू तब किंगमेकर की भूमिका में थे। हालांकि वे सरकार बनने के बाद से ही सरकार में आते-जाते रहे हैं लेकिन मोदी सरकार में उनकी पार्टी की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। एन.डी.ए. गठबंधन में तेदेपा दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में बिल गेट्स जैसे टैक दिग्गजों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। वह हैदराबाद में निवेश के अवसर लाए और इसे साइबराबाद में बदल दिया। विश्व बैंक जैसी एजेंसियों से बुनियादी ढांचे के लिए धन प्राप्त किया और हैदराबाद का समग्र विकास किया। हालांकि उन्होंने राज्य के अन्य हिस्सों के विकास पर ध्यान केंद्रित नहीं किया।

अपने चौथे कार्यकाल में उन्हें आंध्र प्रदेश के महत्व को वापस लाने का अवसर नहीं छोड़ना चाहिए। मुख्यमंत्री के रूप में, नायडू की सर्वोच्च प्राथमिकता आंध्र प्रदेश के लिए अतिरिक्त धन जुटाना है जो राज्य के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। 'राज्य के हित हमारी इक्षवता का विषय हैं। हम नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल की संरचना पर बातचीत नहीं कर रहे हैं।' यह मोदी मंत्रिमंडल में तेदेपा को केवल एक कैबिनेट मंत्री और एक राज्य मंत्री मिलने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब था। फिर भी उन्हें अगले विस्तार के दौरान अधिक पद मिलने की उम्मीद है। दूसरा महत्वपूर्ण कार्य आंध्र प्रदेश राज्य की राजधानी अमरावती के निर्माण के अपने ड्रीम प्रोजेक्ट को पूरा करना है। उनके पूर्ववर्ती जगन मोहन रेड्डी ने अपने 2 कार्यकालों के दौरान इस महत्वाकांक्षी परियोजना को निलंबित कर दिया था। अब जब बाबू वापस प्रभारी बन गए हैं, तो उनका लक्ष्य अमरावती को पूरा करना है। उन्हें अपनी 6 कल्याणकारी योजनाओं के लिए भी धन जुटाना होगा। तीसरा, राज्य लगभग 14 लाख करोड़ रुपए के कुल कर्ज के साथ एक गंभीर वित्तीय संकट में है जिसमें विभिन्न स्रोतों से उधार लिए गए 12 लाख करोड़ और 1.5 लाख करोड़ रुपए के लंबित बिल शामिल हैं। अपने 4 दशक के राजनीतिक करियर के दौरान, नायडू ने खुद को एक जीवित व्यक्ति साबित किया है। वे अपने पहले और दूसरे कार्यकाल में अपने समय से बहुत आगे थे। वे दूरदर्शी, प्रौद्योगिकी समर्थक और शोमैन थे। अब उन्हें अपने घोषणापत्र के वायदों को पूरा करने के लिए संसाधन खोजने होंगे। माहौल बहुत बढ़िया है क्योंकि नायडू को किंगमेकर की भूमिका में देखा जा सकता है। विधानसभा में उनके पास कोई विपक्ष नहीं है, वाई.एस.आर.सी.पी. सिर्फ 11 सीटों पर सिमट गई है। भाजपा मुसलमानों के लिए आरक्षण के वायदे से जुड़े एक नाजुक मुद्दे से निपट रही है। तेदेपा को इस मामले को सावधानी से संभालने के बारे में सोचना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

टी-वर्ल्ड कप 24

फ्लेमिंग बोले- सुपर 8 में भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं कुलदीप

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग का मानना है कि टी20 विश्व कप के सुपर 8 के चरण में वेस्टइंडीज की पिचों से टर्न मिलने की संभावना है और ऐसे में विकेट लेने की अपनी क्षमता के कारण बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। भारत अभी तक टूर्नामेंट में तीन तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह तथा दो स्पिनरों रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल के साथ मैदान में उतरा है। फ्लेमिंग ने कहा, 'अगर विकेटों से टर्न मिलता है जैसा कि टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ उम्मीद की जा रही है, तो फिर कुलदीप इसमें विकेट लेने की अतिरिक्त क्षमता जोड़ सकते हैं।% उन्होंने कहा, 'उनके पास अभी दोनों तरह के संयोजन आजमाने का मौका है जो कि अच्छा है लेकिन खेल में आप लकीर का फकीर बनकर नहीं रह सकते जिससे कि आप परिस्थितियों का फायदा उठाने से चूक जाओ। भारत को सुपर 8 में अपना पहला मैच गुरुवार को बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ खेलना है। भारत अभी तक बाएं हाथ के दो स्पिनर के साथ उतरा है। इनमें अक्षर को सफलता मिली लेकिन जडेजा तीन मैच में केवल तीन ओवर ही कर पाए। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लंबे समय से कोच रहे फ्लेमिंग को एक ही विधा के दो खिलाड़ियों को टीम में रखने में कोई आपत्ति नहीं है।

पाकिस्तान में अपना समय बर्बाद मत करो- हरभजन ने गैरी कर्स्टन को दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने सोमवार को गैरी कर्स्टन को सलाह दी कि वे पाकिस्तान में अपना समय बर्बाद नहीं करें क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व क्रिकेटर ने दावा किया था कि बाबर आजम की अगुआई वाली टीम में एकता नहीं है। कर्स्टन ने टी20 विश्व कप में निराशाजनक अभियान के दौरान एक-दूसरे का समर्थन नहीं करने के लिए पाकिस्तानी खिलाड़ियों की आलोचना की और कहा कि उन्होंने किसी टीम में ऐसा विषाक्त माहौल कभी नहीं देखा। कर्स्टन ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में टूर्नामेंट से ठीक पहले पाकिस्तान के मुख्य कोच का कार्यभार संभाला था लेकिन वे निराश हो गए क्योंकि टीम अमेरिका और भारत से हारकर पहले दौर से बाहर हो गई।

अब शुरू हुआ न असली वर्ल्ड कप...

- बरसते रहे छक्के, रिकॉर्डतोड़ मैच, निकोलस पूरन का दिखा रौद्र रूप
- वेस्टइंडीज की 104 रन की धमाकेदार जीत
- पावरप्ले में टीम ने बनाए रिकॉर्ड 92 रन

ग्रॉस आइलेट (सेंट लूसिया) (एजेंसी)। टी-20 का मतलब होता है फटाफट क्रिकेट। छक्के-चौके की बरसात। रनों का अंबार। स्कोर अनलिमिटेड। लेकिन यूएस-वेस्टइंडीज में जारी टी-20 वर्ल्ड कप का मौजूदा सीजन फीका-फीका सा लग रहा था। ऐसी पिच पर मैच हो रहे थे, जहां रन ही नहीं बन रहे थे। 120 रन का टारगेट चेज करने में भी बल्लेबाजों के पसीने छूट जा रहे थे। लो स्कोरिंग थ्रिलर देखने को मिल रहा था, लेकिन मंगलवार की सुबह वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के बीच एक ऐसा मुकाबला हुआ, जिसने फैंस को खुश होने का मौका दे दिया। क्रिकेट लवर्स की मानें तो असली टी-20 वर्ल्ड कप तो आज से शुरू हुआ है।

निकोलस पूरन के 98 रन – दरअसल, निकोलस पूरन ने लंबे-लंबे छक्के जड़ने की अपनी काबिलियत दिखाते हुए 53 गेंद पर 98 रन ठोक दिए, जिसके चूते वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान के खिलाफ टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 218 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसी के साथ कैरेबियाई टीम ने डैरेन सैमी स्टेडियम में मौजूदा टी-20 विश्व कप का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया।

कैरेबियन पावर ने किया फायर – वैसे तो दोनों टीम पहले ही सुपर-8 में अपनी जगह पक्की कर चुकी थी और इस मैच से रूप से शीर्ष पर रहने वाली टीम का निर्धारण होना था। दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज के लिए पूरन के अलावा वेस्टइंडीज की तरफ से पूरन के अलावा ओपनर जॉनसन चार्ल्स (43), शाई होप (25) और रोवमैन पॉवेल (26) ने भी उपयोगी योगदान दिया। इसके जवाब में अफगानिस्तान की टीम 16.2 ओवर में 114 रन पर आउट हो गई। वेस्टइंडीज के लिए ओबेद मैकॉय ने 14 रन देकर तीन, अकील हुसैन ने 21 रन देकर दो और गुडाकेश मोती ने 28 रन देकर दो विकेट लिए।

रिकॉर्ड्स की बौछार – निकोलस पूरन ने छह चौके और आठ छक्के वाली अपनी पारी के दौरान अजमतुल्लाह ओमरजई के एक ओवर में तीन सिक्स और एक चौका लगाया। इस ओवर में कुल 36 रन बने, जिसमें 5 नोबॉल, 5 वाइड और चार लेगबाई भी शामिल हैं। इस तरह से यह टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे महंगे ओवरों में शामिल हो गया। वेस्टइंडीज ने पावर प्ले में एक विकेट पर 92 रन बनाए जो पुरुष टी20 विश्व कप में नया रिकॉर्ड है। पूरन रन आउट होने के कारण अपना शतक पूरा नहीं कर पाए। उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

टी20 विश्व कप सुपर 8 मैचों से पहले बोले रोहित शर्मा

थोड़ा व्यस्त कार्यक्रम लेकिन हम तैयार

ब्रिजटाउन (बारबडोस) (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि टी20 विश्व कप का सुपर आठ चरण 'थोड़ा व्यस्त' होने वाला है लेकिन उनके खिलाड़ी इसके लिए तैयार हैं क्योंकि उनमें 'कुछ खास' करने को लेकर 'वास्तविक उत्सुकता' है। भारत अपने सुपर आठ अभियान की शुरुआत 20 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा। टीम इसके बाद बांग्लादेश (22 जून को एंटीगा) और ऑस्ट्रेलिया (24 जून को सेंट लूसिया) के खिलाफ खेलेगी।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा अपलोड किए गए एक वीडियो में रोहित ने कहा, 'पहला मैच खेलने के बाद हम अगले दो मैच तीन या चार दिन के अंतराल में खेलेंगे। इस 37 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'यह थोड़ा व्यस्त होने वाला है लेकिन हम इन सभी चीजों के आदी हो चुके हैं। हम बहुत यात्रा करते हैं और बहुत खेलते हैं इसलिए यह कभी बहाना नहीं बनने वाला।

भारतीय टीम ने सोमवार को लंबे अभ्यास

सत्र में हिस्सा लिया जिसमें विराट कोहली और रोहित जैसे सीनियर खिलाड़ियों ने सामान्य से अधिक समय नेट पर बिताया। रोहित ने कहा, 'टीम में कुछ खास करने को लेकर बहुत उत्सुकता है। यह दूसरे चरण की शुरुआत करने का एक अच्छा तरीका है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि हर कोई अंतर पैदा करना चाहता है और हम अपने कौशल सत्रों को काफी गंभीरता से लेते हैं।

उन्होंने कहा, 'हर कौशल सत्र में हासिल करने के लिए कुछ होता है। आयोजकों द्वारा इस्तेमाल की गई ड्रॉप इन पिचों (दूसरे स्थान पर तैयार करके लाई गई पिच) के कारण भारतीय टीम को अमेरिकी चरण के दौरान प्रतिकूल बल्लेबाजी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। रोहित ने कहा कि कैरेबियाई चरण अपने साथ परिस्थितियों से पहचान की भावना लेकर आता है और उनकी टीम इसका अधिकतम लाभ उठाने की कोशिश करेगी।

उन्होंने कहा, 'हमने यहां बहुत सारे मैच देखे हैं, हमने यहां बहुत सारे मैच खेले हैं। इसलिए हर कोई समझता है कि परिणाम को अपने पक्ष में करने के लिए क्या करना है। भारतीय टीम ने लीग चरण में आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका को हराया जबकि कनाडा के खिलाफ उनका अंतिम रूप मैच फ्लोरिडा में गीली आउटफील्ड के कारण रद्द हो गया।

राजनीति से ब्रेक के बाद पहली बार अमित शाह से मिले गौतम गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ओर जहां भारतीय क्रिकेट टीम के कोच के लिए इंटरव्यू होना है तो दूसरी ओर भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने गृह मंत्री अमित शाह से भेंट की। गंभीर 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर पूर्वी दिल्ली से सांसद बने थे। उन्होंने अपने क्रिकेट कोचिंग करियर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सक्रिय राजनीति से ब्रेक ले लिया है। इस फैसले के बाद इस तरह की पहली मीटिंग है। इस मीटिंग के बाद कुछ बड़ा होने का कयास लगाया जा रहा है।

गंभीर ने 'एक्स' पर शाह के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'हाल की चुनावी सफलता पर बधाई देने के लिए माननीय गृह मंत्री अमित शाह जी से मुलाकात की। गृह मंत्री के रूप में उनका नेतृत्व हमारे राष्ट्र की सुरक्षा और स्थिरता को और मजबूत करेगा।' बता दें कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) चैंपियन कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के मेंटोर (मार्गदर्शन) के रूप में गौतम गंभीर की खूब तारीफ हुई है। जब से केकेआर चैंपियन बनी है तब से उन्हें टीम इंडिया का हेड कोच बनाने की मांग की जा रही है।

गंभीर टी20 विश्व कप के बाद भारत के मुख्य कोच के रूप में राहुल द्रविड़ की जगह लेने के मजबूत दावेदार हैं। द्रविड़ ने पुष्टि की है कि वह मौजूदा टी20 विश्व कप के बाद भारतीय टीम के कोच का पद छोड़ देंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने संभावित नई नियुक्ति पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, वह चाहते हैं कि कोई देसी कोच ही बने, जो टीम इंडिया के माहौल और प्लेयर्स से परिचित हो। यह पता चला है कि अशोक मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने अभी तक किसी भी इच्छुक उम्मीदवार का साक्षात्कार नहीं लिया है। बीसीसीआई से जुड़े लोगों का मानना है कि गंभीर की नियुक्ति महज एक औपचारिकता है क्योंकि दिल्ली के इस खिलाड़ी को टक्कर देने के लिए कोई उपयुक्त भारतीय उम्मीदवार मौजूद नहीं है। गंभीर की देख-रेख में जब केकेआर आईपीएल चैंपियन बना, तो उन्हें भारतीय टीम का कोच बनाने की मांग और बढ़ गई। गंभीर ने हाल ही में दुबई में एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय टीम का कोच बनने की इच्छा जताई थी।

विंबलडन चैंपियन वोंद्रोसोवा ने जीत के साथ की ग्रास कोर्ट सत्र की शुरुआत

बर्लिन (एजेंसी)। विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा ने अपने ग्रास कोर्ट सत्र की शुरुआत बर्लिन लेडीज ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में क्वालीफायर रेबेका मसारोवा के खिलाफ सीधे सेट में जीत के साथ की। पांचवीं वरीय वोंद्रोसोवा ने रेबेका को 6-4, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वोंद्रोसोवा ने तीन बार रेबेका की सर्विस तोड़ी और फोरहैंड विनर लगाकर जीत हासिल की। चेक गणराज्य की वोंद्रोसोवा ने फ्रेंच ओपन के पहले दौर में भी स्पेन की इस खिलाड़ी को हराया था। वोंद्रोसोवा दूसरे दौर में अन्ना केलिनस्काया से भिड़ेंगी। पिछले साल वोंद्रोसोवा विंबलडन खिताब जीतने वाली पहली गैरवरीय महिला खिलाड़ी बनीं थी। उन्होंने फाइनल में 2022 की उप विजेता ओन्स जेब्यूर को 6-4, 6-4 से हराया था।

आज दक्षिण अफ्रीका पर अजेय बढ़त बनाने उतरेगी भारतीय महिला टीम

बेंगलुरु (एजेंसी)। पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बनाने की कोशिश करेगी। भारत ने पहले मैच में 143 रन से जीत दर्ज की लेकिन टीम कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन को लेकर चिंतित होगी।

भारत ने पहला मैच स्मृति मंधाना के शतक और स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जीता। बल्लेबाजी में हालांकि उसकी कुछ कमजोरियां खुलकर सामने आईं। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा का वनडे में लगातार खराब प्रदर्शन है। उन्होंने वनडे में अपना आखिरी अर्धशतक 2022 में लगाया था। पिछले छह मैच में वह दोहरे अंक में भी नहीं पहुंच पाई। उन्हें टीम ने अपनी जगह बनाए रखने के लिए बड़ी पारी खेलने की जरूरत है।

कप्तान हरमनप्रीत कौर का बल्ला भी नहीं चल पा रहा है। पिछले 5 मैच में उन्होंने 14, 9, 5, 3 और 10 रन बनाए। चोट से उबर कर वापसी करने वाली शीर्ष क्रम की एक अन्य बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स भी प्रभावित करने में नाकाम रही। इन सभी को मंधाना से सीख लेने की जरूरत है जिन्होंने वनडे में छठा शतक लगाया। यह बाएं हाथ की बल्लेबाज अच्छी लय में है। उन्होंने फरवरी 2022 के बाद वनडे में सात अर्धशतक और दो शतक लगाए हैं। भारतीय टीम को उनसे एक और बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी।

गेंदबाजों में अपना पहला मैच खेल रही लेग स्पिनर आशा शोभना ने 21 रन देकर चार विकेट लिए लेकिन टीम प्रबंधन तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर की फिटनेस को लेकर चिंतित होगा जो दक्षिण अफ्रीका की पारी के दौरान 18वें ओवर में मैदान छोड़कर चली गई थी। उनके नहीं खेलने पर अरुंधति रेड्डी को टीम में लिया जा सकता है। जहां तक दक्षिण अफ्रीका का सवाल है तो अगर उसे श्रृंखला जीवंत रखती है तो उसके बल्लेबाजों को भारतीय स्पिनरों का डटकर सामना करना होगा। पिछले मैच में भारतीय स्पिनरों आशा, दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने मिलकर सात विकेट लिए थे।

टीम इस प्रकार है

भारत – हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेट कीपर), उमा छेत्री (विकेट कीपर), दयालन हेमलता, राधा यादव, आशा शोभना, श्रेयंका पाटिल, साइका इशाक, पूजा वस्त्रकार, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, प्रिया पुनिया।

दक्षिण अफ्रीका – लॉरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसेन, मिके डी रिडर, सिनालो जाफ्ता, मारिजाने काप, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, एलिज-मारी मार्ज, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुकुने, नोंडुमिसो शंगासे, डेलमी टकर।

समय- दोपहर 1.30 बजे।

टी-20 वर्ल्ड कप

वेस्टइंडीज ने बड़ी जीत के साथ लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

ग्रॉस आइलेट (एजेंसी)। निकोलस पूरन (98) रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी और उसके बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर वेस्टइंडीज ने टी-20 विश्वकप के 40वें मुकाबले में अफगानिस्तान को 104 रनों के विशाल अंतर से हरा दिया है। मैच के दौरान वेस्टइंडीज द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड्स पर नजर डाल लेते हैं-

वेस्टइंडीज के लिए सबसे ज्यादा टी20आई मैच जीतने वाले कप्तान

28 - डैरेन सैमी (जीत/हार अनुपात- 1.647)
14 - रोवमैन पॉवेल (जीत/हार अनुपात- 2)
13 - कीरोन पोलार्ड (जीत/हार अनुपात- 0.619)
11 - कार्लोस ब्रैथवेट (जीत/हार अनुपात- 0.647)
8 - निकोलस पूरन (जीत/हार अनुपात- 0.571)

टी20आई में वेस्टइंडीज के लिए सबसे लंबी जीत का सिलसिला

8* - 2024
7 - 2012-2013
5 - 2017
4 - 2015-2016

टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के लिए सबसे लंबी जीत का सिलसिला

2024 में 4*
2012 में 3 (चैंपियंस)
2014 में 3 (सेमीफाइनलिस्ट)
2016 में 3 (चैंपियंस)

टी20आई में अफगानिस्तान की बड़ी हार का रिकॉर्ड

116 रन बनाम इंग्लैंड, कोलंबो आरपीएस, 2012
104 रन बनाम वेस्टइंडीज, ग्रॉस आइलेट, 2024
101 रन बनाम भारत, दुबई, 2021
72 रन बनाम श्रीलंका, दांबुला, 2024
68 रन बनाम आयरलैंड, अबू धाबी, 2013

टी20आई में वेस्टइंडीज के लिए सबसे बड़ा जीत अंतर

134 रन बनाम युगांडा, गुयाना, 2024
104 रन बनाम अफगानिस्तान, ग्रॉस आइलेट, 2024
84 रन बनाम पाकिस्तान, मीरपुर, 2014
74 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया, कोलंबो आरपीएस, 2012
73 रन बनाम बांग्लादेश, मीरपुर, 2014

मैच की बात करें तो पहले ही सुपर 8 में अपनी जगह पक्की कर चुकी थी और इस मैच से रूप से शीर्ष पर रहने वाली टीम का निर्धारण होना था। दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज ने अपने बल्लेबाजी कौशल का अच्छा नमूना पेश किया तथा पांच विकेट पर 218 रन बनाए जिसमें पूरन ने 53 गेंद पर 98 रन का योगदान दिया। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके और आठ छक्के लगाए। अफगानिस्तान की टीम इसके जवाब में 16.2 ओवर में 114 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से इब्राहिम जादरान ने सर्वाधिक 38 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए ओबेद मैकॉय ने 14 रन देकर तीन और अकील हुसैन ने 21 रन देकर दो विकेट लिए।

सावधान !

थोड़ा चलने के बाद कहीं आप पैरों में दर्द या सूजन तो नहीं

आजकल जैसे-जैसे लोग जागरूक हो रहे हैं, टांगों में उभरने वाली नीले रंग की मकड़ीनुमा नसों को लेकर चिंता बढ़ रही है। जिस रफ्तार से हम लोग आरामतलब व विलासितापूर्ण जीवन शैली को अपना रहे हैं, उसी रफ्तार से हमारी टांगें वेरीकोस वेन्स की शिकार हो रही हैं। शुरूआती दिनों में हम लोग स्वभावत- इनकी उपेक्षा करते हैं, पर जब तकलीफ ज्यादा बढ़ जाती है, तो इधर-उधर बगैर सोचे-समझे परामर्श लेना शुरू कर देते हैं। इस तरह के अधकचरे इलाज का अन्ततः परिणाम टांगों में कालिमा या लाइलाज घाव के रूप में निकलता है।

सबसे ज्यादा इसके शिकार दुकानदार व महिलाएं होती हैं। नियमित चलने की आदत को जिसने अलविदा कहा और ज्यादा देर तक लगातार बैठने की आदत को जाने-अनजाने या मजबूरी में गले लगाया, उसकी टांगों में वेरीकोस वेन्स का देर-सवेर प्रकट होना निश्चित है।

कैसे पहचानें?

अपनी टांगों व पैर का ध्यानपूर्वक अवलोकन कीजिए। अगर आपको केंचुआनुमा या मकड़ीनुमा उभरी हुई नीले रंग की नसें टांगों की त्वचा पर दिख रही हैं या काले रंग के निशान व काले रंग के चकते या बिंदियां दिखाई पड़ रही हैं, तो आप यकीनन वेरिकोस वेन्स से ग्रसित हो चुके हैं। अगर थोड़ा चलने के बाद आपके पैरों में सूजन या थकान या हल्का दर्द महसूस होने लगे तो आप समझ जाइए कि आप वेरीकोस वेन्स के शिकार होने जा रहे हैं। अगर चलने के बाद टांगों में थोड़ी लाली व उभरी हुई नीले रंग की नसें दिखने लगें तो यकीन वेरीकोस वेन्स से आपका नाता जुड़ चुका है।

कारण

अगर आप आरामतलब व बैठे रहना पसंद करने वाले व्यक्ति हैं तो आपकी टांगें वेरीकोस वेन्स से दूर नहीं हैं। आप कुछ इस तरह समझ लें कि अगर आप गुसलखाने में स्नान करने जाएं जहां शुद्ध जल सप्लाई करने वाला पानी का नल व स्नानघर से निकलने वाली नाली दोनों सुचारू रूप से काम कर रहे हैं तो नहाने वाले को कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि नल से निकलने वाले शुद्ध पानी से आप स्नान करेंगे और गंदा पानी नाली द्वारा बाहर निकलता रहेगा। अगर कहीं नाली संकरी हो जाए या ठीक से अपना काम न करे या किसी वजह से उसमें रुकावट आ जाए, तो जाहिर है कि वह साबुन मिश्रित गंदा पानी आपके नहाने के बाद बाथरूम में इकट्ठा होता रहेगा और निकलने का दूसरा रास्ता ढूंढने लगेगा जैसे बाथरूम की दीवारों से रिसना या दरवाजे की दरार से निकलना या ऊपर तक भर जाने पर खिड़की से रिसना।

ठीक उसी तरह से बाथरूम की जगह आप अपनी टांग को समझ लीजिए, जिसमें धमनियां यानी पैरों की आर्टरी से शुद्ध रक्त निरंतर प्रवाहित हो रहा है, जिसकी वजह से चलने के लिए जरूरी आक्सीजन की हमेशा आवश्यकता रहती है, टांगों की मांसपेशियों को आक्सीजन सप्लाई करने के बाद, रक्त आक्सीजन रहित व गंदा हो जाता है। यह रक्त अब तभी लाभदायक और फिर से इस्तेमाल यानी पैरों को दोबारा से सप्लाई करने लायक बनेगा जब पुनः इसमें आक्सीजन डाली जाए। इसके लिए यह जरूरी है कि पैर में इकट्ठा हुआ यह गंदा रक्त ऊपर चढ़ कर दिल के जरिए फेफड़े तक पहुंचे। फेफड़े में फिर से आक्सीजन प्राप्त करके दोबारा फिर सर्कुलेशन में आए और आर्टरी के जरिए फिर से पैरों को शुद्ध रक्त पहुंचे।

अगर किसी भी कारण से अशुद्ध रक्त ऊपर नहीं चढ़ेगा तो उसके पैर व टांगों में इकट्ठा होने की क्रिया बढ़ती जाएगी और टांगों में सामान्यत सोई हुई वेन्स गंदे रक्त से भरने लगेंगी और फूलने के कारण खाल के नीचे उभरी हुई मकड़ी के जाले की तरह दिखने लगेंगी। यहीं से वेरीकोस वेन्स की शुरूआत हो जाती है।

इलाज

अगर आपको लगता है आपकी टांगों में वेरीकोस वेन्स की शुरूआत हो चुकी है तो हाथ पर हाथ धर कर मत बैठिए, तुरंत किसी वैस्क्युलर सर्जन से परामर्श लें।

वेरीकोस वेन्स की शुरूआत होने पर, तुरंत सर्जरी या लेजर की जरूरत नहीं पड़ती बल्कि अपनी आरामपसंद दिनचर्या में फेरबदल करना पड़ता है। रोज सुबह व शाम को एक-एक घंटे यानी कुल दो घंटे पार्क में टहलना पड़ता है। पैरों को कुर्सी से एक घंटे से ज्यादा लटका कर नहीं बैठना होता है और न ही एक घंटे से ज्यादा लगातार खड़े रहना होता है। अपने बढ़े हुए वजन को घटाना पड़ता है। दिन में चलते वक्त एक विशेष किस्म की जुराबों को टांगों पर पहनना पड़ता है। इसके साथ-साथ हर दो महीने में वैस्क्युलर सर्जन से परामर्श करते रहना पड़ता है।

अगर वेरीकोस वेन्स पूरी तरह से विकसित हो जाती हैं या पैरों पर काले निशान व चकते उभर आते हैं या सूजन व लाली बनी रहती है या फिर घाव उभरने लगे हों, तो ऐसी परिस्थितियों में सर्जरी या लेजर या आर.एफ.ए. तकनीक का सहारा लेना पड़ता है। इसके लिए किसी ऐसे अस्पताल में जाएं जहां वैस्क्युलर सर्जरी का महकमा हो और इन सब इलाजों की सुविधा हो।

सर्जरी व लेजर तकनीक में अंतर

दोनों का उद्देश्य एक ही है। वेरीकोस वेन्स से टांगों को छुटकारा दिलाना यानी किसी से पीछा छुड़ाने के दो रास्ते हैं या तो उसको अपने इलाके से बाहर निकलवा दो या फिर उसको अपने इलाके में ही खत्म कर दो। ठीक उसी तरह से वेरीकोस वेन्स को टांग से बाहर निकालने का काम सर्जरी का है और टांग के अंदर ही अंदर खत्म कर देने का काम लेजर तकनीक का है इसलिए वेरीकोस वेन्स के इलाज के रास्ते अलग-अलग हैं पर मंजिल एक ही है। दोनों तकनीकों के अपने-अपने फायदे हैं।

लेजर से इलाज के फायदे

इस तकनीक में मरीज को बेहोश नहीं करना पड़ता और चमड़ी में कट भी नहीं लगाने पड़ते इसलिए टांके लगवाने और कटवाने की जरूरत नहीं पड़ती। अस्पताल में ज्यादा दिन तक रुकना नहीं पड़ता। एक दिन में ही मरीज घर जा सकता है। न ब्लीडिंग, न ड्रैसिंग का चक्कर। अगले दिन से ही मरीज अपने काम पर लौट सकता है। फिलहाल मरीज के लिहाज से व उपचार के लिहाज से भी यह तकनीक अत्यंत सुगम व लाभदायक है। इसके अलावा आर.एफ.पी. नामक एक नई उपचार विधि विकसित हुई है जो लेजर तकनीक की तुलना में अधिक लाभदायक है।

गुणों की खान अनार रखे बीमारियों को दूर

अनार अपने आप में गुणों की भरपूर खान है। अनार एक ऐसा फल है जिसके नियमित सेवन से हमें अच्छा स्वास्थ्य मिलता है। अनार खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पाचक और हमारे शरीर में रक्त वृद्धि करने वाला भी होता है। इस फल के दाने लाल मोती के जैसे चमकते हैं। अनार के नियमित सेवन करने से बीमार पड़ने की संभावना कम हो जाती है और इसके चूर्ण से बीमारियां कोसों दूर भागती हैं।

अनार के सेवन से इन बीमारियों से निजात मिलती है-

अतिसार- अनार के रस के साथ सौंफ, धनिया और जीरा इनको बराबर मात्रा में पीस कर इनका चूर्ण बनाकर सेवन करें। अथवा अनार के रस में पका हुआ केला मथकर इसका सेवन करें।

शरीर में खून की कमी- एनीमिया शीघ्र दूर करने के लिए अनार का रस और मूली का रस समान मात्रा में मिलाकर पीएं।

कब्ज - अनार के पत्तों को उबाल कर उसका काढ़ा पीने से कब्ज से पीछा छुड़ाया जा सकता है। अजवायन का चूर्ण फाँक कर फिर अनार का रस पीएं। तो कब्ज से मुक्ति मिलेगी।

एसीडिटी (अम्ल पित्त)- अनार रस और मूली का रस समान मात्रा में लेकर उसमें अजवायन, सैंधा नमक चुटकी भर मिलाकर सेवन करने से अम्ल पित्त बीमारी से छुटकारा पाया जा सकता है।

प्लीहा और यकृत की कमजोरी तथा पेटदर्द अनार खाने से ठीक हो जाते हैं। इसका शर्बत एसिडिटी को दूर करता है।

दस्त तथा पेचिश- 15 ग्राम अनार के सूखे छिलके और दो लौंग लें। दोनों को एक गिलास पानी में उबालें। फिर पानी आधा रह जाए तो दिन में तीन बार लें। इससे दस्त तथा पेचिश में आराम होता है।

दमा/खांसी- जवाखार आधा तौला, कालीमिर्च एक तौला, पीपल दो तौला, अनारदाना चार तौला, इन सबका चूर्ण बना लें। फिर आठ तौला गुड़ में मिलाकर चटनी बना लें। चार-चार रत्ती की गोलियां बना लें। गरम पानी से सुबह, दोपहर, शाम एक-एक गोली लें। इस प्रयोग से दु:साध्य खांसी मिट जाती है, दमा रोग में राहत मिलती है। बच्चों की खांसी, अनार के छिलकों का चूर्ण आधा-आधा छोटा चम्मच शहद के साथ सुबह-शाम चटाने से मिट जाती है।

चाय के हैं कई फायदें

चाय को सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता है। लेकिन चाय स्वास्थ्यवर्धक भी होती है। शायद आप नहीं जानते होंगे कि चाय थकावट तो दूर करती है और ये खूबसूरती के लिए बहुत लाभदायक है। इसमें प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जोकि सेहत के लिए अच्छे होते हैं।

- ठंडी ग्रीन टी आपकी स्कीन के लिए मॉइस्चराइजर का काम करती है इसलिए अगर आपकी स्कीन रूखी या बेजान रहती है तो अपने चेहरे पर छिड़कें। इससे आपको अपना चेहरा साफ लगने लगेगा।
- अगर आपकी आंखे सूज जाती हैं या आखों के नीचे डार्क सर्कल पड़ गए हैं तो अपनी आंखो के नीचे टी बैग रखें। इससे आपकी आखों को राहत मिलेगी क्योंकि चाय में कैफीन होता है, जो आपके ब्लड वेसल को सिकुड़ने में मदद करता है।
- अगर आपके बाल झड़ते हैं तो ग्रीन टीन को ठंडा करने के बाद अपने बालों पर रखें और 10 मिनट बाद बालों को शैंपू और कंडीनशर से धोएं। इससे आपको बालों की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा।
- ग्रीन टी का सेवन करने से कुछ समय तक वजन ज्यादा नहीं बढ़ता।
- अगर आपके पैरों से बदबू आती है तो आप उबली हुई ब्लैक टी के मिश्रण में अपने पैर डुबाएं। ये एंटी बैक्टीरियल होती है, जो आपके पैरों में आ रहे पसीने को रोकती है। इससे पैरों में बदबू नहीं आती है।

मोटापे के कारण हर साल 5 लाख लोगों को होता है कैंसर

मोटापा यूं तो अपने आप में ही एक बीमारी है लेकिन यह जानकर सबको आश्चर्य होगा कि विश्वभर में प्रति वर्ष करीब 5 लाख लोगों को मोटापे के कारण ही कैंसर होता है। हाल ही में शोधकर्ताओं ने मोटापे और कैंसर के बीच संबंध का पता लगाया है। शोध के अनुसार विकसित देशों में वर्ष 2012 में कैंसर के कुल मामलों में से एक चौथाई मामले की मुख्य वजह मोटापा था।

अपने शोध के लिए डा. अर्नाल्ड ने 2012 में 184 देशों में कैंसर और उससे होने वाली मौत के आंकड़ों को इकट्ठा कर एक मॉडल तैयार किया। उनके मुताबिक बढ़ा हुआ बॉडी मास इंडैक्स कैंसर के लिए उत्तरदायी है।

हड्डियों के लिए खतरे की घंटी है ऐसा आहार

वाशिंगटन स्थित कृषि शोध सेवा (ए.आर.एस.) के नए अध्ययन के आधार पर यह बात सामने आई है कि सामान्य से कई गुना ज्यादा पौष्टिक आहार वाला भोजन हड्डियों के लिए खतरनाक हो सकता है।

इस अध्ययन से निकले नतीजे में शोधकर्ताओं ने पाया कि भारी प्रोटीन वाला भोजन हड्डियों के लिए लाभकारी नहीं है। न्यूट्रीशियंस जामेजाम (फारिबा) तथा जैनट हंट ने अपने सहयोगी वैज्ञानिकों के साथ तेरह स्वस्थ रजोनिवृत्त अवस्था वाली महिलाओं को अपने अध्ययन में शामिल किया था। उन महिलाओं को दो से सात सप्ताह तक दो स्तरों में तय किया गया भोजन आहार में दिया गया। इन महिलाओं को 15 प्रतिशत कैलोरी प्रोटीन ही दी गई। जो मात्रा भोजन के माध्यम से दी गई वह अमूमन एक अमेरिकी भी प्रतिदिन लेता है।

शारीरिक गतिविधियां बोन मिनरल डैंसिटी को बनाने में मदद करती हैं। बोन मिनरल डैंसिटी बुढ़ापे में हड्डियों के टूटने की संभावना को कम करती है। बचपन व किशोरावस्था में किया गया व्यायाम हड्डियों को मजबूत बनाने में बहुत सहायक सिद्ध होता है।

50 वर्ष पूरे होने के बाद प्रत्येक व्यक्ति को धूम्रपान का सेवन बंद कर देना चाहिए क्योंकि यह हड्डियों से कैल्शियम की मात्रा को कम करता है, साथ ही उन्हें व्यायाम भी करना चाहिए।

युवाओं को सिर्फ अपने मसल्स मजबूत बनाने हेतु ही व्यायाम नहीं करना चाहिए बल्कि उन्हें बोनमास को मजबूती प्रदान करने वाली एक्सरसाइज भी जरूर करनी चाहिए। इसके लिए एरोबिक व्यायाम काफी फायदेमंद है।

जो बच्चे सप्ताह में कम से कम 9 घंटे तक हॉकी व बैडमिंटन जैसे खेल खेलते हैं, उनमें बोन मिनरल डैंसिटी काफी तेजी से विकसित होती है। आगे चलकर यह कूल्हों को काफी लाभ पहुंचाती है। यही नहीं, यदि वे बड़े होकर इन गतिविधियों में भाग लेना छोड़ देते हैं, तो भी उन्हें हड्डियों संबंधी किसी समस्या के होने की बहुत कम संभावना रह जाती है।

संक्षिप्त समाचार

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के पूर्व तिब्बत प्रमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच शुरू

बीजिंग, एजेंसी। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के पूर्व तिब्बत प्रमुख वु यिंगजी के खिलाफ पार्टी अनुशासन के गंभीर उल्लंघन और भ्रष्टाचार के मामले में जांच शुरू की गई है। वह वर्तमान में राष्ट्रीय सलाहकार निकाय चीनी पीपुल्स पॉलिटिकल कंसल्टेटिव कॉन्फ्रेंस (सीपीपीसीसी) की स्थायी समिति के सदस्य हैं। वह कथित तौर पर हिरासत में है।

इस मामले में जो रही है जांच- समाचार एजेंसी पीटीआई ने सिन्हुआ समाचार एजेंसी के हवाले से बताया कि अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघन के संदेह में वू की जांच चल रही है। नए मामले के साथ ही इस साल जनवरी से जून तक जांच के दायरे में आने वाले वरिष्ठ अधिकारियों की संख्या बढ़कर 33 हो गई है। इसमें पार्टी नेतृत्व समूह के सदस्य और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र सरकार के उपाध्यक्ष वांग योंग भी शामिल हैं, जिन्हें जनवरी में जांच के दायरे में रखा गया था। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के 2012 में सत्ता संभालने के बाद से उच्च पदस्थ सैन्य अधिकारियों सहित हजारों पार्टी से संबंधित अधिकारियों को भ्रष्टाचार के जांच के दायरे में रखा है।

अमेरिका में डबल इंजन वाला सेना विमान क्रैश, सवार सभी लोगों की मौत

लॉस एजलिस , एजेंसी। अमेरिका के उत्तर-मध्य कोलोराडो में एक आवासीय क्षेत्र में सोमवार को दोहरे इंजन वाला सेना विमान दुर्घनाग्रस्त हो गया और हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई, जिससे एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने वाले दो घर (मोबाइल घर) जल

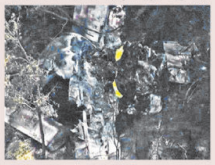

गए। संघीय विमानन प्रशासन ने कहा कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि दुर्घटनाग्रस्त सेसना 421 विमान में कितने लोग सवार थे।

इस विमान में अधिकतम सात सीट होती है। सोमवार शाम करीब साढ़े चार बजे से ठीक पहले स्टीमबोट स्प्रिंग्स हवाई अड्डे के पास यह विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पुलिस ने सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में बताया कि मोबाइल होम पार्क के सभी निवासी सुरक्षित हैं। आग ने कुछ बाहरी इमारतों को अपनी चपेट में ले लिया।

स्टीमबोट स्प्रिंग्स फायर रेस्क्यू ने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान ने कोलोराडो के लॉगमोट से उड़ान भरी थी और वह यूटा के ओडेन जा रहा था। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विमान में मशीन संबंधी कोई समस्या थी। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड दुर्घटना के कारणों की जांच करेगा।

गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजा कनाडा का टोरंटो, महिला समेत दो की हत्या

टोरंटो (कनाडा), एजेंसी। कनाडा के उत्तरी टोरंटो के एक कार्यालय में एक पुरुष और एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावर करने वाले संदिग्ध व्यक्ति की भी मौत हो गई है। गोलीबारी के कारण डे-केयर सुविधा और कैथोलिक ऑल-बॉयज एलीमेंट्री स्कूल को बंद कर दिया गया। इसके बाद माता-पिता अपने बच्चों को लेने स्कूल पहुंचे। सेंट जॉर्ज मिनी स्कूल डे-केयर के बाहर अभिभावकों ने बच्चों को सही सलामत मिलने पर गले लगा लिया।

डिटेक्टिव सार्जेंट अल बार्टलेट ने जानकारी दी है कि मृतक पुरुष और महिला वित्तीय लेनदेन के व्यवसाय से जुड़े थे। दोनों एक साथ काम भी करते थे। हमारा मानना है कि वित्तीय लेनदेन के विषय में ही झगड़ा हुआ है।

एक समय बाद पुतिन से बात करना जरूरी होगा, रूस के बड़े हमलों के आगे बेबस हुआ यूक्रेन

मास्को , एजेंसी। रूस ने सोमवार को कहा कि बिना मास्को के यूक्रेन युद्ध पर चर्चा निरर्थक साबित हुई है। स्विटजरलैंड के बर्गेनस्टाक में रविवार को समाप्त हुए दो दिवसीय सम्मेलन को क्रेमलिन ने नकारात्मक व लगभग शून्य परिणामों वाला बताया है। कहा, इस दौरान पश्चिमी शक्तियों ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की निंदा की, लेकिन वे सम्मेलन द्वारा जारी बयान पर गुटनिरपेक्ष देशों का समर्थन हासिल करने में विफल रहे।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि यूक्रेन युद्ध पर आयोजित सम्मेलन में रूस को आमंत्रित नहीं किया गया। लेकिन, अगर हम इसके प्रभाव की बात करें तो कुल मिलाकर यह लगभग शून्य रहा। नियमित प्रेसवार्ता में दिमित्री से संवाददाताओं ने पूछा कि क्या सम्मेलन में हंगरी, सर्बिया व तुर्किये द्वारा भाग लेना और जारी बयान पर हस्ताक्षर करना रूस के लिए झटका नहीं है।

इस पर पेस्कोव ने कहा कि नहीं, इन देशों के सम्मेलन में भाग लेने से संबंध खराब नहीं होंगे, हम उनसे लगातार संपर्क में रहकर अपना पक्ष रखते रहेंगे। वहीं, यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा कि निश्चित रूप से हम समझते हैं कि वह समय आएगा जब रूस से बात करना जरूरी होगा। लेकिन हमारी स्थिति स्पष्ट है, हम रूस को चेतावनी भरी भाषा का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं

देंगे, जैसा वह इस समय कर रहा है।

मालूम हो कि स्विटजरलैंड में आयोजित सम्मेलन में 90 से अधिक देशों ने भाग लिया, जिसमें से 80 ने युद्ध समाप्त करने लिए यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता बरकरार रखने की शर्त पर हस्ताक्षर किए। वहीं, भारत सहित 12 देशों ने इस शर्त से टकराव की आशंका जताते हुए हस्ताक्षर नहीं किए।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को दो दिवसीय यात्रा पर उत्तर कोरिया जाएंगे। परमाणु हथियारों से संपन्न इस देश से अपनी साझेदारी और मजबूत करने के लिए पुतिन की यह यात्रा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उत्तरी कोरिया के नेता किम जोंग उन ने पिछले वर्ष सितंबर में अपनी रूस की यात्रा के दौरान पुतिन को भी अपने देश की यात्रा के लिए आमंत्रित किया था।

पुतिन ने चार उप रक्षा मंत्रियों को किया बर्खास्त- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को चार उप रक्षा मंत्रियों को बर्खास्त कर दिया है। इनमें से एक स्थान पर अपनी रिश्तेदार अन्ना त्सिविलेवा को नियुक्त किया है। रूसी मीडिया के अनुसार, अन्ना, पुतिन के चचेरे भाई की पुत्री हैं। वहीं, जिन तीन अन्य लोगों को रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव का डिप्टी नियुक्त किया गया है उनमें लियोनिड गोरनिन, पावेल फाडकोव व ओलेग सेवेल्येव शामिल हैं। चार बर्खास्त उप रक्षा मंत्रियों में निकोलई पानकोव, रस्तैन त्सालिकोव, टैटियाना शेवस्तोवा और पावेले पोपोव शामिल हैं।

रूस का यूक्रेन के बिजली संयंत्रों पर फिर हमला

रूस ने यूक्रेन पर सोमवार को फिर हमला किया। यूक्रेन के पूर्वी-मध्य क्षेत्र पोल्टावा रीजन में किए मिसाइल हमले में नौ लोग घायल हो गए और बिजली लाइन क्षतिग्रस्त होने से 55 हजार लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर, रूस ने दावा किया है कि यूक्रेनी ड्रोन ने उसके लिपेट्स्क रीजन में नोवोलिपेट्स्क मेटालुर्जिकल प्लांट पर हमला किया है। पोल्टावा के रीजनल गवर्नर फिलिप प्रोनिन ने एक वीडियो जारी कर कहा कि प्राथमिक सूचना के अनुसार, हमले में किसी की जान नहीं गई है।

न्यूक्लियर पावर बढ़ा रहा चीन? अमेरिका से निकला 15 साल आगे

- रिपोर्ट में हुए कई चौंकाने वाले खुलासे

वाशिंगटन , एजेंसी। बदल रहा चीन बहुत से क्षेत्रों में अमेरिका को कड़ी चुनौती दे रहा है तो कुछ क्षेत्रों में उसे पीछे भी छोड़ रहा है। ताजा मामला हाई-टेक न्यूक्लियर पावर के विकास से जुड़ा हुआ है। सरकार समर्थित इस तकनीक विकास योजना में चीन अमेरिका को पीछे छोड़ चुका है।

अमेरिका से 15 साल आगे निकला चीन – ताजा आंकड़ों के दृष्टिगत विशेषज्ञों का अनुमान है कि चीन उच्च तकनीक वाले परमाणु बिजलीघरों की स्थापना के मामले में अमेरिका से 15 वर्ष आगे निकल चुका है। सोमवार को इस बाबत टेकनोलोजी एंड इनोवेशन फाउंडेशन नाम के अमेरिकी शोध संस्थान की रिपोर्ट सार्वजनिक हुई है।

चीन तेजी से बना रहा परमाणु रिएक्टर- चीन में इस समय उच्च तकनीक वाले 27 रिएक्टरों के निर्माण का कार्य चल रहा है। चीन में इनके निर्माण का औसत समय सात वर्ष है जो अन्य किसी देश की तुलना में सबसे कम है। मतलब, चीन में सबसे तेज गति से परमाणु रिएक्टरों के निर्माण का कार्य चल रहा है। इतना ही नहीं, चीन में निर्माणाधीन परमाणु ऊर्जा

संयंत्र अभी तक की सबसे उन्नत तकनीक पर आधारित हैं। इसके चलते चीन कम लागत में ज्यादा और सुरक्षित परमाणु ऊर्जा पैदा करने में विश्व में सबसे आगे निकल चुका है। इस समय अमेरिका में सबसे ज्यादा परमाणु ऊर्जा संयंत्र हैं।

अमेरिकी सरकार पूरी तरह से हानिकारक गैसों से मुक्त बिजली उत्पादन को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है, लेकिन जार्जिया प्रांत में उसके जो दो परमाणु ऊर्जा संयंत्र 2023 और 2024 में शुरू हुए हैं वे कई वर्षों के विलंब और अरबों डॉलर की लागत बढ़ने के बाद शुरू हो पाए हैं। इस समय अमेरिका में एक भी परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण का कार्य नहीं चल रहा है।

उच्च तकनीक पर आधारित एक संयंत्र को स्थापित करने की योजना पर प्रयोगशाला में कार्य चल रहा था, लेकिन उसे भी 2023 में रोक दिया गया, जबकि चीन में स्थिति अलग है। वहां पर सरकारी बैंक परमाणु संयंत्रों के विकास के लिए 1.4 प्रतिशत ब्याज की दर से कर्ज दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त परमाणु संयंत्र स्थापित करने के लिए सरकारी संस्थाएं कई तरह की सुविधाएं और सहयोग भी दे रही हैं।

चीन की न्यूक्लियर एनर्जी एसोसिएशन ने क्या कहा?- चीन परमाणु ऊर्जा के विकास के लिए वैसे ही प्रयासरत है जैसे कि वह प्रदूषण मुक्त ऊर्जा संयंत्रों और ई वाहनों के विकास में प्रयास करके अग्रणी बन गया है। इस सिलसिले में चीन ने चौथी पीढ़ी का गैस से ठंडे होने वाले रिएक्टर शिदाओ बे का दिसंबर 2023 में उपयोग शुरू किया है। चीन की न्यूक्लियर एनर्जी एसोसिएशन ने कहा है कि यह विश्व का पहला पूरी तरह से स्थानीय उत्पादों पर आधारित संयंत्र है। इसमें चीन के ही 93.4 प्रतिशत उपकरणों और सामान का इस्तेमाल हुआ।

बंदूक की नोंक पर यूएस सीक्रेट सर्विस एजेंट के साथ हुई लूटपाट

राष्ट्रपति बाइडन की कैलिफोर्निया यात्रा के दौरान हुई वारदात

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। दुनियाभर को कानून-व्यवस्था को लेकर नसीहतें देने वाले अमेरिका के हालात कैसे हैं इसका अंदाजा कैलिफोर्निया की इस घटना से लग सकता है। मामला ये है कि इस सप्ताह के अंत में कैलिफोर्निया में बंदूक की नोंक पर एक सीक्रेट सर्विस एजेंट को ही कथित तौर पर लूट लिया गया। वारदात को तब अंजाम दिया गया, जब उसी समय लॉस एंजिल्स में एक हाई-प्रोफाइल फंडरेजर कार्यक्रम के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन मौजूद थे। फॉक्स न्यूज ने यह जानकारी दी है।

यूएस सीक्रेट सर्विस का सदस्य बना लूटपाट का शिकार- यह घटना शनिवार देर शाम स्थानीय समयानुसार लगभग 9:30 बजे टस्टिन फील्ड्स एक आवासीय समुदाय में हुई। टस्टिन पुलिस विभाग ने बताया कि लूटपाट की रिपोर्ट मिलने पर अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों के मुताबिक, लूटपाट का शिकार यूएस सीक्रेट सर्विस का सदस्य बना। लूटपाट के दौरान बंदूक की नोक पर उसका सामान जबरन ले लिया गया। फॉक्स न्यूज के अनुसार, हालात इतने बिगड़े कि एक एजेंट की ओर से गोलीबारी हुई, हालांकि यह साफ नहीं है कि संदिग्ध को चोटें आई या नहीं।

टस्टिन पुलिस विभाग ने डकैती में शामिल अपराधियों की पहचान करने में सहायता के लिए एक सार्वजनिक अपील जारी की है। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, प्रासंगिक जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति को 714-573-3372 पर विभाग से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस बीच, राष्ट्रपति बाइडन उसी शाम लॉस एंजिल्स में एक फंडरेजर कार्यक्रम में व्यस्त थे। पीकॉक थिएटर में आयोजित इस समारोह में जॉर्ज क्लूनी, जूलिया रॉबर्ट्स और बारबरा स्ट्रीसैंड सहित कई मशहूर हस्तियां शामिल हुईं। इस कार्यक्रम ने कथित तौर पर बाइडन अभियान के लिए 30 मिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक की राशि जुटाई, जो इसकी हाई-प्रोफाइल प्रकृति और फंडरेजर कार्यक्रम की सफलता को रेखांकित करता है।

नासा के रोवर ने मंगल के जेज़ेरो क्रेटर में खोज निकाला रहस्यमयी बोल्डर, मिले दिलचस्प सुराग

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा के पर्सिवियरेंस रोवर ने मंगल के जेज़ेरो क्रेटर में एक महत्वपूर्ण खोज की है। रोवर ने एटोको पॉइंट नामक एक विशिष्ट हल्के रंग का रहस्यमयी बोल्डर खोज निकाला है।वर्तमान पर्सिवियरेंस मिशन के सह-नेता, ब्रैड गार्सिन्स्की ने कहा-माउंट वॉशबर्न में बनावट और संरचना की विविधता टीम के लिए एक रोमांचक खोज थी, क्योंकि ये चट्टानें क्रेटर रिम और संभावित रूप से उससे परे लाए गए भूगर्भीय उपहारों का एक समूह दर्शाती हैं। इन सभी अलग-अलग चट्टानों में से एक ने हमारा ध्यान खींचा। 18 इंच के व्यास वाले इस बोल्डर ने वैज्ञानिकों को पाइरोक्सीन और फेल्डस्पार की संरचना से आकर्षित किया, जो खनिज पृथ्वी और चंद्रमा पर भी पाए जाते हैं।

माना जाता है कि यह मंगल ग्रह के मैग्मा से उत्पन्न हुआ है और संभवतः प्राचीन नदी चैनलों द्वारा ले जाया गया है, यह खोज मंगल के भूवैज्ञानिक इतिहास पर प्रकाश डालती है और संभावित प्राचीन जीवन के सुराग प्रदान

करती है। रोवर, जो 2021 में विशेष रूप से प्राचीन जेज़ेरो क्रेटर की जांच करने के लिए लाल ग्रह पर उतरा था, ने इस महीने की शुरुआत में एक रहस्यमयी हल्के रंग का बोल्डर पाया, जो मंगल ग्रह की भूमि पर देखा गया अपनी तरह का पहला बोल्डर है।

फ्रांस व जर्मनी की शक्तियां कमजोर हुईं, ईयू के शीर्ष पदों पर उम्मीदवारी को लेकर बढ़ी संघ की टेंशन

ब्रुसेल्स, एजेंसी। यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के नेताओं के बीच संघ के शीर्ष पदों पर उम्मीदवारों को लेकर सोमवार को अंतिम सहमति नहीं बनी हालांकि कई नेताओं ने संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन के काम की सराहना की और प्रतीत होता है कि वह इस महीने के अंत में एक बार फिर से अपने पद पर काबिज हो सकती हैं। यूरोपीय संघ परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने ब्रसेल्स में अनौपचारिक राजभोज की अध्यक्षता के बाद कहा, अब तक आम सहमति नहीं बनी है।

यूरोपीय संघ के एक अधिकारी ने कहा कि नेता ब्लॉक के कुछ प्रमुख पदों को भरने के करीब पहुंच रहे हैं।अधिकारी ने कहा कि उच्च समाजवादी फ्रैंस टिमरमैन यूरोपीय आयोग के प्रमुख के रूप

में जीन-क्लाउड जंकर का स्थान लेने के लिए प्रमुख स्थिति में हैं।वार्ता में शामिल उच्च पदस्थ राजनयिक ने कहा कि क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स बुल्गारिया की क्रिस्टालिना जॉर्जीवा को डोनाल्ड टस्क के बाद यूरोपीय परिषद के प्रमुख के रूप में नियुक्त करेंगे, जो सदस्य देशों की नीतियों का समन्वय करती है और शिखर सम्मेलनों का आयोजन करती है।अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बात की क्योंकि 28 नेता अभी तक औपचारिक शिखर सम्मेलन के लिए फिर से नहीं आए हैं, जहां उन्हें पदों की पुष्टि करनी चाहिए।

संघ के 27 सदस्यीय देश हालिया यूरोपीय चुनावों में हुई उठापठक को लेकर चिंतित हैं और वे यह सोच रहे हैं कि इन नतीजों के साथ किस तरह से शीर्ष पदों के लिए उम्मीदवारों को नामांकित करें। मिशेल ने 27 और 28 जून को होने वाली संघ अध्यक्षों और प्रधानमंत्रियों की अगली बैठक के संदर्भ में कहा, अगली यूरोपीय परिषद को तैयार करने की दिशा में आज (मंगलवार) हुआ यह संवाद एक उपयोगी कदम है। मिशेल ने वॉन डेर लेन और अन्य उम्मीदवारों की संभावनाओं पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा, अगले सप्ताह सब स्पष्ट हो जाएगा।

छह से नौ जून को हुए चुनावों में यूरोपीय संसद में ज्यादातर दक्षिणपंथी पार्टियों ने जीत हासिल की और फ्रांस व जर्मनी में सत्तारूढ़ सरकारों को जोरदार झटका दिया।

कश्मीर की आवाज बनूंगा; सुनक की पार्टी के सांसद अपनी ही चाल में फंसे, अब हो रही फजीहत

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद मार्को लोंघी पीएम मोदी के खिलाफ और कश्मीर की आवाज मैं बनूंगा को लेकर जारी अपने ही लेटर पर घिरते नजर आ रहे हैं। अब उनकी जमकर फजीहत हो रही है। उन्होंने चुनाव के बीच एक सार्वजनिक पत्र जारी कर पाक मूल के ब्रिटेनवासियों से अपील की थी, जिस पर विपक्ष ने उन्हें निशाने पर लेना शुरू कर दिया है। अपने पत्र में उन्होंने आह्वान किया कि जो पाकिस्तानी ब्रिटेन में रह रहे हैं, वो चुनाव में उन्हें ही वोट दें क्योंकि संसद में सिर्फ वही हैं, जो कश्मीर के लिए उनकी आवाज बनेंगे। अपने लेटर में सांसद ने पीएम नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। कहा कि मोदी फिर पीएम बन गए हैं, तो अब आने वाले महीने कश्मीर के लोगों के लिए और भी कठिन होने वाले हैं।

ब्रिटेन में 4 जुलाई को मतदान होना है और इस बार माना जा रहा है कि ऋषि सुनक के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी को चुनाव में अग्निपरीक्षा का सामना करना पड़ सकता है। विपक्षी लेबर दल उम्मीद जता रही है कि वह इस बार तख्तापलट करेगी। चुनाव सिर पर हैं और इस बीच सुनक की पार्टी के सांसद ने ऐसा कर दिया कि उनकी चाल उन पर ही भारी पड़ती दिखाई दे रही है। बकरीद के मौके पर कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद मार्को लोंघी ने अपने पत्र में दावा किया कि वह ब्रिटेन की संसद में कश्मीर की आवाज बनेंगे।

पीएम मोदी की आलोचना- अपने लेटर में लोंघी ने लिखा कि कैसे वह कश्मीर के लोगों के प्रति भारत सरकार के अत्याचारों के खिलाफ बोलने में सबसे आगे रहे हैं और पूछते हैं, संसद में कश्मीर के लिए कौन बोलेगा? पत्र में कहा गया है, हाल ही में हमने (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी की भाजपा को भारत में दोबारा निर्वाचित होते देखा है। इसका मतलब है कि आने वाले महीनों में कश्मीर के लोगों के लिए और भी कठिन समय होगा। इसमें आगे कहा गया, नरेंद्र मोदी ने हाल ही में स्पष्ट कर दिया है कि वह कश्मीर को पूर्ण राज्य का

दर्जा देने जा रहे हैं, जिसका मतलब कश्मीरियों के किसी भी संप्रभु अधिकार और उनकी विशेष स्थिति को पूरी तरह से खत्म करना होगा।

पाक मूल के लोगों को रिझाने में फंस गए सांसद

मार्को लोंघी ने चुनाव से पहले मतदाताओं को रिझाने के लिए चाल चली है। उन्होंने पाकिस्तानी मूल के ब्रिटेनवासियों को लिख पत्र में अपील की कि वे लेबर पार्टी के उम्मीदवार के बजाय उन्हें ही वोट दें। लोंघी ने संकल्प लिया कि वह संसद में कश्मीर के लिए अपनी आवाज और भी अधिक उठाएंगे।

अब हो रही फजीहत

लोंघी अपनी ही चाल में फंसते नजर आ रहे हैं। कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पर निशाना साधते हुए, लेबर पार्टी की ओर से राजेश अग्रवाल ने पत्र को समुदायों को विभाजित करने का शर्मनाक प्रयास कहा। उन्होंने कहा कि यह मुस्लिम और हिंदू दोनों समुदायों के लिए अपमानजनक है। लीसेस्टर ईस्ट में लेबर संसदीय उम्मीदवार अग्रवाल ने कहा, लोंघी जिस तरह की राजनीति में लगे हुए हैं, उसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, ऋषि सुनक को पार्टी को पहले देश को तवज्जो देनी चाहिए और लोंघी के चुनावी अभियान को अपना समर्थन वापस ले लेना चाहिए। लोंघी को ब्रिटिश भारतीयों को अलग-थलग करने के प्रयास के लिए माफी मांगनी चाहिए। गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर को लेकर भारत अपने रुख पर कायम है। भारत लगातार कहता रहा है कि जम्मू और कश्मीर, लद्दाख के साथ, भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं।

ब्रह्मा-विष्णु में परस्पर श्रेष्ठता के विवाद में केतकी पुष्प ने भी ब्रह्मा के पक्ष में विष्णु को असत्य साक्ष्य दिया। इस पर भगवान शिव प्रकट हो गये और उन्होंने असत्यभाषिणी केतकी पर क्रुद्ध होकर उसे सदा के लिए त्याग दिया। तब ब्रह्माजी ने भी लज्जित होकर भगवान विष्णु को नमस्कार किया। उसी दिन से भगवान शंकर की पूजा में केतकी पुष्प के चढ़ाने का निषेध हो गया।

शिव पूजा में केतकी पुष्प का निषेध

एक बार ब्रह्मा-विष्णु में परस्पर विवाद हुआ कि दोनों में श्रेष्ठ कौन है? उसी समय एक अखण्ड ज्योति लिंग के रूप में प्रकट हुई तथा आकाशवाणी हुई कि आप दोनों इस लिंग के ओर-छोर का पता लगायें। जो पहले पता लगायेगा, वही श्रेष्ठ होगा। विष्णु पाताल की ओर गये और ब्रह्मा ऊपर की ओर। विष्णु थककर वापस आ गये। ब्रह्माजी शिव के मस्तक से गिरे हुये केतकी पुष्प को लेकर ऊपर से लौट आये और विष्णु से कहा कि यह केतकी पुष्प मैंने लिंग के मस्तक से प्राप्त किया है। केतकी पुष्प ने भी ब्रह्मा के पक्ष में विष्णु को असत्य साक्ष्य दिया। इस पर भगवान शिव प्रकट हो गये और उन्होंने असत्यभाषिणी केतकी पर क्रुद्ध होकर उसे सदा के लिए त्याग दिया। तब ब्रह्माजी ने भी लज्जित होकर भगवान विष्णु को नमस्कार किया। उसी दिन से भगवान शंकर की पूजा में केतकी पुष्प के चढ़ाने का निषेध हो गया।

यह माया इतनी प्रबल है कि यह ज्ञानियों को भी मोह में डाल देती है। स्वयं देवाधिदेव लक्ष्मीपति भगवान विष्णु भी इस महामाया से अछूते नहीं हैं। जब देवता या मनुष्य इनकी स्तुति करते हैं, तब प्राणियों के दु:ख का नाश करने के लिये वे भगवती जगदम्बा प्रकट होती हैं। वे भगवती देव के अथवा काल के अधीन नहीं हैं। ब्रह्मा, विष्णु, महेश तो निमित्त मात्र हैं। उन्होंने सरस्वती, लक्ष्मी तथा पार्वती के रूप में उन्हें अपनी शक्तियां प्रदान की हैं। एक अन्य कथा के अनुसार, भगवान विष्णु गरुड़ पर नारदजी को बैठाकर एक दिव्य रमणीय सरोवर के तट पर ले गये और उनसे उनमें स्नान करने को कहा। उस सरोवर में जैसे ही नारदजी ने डुबकी लगायी, वे एक सुंदर युवती के रूप में परिणत हो गये। सरोवर से निकलने पर उन्हें अपने स्वरूप का ज्ञान विस्मृत हो चुका था। भगवान विष्णु वहां से अन्तर्धयान हो चुके थे। इतने में ही तालध्वज नामक एक राजा उधर आ निकला और सुंदर स्त्री के रूप में नारदजी को देखकर उसने उनसे प्रणय याचना की। नारदजी को अपना ज्ञान तो विस्मृत हो ही चुका था, स्त्री के रूप में उन्हें आश्रण की आवश्यकता भी थी, अत: वे राजा तालध्वज की महारानी बन गये। कालान्तर में वे अनेक पुत्रों की माता भी बने। उनके अनेक पौत्र भी हुये। इस प्रकार वे मायाविमोहित हो अपने परिवार में अत्यन्त आसक्त हो गये, उनका दिव्य ज्ञान विस्मृत हो चुका था। एक बार किसी दूसरे देश के राजा ने तालध्वज के राज्य पर आक्रमण कर दिया। भयानक संग्राम में राजा तालध्वज के सभी पुत्र और पौत्र मारे गये। स्त्री रूप धारी नारदजी ने रणभूमि में जाकर अपने पुत्र-पौत्रों को मृत देखा तो विलाप करने लगे। इतने में वृद्ध ब्राह्मण रूपधारी भगवान विष्णु ने वहां आकर उनको जगत की नश्वर गति समझाते हुए सरोवर में स्नान कर मृत पुत्र-पौत्रों को तिलांजलि देने को कहा। तब जैसे ही स्त्रीरूपधारी नारदजी ने उस सरोवर में डुबकी लगायी तो वे अपने वास्तविक नारद रूप में आ गये। भगवान विष्णु तट पर उनकी वीणा और मृगचर्म लिये खड़े थे। नारदजी को पुन: अपने स्वरूप की स्मृति हो आयी तो वे विस्मय में पड़ गये, उन्हें विस्मयान्वित देखकर भगवान विष्णु ने कहा- हे नारद! यहां आओ, वहां क्या कर रहे हो?

इधर राजा तालध्वज अपनी स्त्री को सरोवर से वापस न आया देखकर विलाप करने लगे। तब भगवान विष्णु तथा नारद ने उन्हें प्रबोधित किया। उनकी ज्ञान चर्चा से राजा तालध्वज के मन में वैराग्य भाव उत्पन्न हो गया। इसके बाद भगवान विष्णु ने नारदजी से कहा- हे महामते! देखो, यह सारा खेल महामायाजनित है।

भक्तों में श्रेष्ठ कहलाते हैं ध्रुव

महाराज उत्तानपाद की बड़ी रानी के पुत्र ध्रुव ने पहले महीने में कैथ और बेर, दूसरे महीने में सूखे पत्ते, तीसरे महीने में जल और चौथे महीने में केवल वायु ग्रहण करके तपस्या की। पांचवें महीने में उन्होंने एक चरण से खड़े होकर श्वास लेना भी बंद कर दिया। मंत्र के अधिष्ठाता भगवान वासुदेव में ध्रुव का चित एकाग्र हो गया। संसार के एकमात्र आधार भगवान में एकाग्र होकर ध्रुव के श्वास अवरोध कर देने से देवताओं का श्वासावरोध स्वतः हो गया।

महाराज उत्तानपाद की दो रानियां थीं। उनकी बड़ी रानी का नाम सुनीति और छोटी का सुरुचि था। सुनीति से ध्रुव तथा सुरुचि से उत्तम नाम का पुत्र उत्पन्न हुआ। महाराज उत्तानपाद अपनी छोटी रानी सुरुचि से अधिक प्रेम करते थे। सुनीति प्राय: उपेक्षित थी। इसलिये वह सांसारिकता से विरक्त होकर अपना अधिक से अधिक समय भगवान के भजन पूजन में व्यतीत करती थी। एक दिन बड़ी रानी के पुत्र ध्रुव अपने पिता महाराज उतानपाद की गोद में बैठ गये। सुरुचि ने उन्हें खींचकर बलात वहां से उतार दिया और फटकारते हुए कहा- यह गोद और राजा का सिंहासन मेरे पुत्र उत्तम का है। तुम्हें यह पद प्राप्त करने के लिए भगवान की आराधना करके मेरे गर्भ से उत्पन्न होना पड़ेगा। ध्रुव सुरुचि के इस दुर्व्यवहार से अत्यन्त दुखी होकर रोते हुए अपनी मां सुनीति के पास आये। अपनी सौत के व्यवहार के विषय में जानकर सुनीति के मन में भी अत्यधिक पीड़ा हुई। उन्होंने ध्रुव को समझाते हुए कहा- पुत्र! तुम्हारी विमाता ने क्रोध के आवेश में ठीक ही कहा है। भगवान ही तुम्हें पिता का सिंहासन अथवा उससे भी श्रेष्ठ पद देने में समर्थ हैं। अत: तुम्हें उनकी ही आराधना करनी चाहिए। माता के वचनों पर विश्वास करके पांच वर्ष का बालक ध्रुव वन की ओर चल पड़ा। मार्ग में उसे देवर्षि नारद मिले। उन्होंने ध्रुव को अनेक प्रकार से समझाकर घर लौटाने का प्रयास किया, किंतु वे उसे लौटाने में असफल रहे। अंत में उन्होंने ध्रुव को द्वादशाक्षर मंत्र ओम नमो भगवते वासुदेवाय की दीक्षा देकर यमुना तट पर अवस्थित मधुवन में जाकर तप करने का निर्देश दिया। ध्रुव देवर्षि को प्रणाम करके मधुवन पहुंचे। उन्होंने पहले महीने में कैथ और बेर, दूसरे महीने में सूखे पत्ते, तीसरे महीने में जल और चौथे महीने में केवल वायु ग्रहण करके तपस्या की। पांचवें महीने में उन्होंने एक चरण से खड़े होकर श्वास लेना भी बंद कर दिया। मंत्र के अधिष्ठाता भगवान वासुदेव में ध्रुव का चित एकाग्र हो गया। संसार के एकमात्र आधार भगवान में एकाग्र होकर ध्रुव के श्वास अवरोध कर देने से देवताओं का श्वासावरोध स्वत: हो गया। उनके प्राण संकट में पड़ गये। देवताओं ने भगवान के पास जाकर उनसे ध्रुव को तप से निवृत्त करने की प्रार्थना की। ध्रुव भगवान के ध्यान में लीन थे। अचानक उनके हृदय की ज्योति अंतर्हित हो गयी। ध्रुव ने घबराकर अपनी आंखें खोलीं। सामने शंख, चक्र, गदा, पद्मधारी भगवान स्वयं खड़े थे। ध्रुव अज्ञान बालक थे। उन्होंने हाथ जोड़कर स्तुति करनी चाही, किंतु वाणी ने साथ नहीं दिया। भगवान ने उनके कपोलों से अपने शंख का स्पर्श करा दिया। बालक ध्रुव के मानस में सरस्वती जाग्रत हो गयीं। उन्होंने हाथ जोड़कर भगवान की भावभीनी स्तुति की। भगवान ने प्रसन्न होकर उन्हें अविचल पद का वरदान दिया। घर लौटने पर महाराज उत्तानपाद ने ध्रुव का अभूतपूर्व स्वागत किया और उनका राज्याभिषेक करके तप के लिये वन गमन किया। ध्रुव नरेश हुए। संसार में प्रारब्ध शेष हो जाने पर ध्रुव को लेने के लिये स्वर्ग से विमान आया। ध्रुव मृत्यु के मस्तक पर पैर रखकर विमान में आरुढ़ होकर स्वर्ग पधारे। उन्हें अविचल धाम प्राप्त हुआ। उत्तर दिशा में स्थित ध्रुवतारा आज भी उनकी अपूर्व तपस्या का साक्षी है।

महिलाओं के जीवन पर बृहस्पति का प्रभाव

महिलाओं का जीवन उनके पति बच्चों और घर -गृहस्थी में सिमटा होता है। जन्म कुंडली में बृहस्पति खराब हो तो वह महिला को स्वार्थी, लोभी और क्रूर विचार धारा की बना देता है।

दाम्पत्य जीवन में दुखों का समावेश होता है और संतान की ओर से भी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पेट और आंतों के रोग हो जाते हैं। अगर जन्म-कुंडली में बृहस्पति शुभ प्रभाव दे तो महिला धार्मिक, न्याय प्रिय, ज्ञानवान, पति प्रिया और उत्तम संतान वाली होती है। ऐसी महिलाएं विद्वान होने के साथ - साथ बेहद विनम्र भी होती है। कुछ कुंडलियों में बृहस्पति शुभ होने पर भी उग्र रूप धारण कर लेता है तो स्त्री में विनम्रता की जगह अहंकार भर जाता है। वह अपने समक्ष सभी को तुच्छ समझती है क्योंकि बृहस्पति के शुभ होने पर उसमें ज्ञान की सीमा नहीं रहती। वह सिर्फ अपनी ही बात पर विश्वास करती है।अपने इसी व्यवहार के कारण वह घर और आस-पास के वातावरण से कटने लगती है और धीरे- धीरे अवसाद की और घिरने लग जाती है क्योंकि उसे खुद ही मालूम नहीं होता की उसके साथ ऐसा क्यों हो रहा है यही अहंकार उस में मोटापे का कारण भी बन जाता है। वैसे तो अन्य ग्रहों के अशुभ प्रभाव से भी मोटापा आता है मगर बृहस्पति के अशुभ प्रभाव से मोटापा अलग ही पहचान में आता है यह शरीर में थुल थुला पन अधिक लाता है क्योंकि की बृहस्पति शरीर में मेद कारक भी है तो मोटापा आना स्वाभाविक ही है।

कमजोर बृहस्पति हो तो पुखराज रत्न धारण किया जा सकता है मगर किसी ज्योतिष की राय ले कर। गुरुवार का व्रत करें, सोने का धारण करें,पीले रंग के वस्त्र पहनें और पीले भोजन का ही सेवन करें। एक चपाती पर एक चुटकी हल्दी लगाकर खाने से भी बृहस्पति अनुकूल होता है। उग्र बृहस्पति को शांत करने के लिए बृहस्पति वार का व्रत करना, पीले रंग और पीले रंग के भोजन से परहेज करना चाहिए बल्कि उसका दान करना चाहिए। केले के वृक्ष की पूजा करें और विष्णु भगवान् को केले का भोग लगाएं और छोटे बच्चों, मंदिरों में केले का दान और गाय को केला खिलाना चाहिए। अगर दाम्पत्य जीवन कष्टमय हो तो हर बृहस्पति वार को एक चपाती पर आटे की लोई में थोड़ी सी हल्दी, देसी घी और चने की दाल (सभी ए क चुटकी मात्र ही) रख कर गाय को खिलाएं। कई बार पति-पत्नी अगल - अलग जगह नौकरी करते हैं और चाह कर भी एक जगह नहीं रह पाते तो पति -पत्नी दोनों को ही बृहस्पति को चपाती पर गुड की डली रख कर गाय को खिलानी चाहिए और सबसे बड़ी बात यह के झूठ से जितना परहेज किया जाय, बुजुर्गों और अपने गुरु,शिक्षकों के प्रति जितना सम्मान किया जायेगा उतना ही बृहस्पति अनुकूल होता जायेगा।

भविष्य का ज्ञाता है सामुद्रिक ज्योतिष

ज्योतिष सबसे पुराना विषय है क्योंकि मनुष्य जाति के इतिहास की जितनी खोजबीन हो सकी उसमें ऐसा कोई भी समय नहीं था जब ज्योतिष मौजूद न रहा हो। सामुद्रिक ज्योतिष विषय को हस्त रेखा विज्ञान के नाम से जाना जाता है। यह अपने आप में समृद्ध ज्योतिषशास्त्र है। जिसमें शरीर के अंगों, त्वचा के रंग, हथेली की रेखाओं, चिन्हों एवं नाखूनों के साथ ही हथेली के आकार का भी गूढ़ अध्ययन होता है। जीसस से 25 हजार वर्ष पूर्व सुमेर में मिले हुए हडडी के अवशेषों पर ज्योतिष के चिन्ह अंकित है। पश्चिम में,पुरानी से पुरानी जो खोजबीन हुई है। वह जीसस से 25 हजार वर्ष पूर्व इन हड्डियों की है। जिन पर ज्योतिष के चिन्ह और चंद्र की यात्रा के चिन्ह अंकित है। सामुद्रिक ज्योतिष का जन्म आज से करीब 5000 ई. पू. माना जाता है। सामुद्रिक ज्योतिष के रचियता कुमार कार्तिकेय है। जिन्होंने अपने पिता भगवान शिव जी की प्रेरणा से इसकी रचना की। रचना के समय ही सामुद्रिक ज्योतिष ज्ञान को गणेश जी ने उठाकर समुद्र में फेंक दिया। शिव जी के कहने पर समुद्र ने उसे वापस लौटा दिया इस तरह ज्योतिष की यह विधा सामुद्रिक ज्योतिष कहलायी। सामुद्रिक ज्योतिष महासागर की तरह गहरा है। इस सदर्भ में यह भी कहा जाता है कि ऋषि समुद्र ने इसे पुष्पित और पल्लवित किया जिसके कारण भी यह सामुद्रिक ज्योतिष के नाम से विख्यात है। वर्तमान में किरो ने हस्तरेखा विज्ञान का प्रचार प्रसार किया।

नवग्रह पूजन का विशेष महत्व ग्रंथ-पुराणों में वर्णित है। सभी प्रकार की पूजाओं में नवग्रह पूजन का विशेष महत्व है। ग्रहों की कुल संख्या 9 है और हथेली पर जितने भी ग्रह हैं उन सबके लिए अलग अलग स्थान निर्धारित किया गया है। ग्रहों के लिए निर्धारित स्थान को ही पर्वत कहा गया है। ये पर्वत हमारी हथेली पर चुम्बकीय केन्द्र हैं। जो अपने ग्रहों से उर्जा प्राप्त कर मस्तिष्क और शरीर के विभिन्न अंगों तक पहुंचाते हैं। भारतीय संस्कृति में नवग्रह-उपासना का उतना ही महत्व है, जितना कि भगवान विष्णु, शिव तथा अन्य देवोपासना का है। जन्म से लेकर उपनयन, विवाह आदि संस्कारों में नवग्रह पूजन का विशेष महत्व है।